हरिभूमि

जबलपुर

गुरुवार 5 नवंबर 2026

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

हीरो मना रहा है भारत की कला शैलियों का जश्न. पेश है तमिलनाडु के **रुबेशकुमार टी** की **तंजौर कला.**

Hero

Hero

भरोसा
सोने सा खरा

धनतेरस की शुभकामनाएँ



Splendor+

Destini

सोने का सिक्का और बहुत कुछ जीतने का मौका पाएं*

कैश डिस्काउंट ₹3000~ तक

एक्सचेंज बोनस ₹5000~ तक

इंस्टेंट कैशबैक ₹10000^ तक

SBI card HDFC BANK pine labs

कम डाउन पेमेंट ₹4999^ से शुरू

कॉर्पोरेट ऑफर्स ₹3200~ तक

For bulk / institutional inquiries, please write to us at : institutionalsales@heromotocorp.com | Available in CSD

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero GoodLife

Also Available on: Flipkart amazon.in

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. Cash discount, Exchange & Corporate offer are exclusive and can't be availed together ^Finance/Card offer are at the sole discretion of the financier/bank. Subject to their respective T&Cs. Offer available only on limited stores. *Offer is only for New Goodlife members. Limited period offer-T&C apply.

TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलर: जबलपुर: सुधा हीरो (लाजर सिविल लाईन्स) 9289922350, सुधा हीरो (नेपियर टॉउन 9289922353, मदन महल 9111100352, दमोह नाका 9111100344), हीरो एक्सक्लूसिव: सुधा हीरो (आनंद मगर बस स्टॉप), 9289922353, मालवाह: मालवाहक हीरो 9289922572, सतना: आनंद हीरो (डॉली टॉर 9289922374, पन्ना टॉर 7389238472), सिंगरौली: मलवाहक हीरो 9289922805, मण्डला: सुधा हीरो 9289922600, नरसिंहपुर: रमेश हीरो 9289922377, सीधी: बाईक्स हीरो (टी.पी. नगर 9752263333, इलाहाबाद टॉर 9171705391), डबरा: उदय हीरो 9289922356, बालाघाट: बाईक्स हीरो 9289923108, शहडोल: सिंगोर हीरो 9289923109, गुना हीरो 9289922370, कटनी: हर्ष हीरो 9289923166, वैढन: बालाजी मोटर्स 7354559000, सीधी: डायमंड मोटर्स 9299923113, टीकमगढ़: आनंद हीरो 9289923112, सिवनी: सुधा हीरो 9821745439, छोटी: छोटी ऑटोमोबाईल्स 9821749342, एक्सक्लूसिव डीलर: पथरिया: बालाजी ऑटोमोबाईल्स 9691147568, सेमरिया: अजय मोटर्स 9893918359, अमरवाड़ा: अमित ऑटोमोबाईल्स 7428595943, बोड़ाडी: श्री राम ऑटोमोबाईल्स 9424683246, पुड़ावर: श्री ऑटोमोबाईल्स 9425181937, सिवनी: अमित मोटर 8959777333, नेमपुर: लक्ष्मिका मोटर्स 9893746172, नागरवाड़ा: दीक्षा चौरसिया 9425467409, मुन्नानदेव: लक्ष्मी लक्ष्मण मोटर्स 8109854000, छोरमा: सिटी ऑटोमोबाईल्स 7987519546, मेहर: मैहरी ऑटोमोबाईल्स 9424741022, मलगांव: हेप्पी मोटर्स 9425185568, लाखी: श्रीकृष्ण ऑटोमोबाईल्स 7428390262, पाटुरमा: जय बजरंगी ऑटोमोबाईल्स 7428390263, पाटणिया: श्री बालाजी ऑटोमोबाईल्स 7354460008, रामपुर बघेलान: हर्ष ऑटोमोबाईल्स 9993224296, लंजी: गुरुकृपा मोटो 9424728007, सिंदौरा: बाईक पाइंट 9826802730, उमरिया: गुप्ता मोटो इनोवी 9285806530, बालाघिवनी: हर्षिका मोटर्स 9425822392 , भालवा: लक्ष्मण श्री ऑटोमोबाईल 9111231539, टीकमगढ़: एस.एस. इलाहाबादिया 7000242371, पृथ्वीपुर: महावीर एजेंसीज 7000375943, मुल्ताई: बालाजी श्री मोटर्स 8522870001, सिवनी: मोक्ष मोटर्स 9685416118, बालाघाट: बालाजी मोटर्स 9926153734, बड़ोरा: बालाजी मोटर्स 9981238133, बरही: अमीरा ऑटोमोबाईल्स 7566217410, 9131739086, मलहरा: बाबा गाड़ियां ऑटोमोबाईल्स 9770531138, 9770744844, बालाघाट: गौतमिका ऑटोमोबाईल्स 9926355074, देवसर: श्री राम मोटर्स 9425086868 अमरपाटन: विशु ऑटोमोबाईल्स 9893829195, सतीसमाधान: अमित मोटर्स 9425466101, डबरा: किसान ऑटोमोबाईल्स 9893252517, बरही: मेसर्स सुविधा 9424950703, मंडला: मां मोटर्स 9981718853, सालीवोरा: अभिषेक ऑटोमोबाईल्स 8989434793, मझगवां: जैन मोटर्स 9009066959, मझौली: लघु कृष्णा ऑटोमोबाईल्स 9584628677, सीतलिहपुर पाली: श्री कृष्णा मोटर्स 8889131315, टीकमगढ़: प्रदीप मोटर्स 9981303668, बड़गांव: किसान मोटर्स 7509839990, डोंगरगढ़: अंकुर ऑटोमोबाईल्स 9589176355, तुलसीनगर सिंगरौली: राम कृपाल मोटर्स 7000995137, गढ़ा: मां मोटर्स 9144881695, गुलौटी: मालूका मोटर्स 8959050501, सीतलिहपुर: लघु ऑटोमोबाईल्स 9425886424, सोहरी: लक्ष्मी ऑटोमोबाईल्स 7987308294, अमदादा: आदी मोटर्स 8839967734, डबरा: ए एस ऑटोमोबाईल्स 9425123895, खटखरी: खटखरी ऑटोमोबाईल्स 9617241128, देवतराव: सर्वा मोटर्स 9424622310, गुढ़: सिंघल मोटर्स 9229072020, बालाघाट: श्री साई मोटर्स 9575845089, पथरिया: श्री सिद्धि मोटर्स 7607799201, सिंगरौली: मां मोटर्स 9981718853, पौंडी बालाघाटी: राधा कृष्ण मोटर्स 7000995137, बालाघाट: सर्वा बाबा एजेंसीज 9893870516, बरका: अजय ऑटोमोबाईल्स 8821819132, डबरा नैकिन: लक्ष्मी श्री ऑटोमोबाईल्स 7224852277, मझगवां: जैन मोटर्स 9009066959, लखनऊ: सिंघल मोटर्स 7223949618, अनिलिया: लक्ष्मण मोटर्स 9144594444, छपरा: माताजी एजेंसी 7000633996, कटंगी: राणा ऑटोमोबाईल्स 9407033578, साईखेड़ा: मेसर्सलक्ष्मी मोटर्स 8989828648, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) सिंदवाड़ा: बालाजी हीरो 9289922805, नरसिंहपुर: रमेश हीरो 8815396340, दमोह : हर्षित मोटर सेल 8839230079

Cheil 33547/26

प्रधानमंत्री मोदी को राहुल की चुनौती पर छिड़ा संग्राम, भाजपा ने किया पलटवार

केंद्र सरकार संसद के भीतर हर मुद्दे पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार, जहां चाहें बहस कर लें, संसद को बताया उचित मंच, हम विशेष सत्र को बुलाने पर भी राजी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी गई खुली बहस की चुनौती का पलटवार करते हुए कहा है कि सरकार संसद के भीतर हर मुद्दे पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है।केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने हैदराबाद (तेलंगना) और बाद में रायपुर (छत्तीसगढ़) में छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के समापन समारोह के दौरान राहुल पर निशाना साधा। शाह ने कहा कि संसद ही इस तरह की चर्चा का उचित मंच है।शाह ने कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो सरकार विशेष सत्र बुलाने के लिए भी तैयार है, जहां ईवीएम, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित घुसपैठ जैसे मुद्दों पर बहस की जा सकती है। शाह ने राहुल को संसद में आकर बहस में शामिल होने का साहस दिखाने की चुनौती दी है।

आकर बहस करें, भागें नहीं

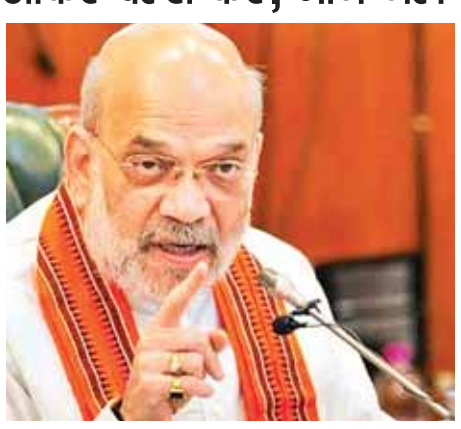

वित्त मंत्री सीतारमण ने पूछा
बहस के दौरान संसद में क्यों भागते हो? बाधित क्यों करते हो



ष राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री को खुली बहस की चुनौती देने के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। राहुल ने प्रधानमंत्री को किसी भी मंच पर सार्वजनिक बहस के लिए आमंत्रित करते हुए कई मुद्दों पर सवाल उठाए। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि चर्चा के लिए संसद पहले से मौजूद मंच है, जहां राहुल नेता प्रतिपक्ष हैं। उन्होंने विपक्ष पर संसद की कार्यवाही बाधित करने और जवाब सुनने से बचने का भी आरोप लगाया।

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा
संसद में होनी चाहिए सभी डिबेट



मुंबई। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने राहुल गांधी की बहस की चुनौती पर प्रतिक्रिया दी है। चतुर्वेदी ने कहा कि मेरा मानना है कि सभी बहसें संसद में होनी चाहिए। सरकार विपक्ष की ओर से उठाए गए मुद्दों पर चर्चा करने से बार-बार बचती है। इसी वजह से हमें अपना विरोध प्रदर्शन सड़कों पर लाना पड़ा है। अगर खुली बहस का प्रस्ताव आता है, तो दोनों राष्ट्रीय पार्टियों को अपना पक्ष रखना चाहिए। ताकि जनता खुद तय कर सके। संसद में देश, लोगों और ईसी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए।

राहुल ने दी थी खुली बहस की चुनौती



राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट जारी कर प्रधानमंत्री को सीधी बहस की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि 24 घंटे बीत चुके हैं और वह अभी भी अपने प्रस्ताव पर कायम हैं। राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री और भाजपा अक्सर विपक्ष पर देशद्रोह जैसे आरोप लगाते हैं। ऐसे में सार्वजनिक मंच पर यह स्पष्ट होना चाहिए कि आखिर देशद्रोही कौन है, किसका विदेशी ताकतों से संबंध है। गांधी ने प्रधानमंत्री को विदेशी मदद, भारत-अमेरिका ट्रेड डील, अडाणी समूह और वित्तीय सिस्टम जैसे मुद्दों पर किसी भी मंच पर खुली बहस की चुनौती दी है।

भाजपाध्यक्ष नवीन ने गोरखपुर में निकाली 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा

विपक्ष एसआईआर और ईवीएम पर सवाल उठा चुनावी हार के लिए बहाना बना रहा, हार से सबक नहीं सीखते

एजेंसी ▶▶ गोरखपुर

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे एसआईआर और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर सवाल उठाकर अपनी चुनावी हार के लिए बहाना बना रहे हैं। नवीन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और राजद नेता तेजस्वी यादव पर भी तीखे कटाक्ष किए। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं ने ऐसे 'राजकुमारों' को खारिज कर दिया है। गोरखपुर में पार्टी के 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा को संबोधित करते हुए नवीन ने कहा कि उत्तर प्रदेश के दो 'राजकुमारों' (राहुल गांधी और अखिलेश यादव) के कारनामे ऐसे रहे हैं, जिन्हें राज्य और देश की जनता आज भी याद रखती है। राहुल को 'पार्ट-टाइम राजनेता' बताते हुए नवीन ने आरोप लगाया कि वे केवल चुनावों के दौरान ही राजनीतिक रूप से सक्रिय होते हैं, जबकि भाजपा कार्यकर्ता पूरे साल जनसेवा में लगे रहते हैं। उन्होंने विपक्षी पर यह आरोप लगाया कि वे चुनावी नतीजों को स्वीकार करने के बजाय निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाते हैं और ईवीएम में हेराफेरी का आरोप लगाते हैं। उन्होंने विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे चुनावी हार से कोई सबक नहीं सीखते, बल्कि बहाने बनाने के साथ 'घड़ियाली आंसू' बहाते हैं।

नवीन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और राजद नेता तेजस्वी यादव पर भी तीखे कटाक्ष किए

राहुल को बताया 'पार्ट-टाइम राजनेता'



ईवीएम मामले में राहुल ने एक भी प्रमाण नहीं दिए, मैदान छोड़ा

रामलीला मैदान में एक नवंबर को विपक्ष की रैली का जिक्र करते हुए, उन्होंने दावा किया कि वहां उतनी भीड़ भी नहीं जुटी, जितनी आयोजकों ने उम्मीद की थी। यह उम्मीद की गई भीड़ का 10 प्रतिशत भी नहीं थी। एनडीए के सहयोगी देशभर में विशाल मार्च निकाल रहे हैं, जो ताकत और जनता के समर्थन को दर्शाता है।

नाम कटने का दिया ब्योरा

नवीन ने आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने दावा किया कि इनमें से 2.5 करोड़ नाम उन लोगों के थे जिनका निधन हो चुका है, और लगभग 6 करोड़ नाम उन लोगों के थे जो अपने पंजीकृत पते से कहीं और चले गए हैं। उन्होंने 3 करोड़ से अधिक ऐसे लोगों का भी जिक्र किया, जिनके पते की पुष्टि नहीं हो सकी।

रालोद प्रमुख जयंत ने कहा
लोकतंत्र बचाओ रैली पूरे भारत की आवाज बन रही



केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने बुधवार को कहा कि गोरखपुर में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रैली पूरे देश की आवाज है और यह केवल शहर या पूर्वांचल क्षेत्र तक सीमित नहीं है।

रवि किशन ने विपक्ष को घेरा
विपक्ष भारत में दंगे और बम धमाके वापस चाह रहा



सांसद रविकिशन ने विपक्ष पर देश में दंगे और बम धमाकों का दौर लाने की मंशा रखने का आरोप लगाते हुए कहा विपक्ष प्रधानमंत्री की चुनावी जीत और भाजपा की बढ़ती ताकत को स्वीकार नहीं कर पा रहा है। गोरखपुर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के दौरान ये आरोप लगाए।

भाजपा की प्रयागराज में पदयात्रा

सिविल लाइंस में कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र बचाने और अराजकता हटाने के नारे लगाए



प्रयागराज। भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा' में शामिल होने पहुंचे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर निशाना साधा।उन्होंने कहा कि राहुल और यादव अगले 30 साल तक प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री नहीं बन सकते। उन्होंने दावा कियाभाजपा ही वर्तमान और भविष्य है।

पूर्णिया में गरजे असम सीएम सरमा
राहुल देश को पप्पू मॉडल और प्रधानमंत्री राम मॉडल बनाना चाह रहे

पूर्णिया। पूर्णिया में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' में एनडीए के दिग्गजों का बड़ा जमावड़ा देखने को मिला। जिला परिषद परिसर में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस और विपक्ष पर तीखे राजनीतिक बाण चलाए। अपने चिरपरिचित अंदाज में उन्होंने कहा,"कैसा हाल-चाल है आप लोगों का? बहुत बढ़िया है

हिमाचल में भाजपा की पदयात्रा में गरजे जयराम और अनुराग ठाकुर
चुनाव आयोग और संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाकर देश में भ्रम पैदा किया जा रहा



हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ जोरदार राजनीतिक प्रदर्शन किया। पार्टी के राष्ट्रव्यापी 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत कार्यकर्ता सम्मेलन और पदयात्रा आयोजित की गई। इस दौरान सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। पूर्व सीएम जयराम ठाकुर ने भी विपक्ष को कठघरे में कड़ा किया। देश में विपक्ष द्वारा भ्रम फैलाने का आरोप लगाया।

कर्नाटक-केरल के सीएम इस्तीफा दें

अनुराग ने कहा कि कांग्रेस को राजनीतिक रुख में स्पष्टता लानी चाहिए। उन्होंने एसआईआर और चुनावी व्यवस्था का जिक्र करते हुए केरल सहित विभिन्न राज्यों के चुनावों की बात उठाई। कर्नाटक और केरल के सीएम इस्तीफा दें।

मान सरकार पर बरसे राहुल गांधी

ड्रग्स बड़ा नासूर, हर शाम नशा करने वाला नहीं कर सकता यह मुकाबला

दिवंगत गायक सिद्धू मूसेवाला के पिता का जिक्र किया



एजेंसी ▶▶ संगरूर

यहां के गांव फगुवाला में कांग्रेस की इंसाफ रैली में राहुल गांधी ने मान सरकार और आम आदमी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सबसे पहले मंच पर मौजूद दिवंगत गायक सिद्धू मूसेवाला के पिता का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आज पंजाब में नशा और गैंग्सटरिज़्म सबसे बड़ा संकट बन चुका है। राहुल ने कहा कि सिद्धू मूसेवाला बेहद टैलेंटेड और ऊर्जावान युवा थे। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि जिस सोच ने मूसेवाला को दिन-दहाड़े और बिना डरे गोलियों से भून दिया, वह दुखद है। राहुल ने कहा कि जिस पिता को अपने जवान बेटे की अर्थी देखनी पड़े, उससे बड़ा दर्द इस दुनिया में और कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि मूसेवाला की सिक्योरिटी हटाने के बाद सरेआम उनकी हत्या कर दी गई।

हम पंजाब से नशा पूरी तरह मिटा देंगे

राहुलने कहा कि जब वह पहले पंजाब आए थे और उन्होंने नशे की बात कही थी, तब विपक्ष के तमाम दलों बीजेपी और अकाली दल ने उनकी बात को नकारा था। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब तक प्रदेश में उद्योग, फैक्ट्रियां और खेती-किसानी मजबूत नहीं होगी, तब तक नशा और गैंग्सटरिज़्म का खात्मा नहीं हो सकता। राहुल ने कहा कि चुनाव के समय उन्होंने वादा किया था कि वे पंजाब से नशा पूरी तरह मिटा देंगे। जनता ने उन पर भरोसा भी किया, लेकिन आज सवाल यह है कि सरकार ने प्रदेश के किस कोने से नशा खत्म किया है? मान पर सीधा प्रहार करते हुए राहुल ने लोकसभा के दिनों का एक संस्मरण साझा किया। उन्होंने कहा कि जो मुख्यमंत्री खुद हर शाम नशे की गिरफ्त में रहता हो, वह जनता को नशे से कैसे बचा सकता है।

मान के मुंह से आती थी शराब की बदबू

राहुल ने ने कहा कि पंजाब को एक ऐसी सरकार चाहिए जो यहां के लोगों के लिए काम करे। राहुल ने कहा कि पंजाब में सबसे बड़ा मुद्दा नशा है। राहुल ने पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार पर नशे को रोकने में फेल होने का आरोप लगाया। राहुल ने कहा कि दूसरी कहानी बताता हूं, आपके चीफ मिनिस्टर के बारे में, मैं लोकसभा में था सुबह-सुबह हमारे पास बैठकर हमें चुटकुले सुनाते थे और 11 बजे सुबह उनके मुंह से शराब की बू आती थी।

खबर संक्षेप

सुवेंदु बाहरी श्रमिकों को देंगे 5 हजार रुपए



कोलकाता। बंगाल के सीएम अधिकारी ने दूसरे राज्यों में काम कर रहे प्रवासी मजदूरों से घर लौटने की अपील की है और उन्हें 'वीबी-जी राम जी' योजना के तहत 125 दिन के रोजगार तथा सालाना 34,500 रुपए की आय की गारंटी का हवाला दिया है। उन्होंने दिवाली से पहले चाय बागान के श्रमिकों के लिए 5,000 की वित्तीय सहायता की भी घोषणा की है। एकमुश्त सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में ट्रांसफर की जाएगी।

महाराष्ट्र में 73 लाख किसानों को 5-5 हजार



मुंबई। महाराष्ट्र में सूखे की मार झेल रहे किसानों के लिए राज्य सरकार ने राहत राशि जारी की है। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि दिवाली से पहले 73 लाख किसानों के बैंक खातों में 5-5 हजार की शुरुआती राहत पहुंच चुकी है। जिन किसानों को अभी तक पैसा नहीं मिला है, उन्हें 2 दिनों में भुगतान किया जाएगा। करीब 95 फीसदी को इस अवधि में राहत राशि मिल जाएगी। राज्य में 4.86 लाख किसानों के लिए 4,764 करोड़ रुपए की कर्जमाफी की राशि भी जारी की गई है।

मुश्किलों में घिरे सीईसी ज्ञानेश
रिश्वत का मामला, 20 साल पुराने केस में जांच को मंजूरी

एजेंसी ▶▶ केरलम

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। केरलम में उनके खिलाफ करीब 20 साल पुराने कथित रिश्वत मामले की जांच का रास्ता खुल गया है। राज्य सरकार ने पूर्व लोक निर्माण विभाग सचिव रहे ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगे भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों की जांच के लिए विजिलेंस एंड एंटी-करप्शन ब्यूरो को मंजूरी दे दी है। आरोप है कि साल 2006 में केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट के तहत सड़क निर्माण का काम पूरा होने के बाद भुगतान जारी करने के बदले 2 करोड़ की रिश्वत मांगी गई थी। दिल्ली में मीडिया से बातचीत में मंत्री रमेश चेन्निथला ने कहा कि उन्होंने एक दिन पहले ज्ञानेश के खिलाफ जांच की अनुमति दी है। पूर्व पीडबल्यूडी सचिव के खिलाफ कई तरह के आरोप लगाए गए थे, जिन्हें लेकर विजिलेंस विभाग जांच करना चाहता था।



अमेरिका में सीनेटर बने अब्दुल
ओवैसी ने कहा- अब उत्तर प्रदेश में दरी नहीं बिछाएंगे

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

अमेरिका में हुए 2026 के मिडटर्म चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी ने सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स, दोनों सदनों में बहुमत हासिल कर लिया है। मिशिगन से सीनेट चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार माइक रोजर्स अब्दुल अल-सयद की जीत ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार माइक रोजर्स को हराकर अमेरिकी सीनेट में पहुंचने वाले पहले मुस्लिम व्यक्ति बनने का इतिहास रच दिया है। उनकी इस जीत परएआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने प्रतिक्रिया दी है। ओवैसी ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए अब्दुल की जीत को उत्तर प्रदेश की सियासत से जोड़ दिया। एक अब्दुल मिशिगन में जीत गया, अब उत्तर प्रदेश के अब्दुल को अपनी सियासी पहचान मजबूत करनी होगी। हम दिखाएं कि अब्दुल अल्लाह के सिवा किसी की गुलामी नहीं करता। अब दरी नहीं बिछाएंगे।



प्रधानमंत्री पहुंचे 'शाही' शादी में



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को नई दिल्ली में जम्मू-कश्मीर के शाही परिवार के राजकुमार मार्तंड सिंह और पंजाब के पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल की बेटी रिया बादल के विवाह रिसेप्शन में शामिल हुए।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दो क्षेत्रों को दी बड़ी सौगात

2030 तक ऊर्जा भंडारण के लिए 14,500 करोड़ की राशि मंजूर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को देश की ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए 2 अहम योजनाओं को मंजूरी दी। इनमें 92 जीडब्ल्यूएच ग्रिड-स्केल ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के लिए 14,500 करोड़ रुपए का व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण शामिल है। इलिथियम और निकल जैसे अहम खनिजों के प्रसंस्करण को बढ़ावा देने 2,814 करोड़ की योजना को भी हरी झंडी मिली। दोनों योजनाओं के लिए 17,314 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। ये निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल बैठक में लिए गए। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह नकारी दी। यह भारत के 2030 तक 500 जी डब्ल्यू नवीकरणीय ऊर्जा के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होगी।

ऊर्जा सुरक्षा के लिए 17,314 करोड़ की 2 योजनाएं स्वीकृत की

5 वर्षों तक कार्यान्वित की जाएगी



इस योजना का उद्देश्य 3 प्रौद्योगिकियों में 92 जीडब्ल्यूएच भंडारण क्षमता का विकास करना है। इनमें बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (30 जीडब्ल्यूएच) शामिल है। पंप भंडारण परियोजनाएं (60 जीडब्ल्यूएच) भी इस योजना का हिस्सा हैं। उभरती भंडारण प्रौद्योगिकियां (2 गीगीवाट) भी विकसित की जाएंगी। यह योजना 5 वर्षों तक यानी 2030-31 तक कार्यान्वित की जाएगी।

खनिजों के प्रसंस्करण को बढ़ावा मिलेगा

सरकार ने लिथियम और निकल जैसे खनिजों के प्रसंस्करण को बढ़ावा देने 2,814 करोड़ की योजना को मंजूरी दी है। यह योजना देश में अहं खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करेगी। खनिजों का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों,नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में होता है।

नवीकरणीय ऊर्जा का एकीकरण होगा सुगम

ये दोनों योजनाएं भारत की ऊर्जा स्वतंत्रता और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। ऊर्जा भंडारण प्रणालियां नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण को सुगम बनाएंगी। यह बिजली ग्रिड की स्थिरता सुनिश्चित करने में मदद करेगा। महत्वपूर्ण खनिजों का घरेलू प्रसंस्करण आयात पर निर्भरता कम करेगा। यह देश को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के झटकों से बचाएगा।

ट्राई ने लॉन्च किया नेटवर्क अनुभव

मोबाइल नेटवर्क कितना अच्छा मिलेगी प्लेटफॉर्म पर जानकारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने मोबाइल नेटवर्क और ब्रॉडबैंड की इंटरनेट स्पीड से जुड़ी गुणवत्ता को बेहतर करने के लिए नेटवर्क अनुभव प्लेटफॉर्म शुरू किया। बुधवार को शुरू किए गए प्लेटफॉर्म जरिए उपभोक्ता अपने इलाके में मोबाइल नेटवर्क और ब्रॉडबैंड की इंटरनेट स्पीड की जानकारी हासिल कर सकेंगे। प्लेटफॉर्म पर अलग-अलग दूरसंचार कंपनियों और तकनीक के आधार पर नेटवर्क की स्थिति देखी जा सकेगी। ट्राई के मुताबिक



प्लेटफॉर्म पर उसके माईस्पीड और माईकॉल ऐप के जरिए जुटाए गए आंकड़े उपलब्ध होंगे। उपभोक्ता नक्शे पर अपने इलाके की जानकारी देखकर इंटरनेट की डाउनलोड और अपलोड स्पीड का आकलन कर सकेंगे। ट्राई के स्वतंत्र नेटवर्क परीक्षणों के आंकड़े भी देखे जा सकेंगे। उपभोक्ता मोबाइल और फिक्स्ड ब्रॉडबैंड की सेवाओं की स्पीड देख सकेंगे।

जबलपुर
गुरुवार 5 नवंबर 2026
कार्तिक मास कृष्ण पक्ष-11
वर्ष : 21, अंक : 182
पृष्ठ : 2+6+6=14 मूल्य : 3.00 *
मौसम
अधि. 26
न्यून. 17

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा बोले- बांटने वाले हारे, जोड़ने वाले जीते

ट्रंप ने कहा-मैं बैलेट पर नहीं था... और ईरान जंग के फैसले से हारा

भारत को मिल सकती हैं यह बड़ी राहतें

1. व्यापार और टैरिफ में ढील
2. एच-1बी वीजा पर नरमी के आसार
3. रूस से तेल और रक्षा संबंध सरल होंगे
4. भारत की विदेश नीति प्रखर होगी

अमेरिकी में 'डेमोक्रेट्स' की सुनामी...'रिपब्लिकन' को सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में चित किया, ट्रंप के अधिकार सीमित

ट्रंप...अब...'डंप'

बेकाबू अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रहारों से कराह रही दुनिया ने ली चैन की सांस

अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा झटका लगा है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (प्रतिनिधि सभा) दोनों में बहुमत हासिल कर लिया है

सेंट्रल डेस्क रिसर्च टीम ▶▶ भोपाल

व्हाइट हाउस अधिकारियों ने माना कि राष्ट्रपति ट्रंप और रिपब्लिकन उम्मीदवारों के बीच संबंध पूरी तरह टूट चुके थे। चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण आखिरी हफ्तों में एकजुट होने के बजाए, ट्रंप ने अपनी ही पार्टी के नेताओं पर हमले किए। उन्होंने टेक्सास के रिपब्लिकन गवर्नर ग्रेग एबॉट को 'रिनो' (केवल नाम का रिपब्लिकन) कहा। ईरान के साथ खिंचा हुआ सैन्य संघर्ष इस अभियान के लिए तबाही की घंटी साबित हुआ। इस युद्ध ने मतदाताओं को डराया।

टकर कार्लसन जैसे सहयोगियों ने भी प्रशासन के इस युद्ध वाले रुख का सार्वजनिक विरोध किया। ट्रंप को लगा था कि उनकी व्यक्तिगत लोकप्रियता और रैलियों में आने वाली भारी भीड़ निचले स्तर के रिपब्लिकन उम्मीदवारों को आसानी से जीता देगी। उन्होंने खुद माना कि वह हैरान हैं कि उनकी व्यक्तिगत स्टार पावर वोटों में तब्दील नहीं हो सकी। सड़कों पर आम अमेरिकी नागरिक 3.7% की लगातार बनी हुई महंगाई और तेल की अत्यधिक कीमतों से बेहाल था। ट्रंप द्वारा विशेष रूप से चुने गए और समर्थित हाई-प्रोफाइल उम्मीदवार गहरी लाल (रिपब्लिकन) सीटों पर भी औंधे मुंह गिर गए। ट्रंप के सबसे करीबी माने जाने वाले अटॉर्नी जनरल केन पैक्सटन को डेमोक्रेट जेम्स टालारिको के हाथों करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। लिंडसे ग्राहम की मृत्यु के बाद उनकी बहन डार्लिन ग्राहम भी ट्रंप के समर्थन के बावजूद चुनाव हार गईं। इस चुनाव में ट्रंप के काम करने के तरीके और प्रशासन में कथित भ्रष्टाचार को लेकर जनता में भारी असंतोष था। लगभग 70% अमेरिकी मतदाताओं ने यह साफ किया कि वे कांग्रेस (संसद) में डेमोक्रेट्स को इसलिए जिताना चाहते हैं ताकि राष्ट्रपति की शक्तियों पर लगाम लगाई जा सके, जिसके चलते डेमोक्रेट्स ने दोनों सदनों पर नियंत्रण हासिल कर लिया।

मिडटर्म इलेक्शन 84 साल में सबसे बड़ी हार



टेक्सास राज्य में डेमोक्रेट्स की जीत का जश्न

पैसा और सुपर पावर भी नहीं जिता सका

2026 के चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी और उनके सुपर पीएसीएस के पास भारी फंड था। अकेले एलन मस्क जैसे दानदाताओं ने रिपब्लिकन अभियानों में सैकड़ों मिलियन डॉलर झोंके थे। जहां रिपब्लिकन मुख्य रूप से अरबपतियों के असीमित पैसे पर निर्भर थे, वहीं डेमोक्रेट्स ने रिपोर्ट के अनुसार अपने अभियान को लाखों आम लोगों के छोटे चंदों से खड़ा किया। डेमोक्रेट उम्मीदवारों ने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वियों के भारी फंड को उनके खिलाफ ही हथियार बना दिया।

हमला हुआ तो पहले से कड़ा जवाब देंगे: खामेनेई



ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि ईरान पर दोबारा सैन्य हमला हुआ तो पहले से कहीं कड़ा जवाब दिया जाएगा। अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी की हार के बाद उन्होंने कहा कि अमेरिकी नीति में बदलाव की उम्मीद करने वाले गलतफहमी न पालें।

इतिहास बदलने वाला कैंडिडेट सिलेक्शन

डेमोक्रेट्स ने इस बार ऐसे चेहरों को चुनावी मैदान में उतारा, जिन्होंने इतिहास रचते हुए उदासीन पड़े वोटरों (जैसे युवाओं और अल्पसंख्यकों) में नया जोश भर दिया। जॉर्जिया में केशा लांस बॉटम्स अमेरिका के इतिहास की पहली अश्वेत महिला गवर्नर बनीं। मिशिगन में अब्दुल अल-सईद अमेरिका के इतिहास के पहले मुस्लिम सीनेटर चुने गए। कंसास में एडम हैमिल्टन ने 1932 (मंदी के दौर) के बाद पहली बार डेमोक्रेट के रूप में सीनेट सीट जीती। इन ऐतिहासिक चेहरों के कारण मतदान का प्रतिशत रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

टेक्सास में ऐतिहासिक पतन

रिपब्लिकन पार्टी का सबसे मजबूत किला माना जाने वाला टेक्सास पूरी तरह ढह गया। डेमोक्रेट जीना हिनोजोसा ने इतिहास रचते हुए दिग्गज रिपब्लिकन गवर्नर ग्रेग एबॉट को हरा दिया। यह पिछले 30 से अधिक वर्षों में टेक्सास में डेमोक्रेट्स की पहली बड़ी जीत है, जिसने रिपब्लिकन की चुनावी रणनीति की धज्जियां उड़ा दीं।

युवा और हिस्पैनिक मतदाता छिटक गए

2024 के चुनाव में जो युवा और हिस्पैनिक (लैटिन अमेरिकी) मतदाता रिपब्लिकन पार्टी की तरफ झुके थे, वे इस बार वापस बड़े पैमाने पर डेमोक्रेट्स की तरफ लौट गए। 30 साल से कम उम्र के 70% युवाओं और लगभग 60% हिस्पैनिक मतदाताओं ने डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों को वोट दिया।



प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेट्स को 228 सीटें

- अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों पर चुनाव हुए। इनमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने 228 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया, जबकि रिपब्लिकन पार्टी को 139 सीटें मिलीं
- सीनेट की कुल 100 सीटों में से 35 पर चुनाव हुए। अब तक 33 सीटों के नतीजे घोषित हुए हैं। इनमें डेमोक्रेट्स ने 20 और रिपब्लिकन ने 13 सीटें जीती हैं

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

बढ़ी महंगाई, अमूल घी 50 रुपए महंगा

नई दिल्ली। दीवाली से पहले अमूल ने ग्राहकों को महंगाई का झटका दिया है। कंपनी ने घी और मक्खन की कीमतों में बढ़ोतरी की है। अब अमूल के एक किलो घी का कार्टन 50 रुपए महंगा हो गया है, जबकि 500 ग्राम मक्खन के पैक की कीमत 15 रुपए बढ़ाई गई है। गुजरात और राजस्थान में ब्रांडेड घी की बढ़ती मांग को कीमतों में बढ़ोतरी की प्रमुख वजह माना जा रहा है। डेयरी उत्पादों की मांग बढ़ने और गुजरात के कुछ क्षेत्रों में घी की कम उपलब्धता के बीच यह फैसला लिया गया है।



शहडोल-रीवा मार्ग पर ट्रक में घुसी बस

शहडोल। ब्यौहारी थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह शहडोल-रीवा मुख्य मार्ग पर यात्रियों से भरी बस सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में करीब 30 यात्री घायल हो गए, जिनमें स्कूली बच्चे भी शामिल हैं। 10 घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। दीपक कंपनी की बस शहडोल से ब्यौहारी आ रही थी। टीहकी यात्री प्रतीक्षालय के पास चालक खड़े ट्रक को नहीं देख पाया और बस उससे टकरा गई। बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।





पदयात्रा में उमड़ी भीड़

भोपाल के टीटी नगर क्षेत्र में भाजपा ने निकाली 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' पदयात्रा, नड्डा बोले

कांग्रेस जीते तो ये 'पहलवान' हारे तो चुनाव आयोग बेईमान





नड्डा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और इंडी गठबंधन द्वारा सोची समझी साजिश के तहत संवैधानिक संस्थानों के प्रति लोगों के विश्वास को अस्थिर कर देश को अस्थिर करने का प्रयास किया जा है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' संकल्प को लेकर भाजपा द्वारा बुधवार को भोपाल के अटल पथ पर आयोजित पदयात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एवं भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने पदयात्रा में सहभागिता कर उमड़े जनसैलाब को संबोधित किया। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस के अबोध बालक को सलाह देता हूं कि वह ईवीएम की चिंता छोड़कर आत्मचिंतन करें।

कांग्रेस के अबोध बालक ईवीएम की चिंता छोड़ आत्मचिंतन करें



खुले वाहन में दिग्गज

- *मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल हुए शामिल*
- *सीएम ने कहा-अभी बड़े शहरों में पदयात्राएं निकाली जा रही हैं। आने वाले दिनों में जिलों में पदयात्राएं निकाली जाएंगी*

राहुल को जनता माफ नहीं करेगी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं का बार-बार मजाक बनाने वाले, चुनाव आयोग को अपने जेब की पुड़िया समझने वाले लोग आज सर्वोच्च न्यायालय और निर्वाचन आयोग पर सवाल खड़े कर रहे हैं। न्यायालय ने जब-जब कांग्रेस के खिलाफ निर्णय दिया, कांग्रेस ने न्यायपालिका का अपमान किया।

मैं स्वयं आपातकाल का भुक्तभोगी

केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि आजकल राहुल गांधी और कांग्रेस लोकतंत्र के रक्षक बनने का नाटक कर रहे हैं। वे किस मुंह से लोकतंत्र की रक्षा करने की बात कर रहे हैं? देश जानता है कि आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने 1 लाख 30 हजार लोगों को मीसा और टीआईआर के तहत बगैर किसी दलील के 22 माह के लिए जेल में डाला था। जितना अंग्रेजों ने लोगों को जेल में नहीं डाला उससे कहीं ज्यादा कांग्रेस ने केवल 22 माह में लोगों के साथ अन्याय किया। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं भी आपातकाल का भुक्तभोगी हूं। मुझे कांग्रेस सरकार में दो बार क्लासरूम से पकड़कर पुलिस ले गई थी।

पीएम मोदी कहीं नहीं जाने वाले

नड्डा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी चुनावों में मिलने वाली हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ने की बजाए जनता के दिलों में जगह बनाना सीखें। कांग्रेस पार्टी और विपक्षी दल कितने भी षड्यंत्र करें, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी कहीं नहीं जाने वाले हैं। हम सब लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत-2047 देखने वाले हैं। कांग्रेस पार्टी और इंडी गठबंन के लोग अवैध घुसपैठियों को अपना वोटबैंक बनाने का कार्य कर रही हैं, इसलिए इन दलों को एसआईआर से समस्या हो रही है।

शहडोल: ब्यौहारी के तगावर गांव की घटना

सोते समय 15 वर्षीय किशोरी को गांव से उठा ले गया तेंदुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहडोल

जिले में जंगली जानवरों का आतंक एक बार फिर जानलेवा साबित हुआ। ब्यौहारी थाना क्षेत्र के तगावर गांव के बिजाहरा टोला में तड़के घर की परछी में सो रही 15 वर्षीय किशोरी को तेंदुआ उठाकर ले गया। कुछ देर बाद घर से करीब 300 मीटर दूर झाड़ियों में उसका क्षत-विक्षत शव मिला। सरस्वती सिंह गोंड अपनी बहन के साथ घर की परछी में सो रही थी, जबकि मां अंदर कमरे में थी। घर में दरवाजा नहीं लगा होने के कारण तड़के तेंदुआ अंदर घुस आया और सरस्वती को उठाकर ले गया।

300 मीटर दूर मिला क्षत-विक्षत शव



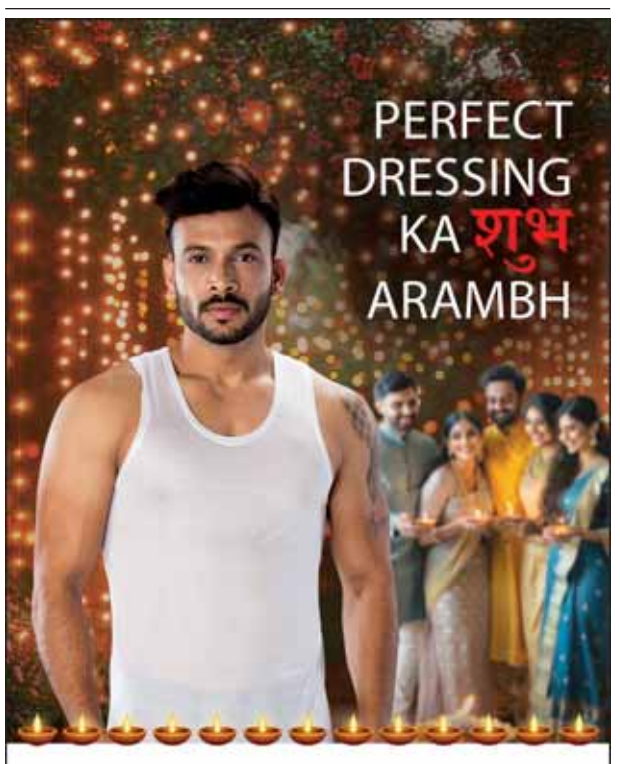
PERFECT DRESSING KA शुभ ARAMBH
KOTHARI
MISSION
SUPER FINE VEST
Kothari Hosiery Factory Private Limited
29, Strand Road, Mohta House 2nd Floor
Kolkata 700001, P 84208 26999
www.kotharihosiery.com

डॉक्टर्स एडवाइस
रजनी अरोड़ा

स्पेशलः दीपावली, 8 नवंबर

दीपावली रोशनी, खुशी का त्योहार है, लेकिन यही समय सेहत के लिए सबसे ज्यादा चुनौतियों भरा भी होता है। कभी-कभी जरा-सी असावधानी खुशियों के इस त्योहार के रंग में भंग भी डाल देती है। वो चाहे आतिशबाजी चलाते हुए असावधानी बरतने की हो या फिर तला-भुना खाना, मिठाइयों के ज्यादा सेवन से संबंधित हो। इनका असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। आप हेल्दी-सेफ दीपावली मनाएं, इसके लिए एक्सपर्ट डॉक्टर्स के बहुत यूजफुल सजेशंस।

ऐसे मनाएं हेल्दी-सेफ दीपावली



दीवाली पर चलाए जाने वाले पटाखों में कई तरह के प्रदूषक तत्वों का इस्तेमाल किया जाता है। स्ट्रोंशियम, क्रोमियम, कैडमियम, बेरियम, तांबा, सोडियम, क्लोरीनयुक्त पोटेशियम क्लोरेट पावडर, आर्सेनिक सल्फाइड, एल्यूमीनियम, कॉपर, निकिल जैसे तत्वों की वजह से पटाखे जलाने पर इनमें काफी तेजी से विस्फोट होता है, वहीं नाइट्रोजन, कार्बन मोनो ऑक्साइड, सल्फर डाई ऑक्साइड जैसी जहरीली गैसें और छोटे-छोटे पार्टिकल्स या कण भी रिलीज होते हैं। जो हवा में घुल-मिलकर वातावरण को प्रदूषित करते हैं और हमारे नाक-मुंह के जरिए शरीर में पहुंचकर हमारे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं। इनसे बचाव करना सामान्य लोगों और रोगियों के लिए बहुत जरूरी हो जाता है।

अस्थमा पेशेंट्स के लिए खतरा

आतिशबाजी से निकलने वाले पार्टिकल्स और जहरीली गैसें नाक या मुंह के जरिए श्वसन नली में पहुंचकर उसमें सिकुड़न पैदा करते हैं। इससे डस्ट-एलर्जिक, ब्रोंकाइटिस और अस्थमा के मरीज को सांस लेने में काफी दिक्कत होती है। अस्थमा का अटैक भी पड़ सकता है।

बचाव के उपायः इससे बचाव के लिए रखें ध्यान रखें-

- पटाखों के धुएं, बारूद की गंध और पटाखों से पैदा होने वाली धुंध भरी जगहों से दूर रहें।
- प्रदूषण ज्यादा हो, खासकर शाम और रात के समय, तो घर के अंदर रहें। ध्यान रखें कि घर के अंदर अगरबत्ती, धूप, कपूर और ज्यादा धुएं वाले दीये कम से कम जलें।
- खिड़की-दरवाजे बंद रखें और एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें।
- एन-95 फेस मास्क पहन कर ही बाहर निकलें।
- रेस्क्यू इनहेलर हमेशा अपने पास रखें और जरूरत पर यूज करने में देरी न करें।
- यथासंभव ग्रीन दीवाली सेलिब्रेट करें। पटाखे खुद न जलाएं और जलते पटाखों के पास खड़े न हों।
- त्योहार से पहले अपने डॉक्टर से मिलकर दवाओं की जांच करवा लें और जरूरत हो तो दवाएं बढ़वा लें।
- ऑयली फूड के बजाय संतुलित और पौषक भोजन लें। बहुत तला, मसालेदार और भारी खाना एसिडिटी बढ़ा सकता है, जो अस्थमा को बिगाड़ सकता है।
- मिठाइयां, मेवे या जिन चीज से एलर्जी है, अवॉयड करें। यथासंभव गुनगुना पानी पिएं।
- सांस लेने में परेशानी हो या इनहेलर लेने के बाद भी आराम न मिले, घबराहट या बेहोशी जैसा महसूस हो, तो डॉक्टर से संपर्क करें।

हार्ट पेशेंट्स रहें सावधान

धुएं के प्रदूषण से अरिद्मिया यानी हार्ट बीट में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। पटाखों के तेज धमाके दिल पर अतिरिक्त दबाव डाल सकते हैं, घबराहट हो सकती है,



हाइपरटेंशन बढ़ जाता है और हार्ट फेल्योर या कार्डिएक हार्ट अटैक का खतरा रहता है।

बचाव के उपायः हार्ट पेशेंट्स इन बातों का ध्यान रखें।

- शोर और धुएं वाली जगह से दूर रहें।
- घर के अंदर रहें। पटाखों के धमाके से बचने के लिए ईयर-प्लग लगाएं या हेडफोन लगाकर अपने मोबाइल पर गाने और पसंदीदा प्रोग्राम देखें।
- खान-पान का ध्यान रखें। फल, सलाद, हरी सब्जियां और साबुत अनाज ज्यादा लें। तली हुई चीजें घी, तेल, ज्यादा नमक, मसालेदार पकवान सीमित मात्रा में लें, इनसे कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है।



- खूब पानी पिएं। चाय-कॉफी, शराब और धूम्रपान से बचें।
- दवाइयां समय पर लें। डॉक्टर ने सॉर्बिट्रेट (जीभ के नीचे रखने वाली गोली) बताई हो, तो उसे हमेशा अपने पास रखें और एक्सपायरी डेट जांच लें।
- सीने में दबाव या भारीपन, दर्द जो बांह, जबड़े या पीठ तक जाए, अचानक पसीना, घबराहट, सांस फूलना या चक्कर जैसे लक्षण दिखें, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

डायबिटीज के मरीज बरतें सावधानी

डॉक्टरों की मानें, तो फेस्टिव सीजन टाइप-2 मधुमेह के मरीजों के लिए बहुत तकलीफदेय होता है। क्योंकि वे चाहते हुए भी खुद को रोक नहीं पाते और ब्लड शुगर बढ़ने जैसी समस्याओं की गिरफ्त में आ जाते हैं। बाजार में मिलने वाली मिठाइयों में चीनी और तेल का उपयोग बड़ी मात्रा में होता है। बाजार की मिठाइयों में मौजूद उच्च स्तर की शर्करा से मधुमेह के मरीजों पर खासा असर देखा जा सकता है।

बचाव के उपायः डायबिटीज पेशेंट्स ये सावधानी बरतें।

- कोई मील स्किप न करें। नियमित गैप पर भोजन करें।
- पौष्टिक और संतुलित आहार लें। फल, सलाद, हरी सब्जियां और साबुत अनाज ज्यादा लें। तला हुआ और बहुत तेल वाला खाना कम खाएं।
- मिठाई खाली पेट न खाएं। उसे भोजन के साथ या भोजन के बाद लें। मिठाई बहुत कम मात्रा में लें, जैसे एक छोटा टुकड़ा, और उसे धीरे-धीरे खाएं।
- शुगर-फ्री मिठाई को भी खुली छूट न समझें, क्योंकि उनमें मेवे, घी और खोया होता है, जिनसे कैलोरी और शुगर बढ़ सकती है।
- घर पर कम चीनी या बिना चीनी की मिठाई बनाने का विकल्प अपनाएं।
- चॉकलेट, कोल्ड ड्रिंक और मीठे पेय से बचें।
- एल्कोहल से परहेज करें।
- खाने के बाद 10-15 मिनट की हल्की सैर करें। इससे शुगर नियंत्रित रहेगी।
- ब्लड शुगर की जांच करवाते रहें। अपनी दवाएं या इंसुलिन रोज समय पर लें। कोई खुराक न छोड़ें।
- खाना देर से या बहुत कम खाने पर, खासकर इंसुलिन या कुछ दवाओं के साथ, शुगर कम (हाइपो) हो सकती है। कंपकंपी, पसीना, घबराहट या चक्कर आए तो तुरंत जांच करें और थोड़ा ग्लूकोज या चीनी लें। इसलिए पास में ग्लूकोज की गोलियां रखें।
- पटाखों के धुएं और प्रदूषण से बचें। घर में रहें और बाहर जाने पर मास्क पहनें।
- यथासंभव पटाखों से दूर रहें। पैरों का ख्याल रखें। चप्पल या जूते पहनकर पटाखों के पास जाएं। जलने या कटने से बचें, क्योंकि डायबिटीज में घाव देर से भरते हैं। छोटी जलन या चोट को भी हल्के में न लें और जल्दी से जल्दी डॉक्टर को दिखाएं।



स्किन बर्निंग से रहें सावधान

दीवाली पर आतिशबाजी चलाते समय लापरवाही होने पर कई तरह की अनहोनी भी हो जाती हैं। आंकड़े के मुताबिक पटाखों से होने वाली दुर्घटनाओं में जलने के मामले ज्यादा होते हैं, जिनमें 16 साल से कम उम्र के बच्चों की संख्या अधिक होती है। दवा या प्राथमिक उपचार शुरू करने से पहले चोट का दायरा देखना बेहतर है।

सॉफ्ट-टिशू बर्नः यह फुलझड़ी, चरखी, अनार, हंटर जैसी आतिशबाजी की चिंगारी से होता है। इसमें स्किन की ऊपरी एपिडर्मिस लेयर ज्यादा जलती है। अगर त्वचा पर छाले नहीं पड़े हैं और जला हुआ हिस्सा 4-5 सेमी से ज्यादा नहीं है, तो घर पर इलाज किया जा सकता है। सॉफ्ट-टिशू बर्न में जले हुए हिस्से पर बर्फ न लगाकर, 5-10 मिनट तक बहते नल के पानी के नीचे रखें। जलन कम होती है और त्वचा से गर्मी निकल जाती है, जिससे आगे नुकसान नहीं होता। छालों को न फोड़ें, क्योंकि वे घाव को ढंककर संक्रमण से बचाते हैं। अगर छाले फूट जाएं, तो उस जगह को हल्के साबुन और पानी से धोएं, फिर एंटीबायोटिक मरहम लगाएं और गॉज (जालीदार पट्टी) बांध दें। सिल्वर सल्फाडायजिन वाली एंटीसेप्टिक क्रीम भी इस्तेमाल की जा सकती है। अगर जलन ज्यादा हो तो डॉक्टर से संपर्क करें।

डीप बर्नः लापरवाही से या दूसरे कारणों से पटाखे चलाते हुए अचानक से फट भी जाते हैं और डीप बर्न हो सकता है। इसमें स्किन की निचली लेयर मेंब्रेन और डर्मिस भी जल सकती है। प्रभावित व्यक्ति को यथाशीघ्र डॉक्टर के पास ले जाएं। प्राथमिक उपचार के तौर पर उसके घावों पर एलोवेरा जैल लगाया जा सकता है।

आंखों का ध्यान रखना है जरूरी

आतिशबाजी के धुएं और जहरीली गैसों का असर आंखों पर भी पड़ता है। असावधानी बरतने पर कई बार आंखों में पटाखे के प्रदूषक तत्व या चिंगारी पड़ जाती है। इससे उनमें जलन, लाल होना, पानी आना, चुभन जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अगर आंखों को मसल दिया जाए तो रेटीना, कार्निया जैसे इंटरनल पार्ट्स में इंफेक्शन हो सकता है।

बचाव के उपायः आंखों की सुरक्षा के लिए ये उपाय अपनाएं। पटाखे जलाते समय सेफ्टी चश्मा या गॉगल्स पहनें। पटाखे दूर से चलाएं। पटाखा जलाकर तुरंत दूर हट जाएं। चेहरा या आंखें उसके ऊपर न झुकाएं। जो पटाखा न जले, उसे पास जाकर न देखें। दर्शक भी सुरक्षित दूरी पर रहें, क्योंकि आंख की चोट अकसर आस-पास खड़े लोगों को भी लगती है। अगर चिंगारी, बारूद या धुआं आंख में चला जाए, तो आंख को बिल्कुल न मलें। इससे कण आंख की सतह को खरोंच सकते हैं। तेज दर्द, धुंधला दिखना, रोशनी न सहना, लगातार लाली या पानी आना, आंख न खुल पाना या खून दिखने जैसे लक्षण दिखें, तो तुरंत नेत्र चिकित्सक के पाय या अस्पताल की इमरजेंसी में जाएं। धुएं से हल्की जलन हो, तो साफ पानी से धोने के बाद आराम मिल सकता है। हाथ साफ धोकर आंख को साफ बहते पानी से 5-10 मिनट तक धोएं। सिर को टेढ़ा करके पानी का धार प्रभावित आंख पर नाक की तरफ से बाहर की ओर बहने दें। पलकें खुली रखने की कोशिश करें। आंख में कुछ धंसा हुआ दिखे तो उसे निकालने की कोशिश न करें। आंख पर दबाव न डालें। आई ड्रॉप, सुरमा, काजल, दूध, शहद या कोई घरेलू चीज न डालें। तकलीफ बनी रहे तो आइज स्पेशलिस्ट को जरूर दिखाएं।

डाइजेशन का रखें ध्यान

दीवाली के अवसर पर कई तरह के पकवान घरों में बनाए जाते हैं। बैलेंस डाइट फॉलो करने वाले फिगर और हेल्थ कॉन्शस लोग भी अकसर अपने हेल्थ-गोल कुछ टाइम के लिए भूल जाते हैं। घर पर बने व्यंजनों की ओवरईटिंग और बाजार में मिलने वाली मिलावटी मिठाई खाने की वजह से कई बार गैस, एसिडिटी, कब्ज और दस्त जैसी पेट संबंधी बीमारियों से दो-चार होना पड़ता है।

बचाव के उपायः डाइजेशन प्रॉब्लम्स से बचने के लिए खानपान पर ध्यान देना जरूरी है।

- पटाखे जलाने पर केमिकल पार्टिकल्स आपके हाथ-पैरों में लगा रह सकता है। जरूरी है कि आतिशबाजी चलाने के बाद अपना चेहरा, हाथ-पैर जरूर धोएं और कुल्ला करें। इसके बाद ही कुछ खाएं-पिएं। ऐसा न करने से गैस्ट्राइंटेराइटिस जैसी पेट संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। दस्त, उल्टियां या डिहाइड्रेशन हो सकता है।
- पौष्टिक और संतुलित आहार लें। नाश्ता जरूर करें। *

(सीनियर फिजिशियन डॉ. नरेश कुमार, सीनियर डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. विक्रम सूद, सीनियर ऑपथेलमोलॉजिस्ट डॉ. नीलम अत्री, सीनियर न्यूट्रिशनिस्ट डॉ. शालिनी सिंघल से बातचीत पर आधारित)

ऐसे बचें दुर्घटनाओं से

कुछ सावधानियां बरतकर दुर्घटनाओं को टाल सकते हैं-

- लाइसेंस वाले दुकानों से आईएसआई मार्क्ड पटाखे खरीदें।
- पटाखे जलाते समय वयस्क की निगरानी जरूरी है। बच्चों को अकेला न छोड़ें। जहां बच्चे पटाखे जला रहे हों, वहां कम से कम एक वयस्क जरूर मौजूद रहे।
- पटाखे चलाने के लिए खुले एरिया में समतल सतह का चुनाव करें। आसपास सूखी घास, कागज, सूखे पत्ते, बिजली के तार, ट्रांसफॉर्मर जैसी ज्वलनशील वस्तुएं न हों।
- पटाखे चलाने से पहले लेबल पर उसे चलाने की विधि जरूर पढ़ लें। ठीक ढंग से पटाखे न चलाने पर नुकसान हो सकता है।
- चिंगारी से बचने के लिए सुरक्षा चश्मा पहनें, पूरी बाजू के सूती, मोटे और फिटिंग वाले वस्त्र पहनें। पैरों में जूते पहनें।



- पटाखे जलाने की जगह के पास पानी से भरी बाल्टी और पर्याप्त मात्रा में रेत रखें।
- हाथ में पकड़कर बम या रॉकेट न चलाएं। पटाखे माचिस या लाइटर के बजाय पटाखे मोमबत्ती, फुलझड़ी, हंटर जैसे से चलाएं ताकि पर्याप्त दूरी बनी रहे।

हेल्थ सजेशन

बीपी की दवा छोड़ने से बढ़ सकता है हार्ट अटैक का खतरा



आज के दौर में तेजी से बदलती जीवनशैली के कारण लोगों में ब्लड प्रेशर यानी बीपी की बीमारी आम होती जा रही है, जिससे बीपी की दवा रेग्युलर खानी पड़ती है। बीपी की दवा खाने वाले लोग थोड़ा आराम होने पर बीपी की दवा का सेवन कम कर देते हैं या बंद कर देते हैं। बिना डॉक्टर की सलाह के ऐसा करना मरीज के लिए हानिकारक हो सकता है। ब्लड प्रेशर कंट्रोल होने के बाद बीपी की दवाएं कब और कैसे छोड़नी चाहिए, इस पर डॉक्टरों की सलाह लेना जरूरी है। दवा छोड़ने से हार्ट पर असर पड़ सकता है। इस बारे में सर गंगाराम हॉस्पिटल के सीनियर कंसल्टेंट कार्डियोलॉजिस्ट **डॉक्टर रजत मोहन** कहते हैं कि आज के समय में हाई ब्लड प्रेशर एक आम समस्या बनती जा रही है। कम उम्र के लोगों को भी हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत हो रही है। हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए डॉक्टर दवाएं शुरू करते हैं। दवाओं से आराम लगने के बाद कुछ लोग बिना डॉक्टर से सलाह लिए दवाओं को खाना छोड़ देते हैं। ऐसा करने से स्वास्थ्य को खतरा उत्पन्न हो सकता है। बिना डॉक्टर की सलाह लिए बीपी की दवाएं बंद कर देने से हार्ट अटैक आने का जोखिम बढ़ सकता है। बीपी अगर लंबे समय से बढ़ता आ रहा है, तो इसका असर दिल पर पड़ता है। इसी वजह से बीपी कंट्रोल करने के लिए दवाएं शुरू की जाती हैं। हालांकि ये दवाएं तब शुरू की जाती हैं, जब बीपी लगातार बढ़ता रहता है और लाइफस्टाइल और खान-पान में बदलाव करके भी यह ठीक नहीं होता है। बीपी की दवा शुरू करनी है या नहीं, इसका फैसला डॉक्टर करते हैं। सिर्फ एक बार बीपी ज्यादा आने पर खुद से दवा शुरू भी नहीं करनी चाहिए।

डॉक्टर आमतौर पर कुछ समय तक बीपी की रीडिंग देखने की सलाह दे सकते हैं। अलग-अलग दिनों में कई बार बीपी बढ़ा हुआ मिल रहा है तो डॉक्टर दवा शुरू करने की सलाह दे सकते हैं। अगर डॉक्टर ने बीपी की दवा शुरू कर दी है तो मरीज को दवा अपनी मर्जी से बंद नहीं करनी चाहिए। बीपी की दवा बीच में छोड़ने और बीपी लगातार बढ़े रहने से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है और कई बार हार्ट अटैक आने का भी रिस्क हो सकता है। *

प्रस्तुतिः अजेश कुमार

फिटनेस
शिखर चंद जैन

आज के दौर में हर उम्र के लोग स्मार्टफोन एडिक्शन के शिकार हो रहे हैं। इसे गलत तरीके से यूज करने से ज्वाइंट्स संबंधी कई प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। इनसे बचने के लिए आपको कुछ सावधानी बरतनी चाहिए।

ज्वाइंट्स के लिए हार्मफुल स्मार्टफोन का गलत इस्तेमाल

दिन-रात हाथ में रहने वाला स्मार्टफोन हमारी जिंदगी आसान जरूर कर रहा है, लेकिन कई बार इसकी कीमत हमारी गर्दन, कंधे, कलाई और रीढ़ को चुकानी पड़ती है। लगातार नीचे झुककर स्क्रीन देखने, एक ही अंगूठे से फोन पर घंटों टाइप करने और लंबे समय तक बैठे रहने की आदत अब मस्कुलोस्केलेटल यानी मांसपेशी-जोड़-हड्डी संबंधी समस्याओं को बढ़ा रही है।

टेक्स्ट नेकः सबसे कॉमन समस्या 'टेक्स्ट नेक' की है। स्मार्टफोन देखते समय गर्दन आगे और नीचे झुकी रहती है। इससे गर्दन और ऊपरी पीठ की मांसपेशियों को लंबे समय तक अतिरिक्त काम करना पड़ता है। 2025 में प्रकाशित एक रिव्यू में 10,715 प्रतिभागियों से जुड़े सात अध्ययनों को शामिल किया गया। इसमें स्मार्टफोन का अत्यधिक इस्तेमाल करने वालों में गर्दन के दर्द का जोखिम कम इस्तेमाल करने वालों की तुलना में 2.34 गुना अधिक पाया गया। लेकिन दुष्प्रभाव केवल गर्दन तक सीमित नहीं है। 2,000 विश्वविद्यालय छात्रों पर हुए एक अध्ययन में 44.05 प्रतिशत प्रतिभागियों ने मस्कुलोस्केलेटल दर्द की शिकायत की। गर्दन में दर्द 34.2 प्रतिशत, अंगूठे में 17.45 प्रतिशत, कमर में 16.7 प्रतिशत और कोहनी में 16.6 प्रतिशत समस्या पाई गई।



अंगूठे-कलाई पर दुष्प्रभावः लगातार टाइपिंग, स्क्रॉलिंग और गेमिंग से अंगूठे और कलाई के टेंडन पर दोहराव वाला तनाव पड़ सकता है। 387 मेडिकल छात्रों पर किए गए एक अध्ययन में 66.4 प्रतिशत प्रतिभागियों को स्मार्टफोन-एडिक्शन समूह में रखा गया और 19.1 प्रतिशत में फिंकेलस्टीन टेस्ट सकारात्मक था, जो डिक्वेर्वेन टेनोसिनोवाइटिस जैसी समस्या की ओर संकेत कर सकता है। अत्यधिक और वजनी स्मार्टफोन उपयोग और हाथ के दर्द के बीच भी महत्वपूर्ण संबंध पाया गया। मध्य भारत में 137 लोगों पर किए गए अध्ययन में स्मार्टफोन इस्तेमाल के अलग-अलग तरीकों के साथ अंगूठे के कुछ जोड़ों की गति में बदलाव और मांसपेशीय थकान देखी गई।

बढ़ रहे हैं पेशेंटः कोलकाता के बेल व्यू हॉस्पिटल में ऑर्थोपेडिक सर्जन **डॉ. राजेश मोर** के अनुसार, 'लगातार सेलफोन का गलत तरीके से इस्तेमाल कई तरह की ज्वाइंट प्रॉब्लम पैदा कर सकता है। स्मार्टफोन से जुड़े मामलों में 'स्मार्टफोन पिंकी', 'टेक्सटिंग थंब', 'स्मार्टफोन एल्बो' और 'टेक्स्ट नेक' जैसी समस्याएं देखी जा सकती हैं।' कोलंबिया के प्रसिद्ध ऑर्थोपेडिक स्पाइन सर्जन डॉ. एडुआर्डो सी. ब्यूचैम्प कहते हैं कि उनके पास ऐसे अधिक मरीज आ रहे हैं जिनकी समस्या गर्दन के दर्द से शुरू होकर बांह के दर्द या कमजोरी तक पहुंच रही है।

प्रॉब्लम्स के कारणः 2026 के हर्टफोर्डशायर इंटरजेनरेशनल स्टडी में अधिक स्क्रीन टाइम का संबंध कम शारीरिक गतिविधि से पाया गया। शोधकर्ताओं ने इसे खराब बोन हेल्थ और मोटापे के लिए संभावित जोखिम वाला व्यवहार बताया। हालांकि नियमित स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और अच्छी शारीरिक गतिविधि इस तरह की समस्या को दूर करती है।

बचाव के उपायः मोबाइल को आंखों के करीब लाकर गर्दन नीचे झुकाने के बजाय स्क्रीन को आंखों के स्तर के करीब रखें। हर 20-30 मिनट में कुछ देर स्क्रीन से नजर हटाकर गर्दन और कंधों को आराम दें। दोनों हाथों से फोन इस्तेमाल करना बेहतर है और लगातार एक ही अंगूठे से टाइप करने से बचें।

हर दिन चलना, स्ट्रेचिंग और नियमित



स्ट्रेंथ एक्सरसाइज को दिनचर्या में शामिल करें। बिस्तर पर लेटकर घंटों मोबाइल देखने की आदत भी बदलें। यदि गर्दन या कंधे का दर्द लगातार बना रहे, हाथ में सुन्नपन या झनझनाहट हो, अंगूठे-कलाई में सूजन/दर्द हो या हाथ में कमजोरी महसूस हो, तो इसे नजरअंदाज न करें। *



हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, गुरुवार 5 नवंबर 2026

मोदी सरकार का फैसला...75 फीसदी को दो साल का सेवा विस्तार

अग्निवीरों को बड़ा तोहफा..25 प्रतिशत बनेंगे नियमित सैनिक

सीएसडी जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने बताया कि दो साल का कार्यकाल पाने वाले अग्निवीरों को प्रदर्शन के आकलन के आधार पर बाद में स्थायी पदों की भी पेशकश की जाएगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिवाली से पहले केंद्र सरकार ने अग्निवीरों को बड़ा तोहफा दिया है और सेवा विस्तार योजना पर बड़ा ऐलान किया है। केंद्रीय कैबिनेट के फैसले के मुताबिक 25% अग्निवीर नियमित सैनिक बनेंगे, जबकि बाकी 75 फीसदी अग्निवीरों को दो साल का सेवा विस्तार दिया जाएगा। यानी अग्निवीरों की सेवा चार साल से बढ़ाकर अब छह साल कर दी गई है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि दो साल का कार्यकाल पाने वाले अग्निवीरों को प्रदर्शन के आकलन के आधार पर बाद में स्थायी पदों की भी पेशकश की जाएगी। सेवा विस्तार पाने वाले अग्निवीरों को बढ़ा हुआ वेतन और भत्ते मिलेंगे।



राजा सुब्रमणि



फाइल फोटो

- अग्निवीरों की सेवा चार साल से बढ़ाकर अब छह साल कर दी गई है
- करीब 18,000 अग्निवीरों को कुछ सप्ताह बाद ही सशस्त्र बलों से सेवामुक्त होना है, ये सब बहाल होंगे

पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुआ बड़ा फैसला

अग्निवीरों पर यह बड़ा फैसला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। बड़ी बात यह है कि यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है, जब करीब 18,000 अग्निवीरों को कुछ सप्ताह बाद ही सशस्त्र बलों से सेवामुक्त होना है लेकिन अब उन सभी को दो साल का सेवा विस्तार मिल गया है। 2022 में अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीरों की भर्ती चार साल के कार्यकाल के लिए की गई थी। इसमें प्रावधान था कि इनमें से केवल 25 प्रतिशत अग्निवीरों को ही नियमित सेवा में बरकरार रखा जाएगा।

पीड़ितों को जल्द न्याय सुनिश्चित होगा

दुष्कर्म-पॉक्सो मामलों के लिए 850 फास्ट ट्रैक कोर्ट को मंजूरी

2031 तक कुल 3,788.04 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने पॉक्सो (बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण) अधिनियम और दुष्कर्म से जुड़े मामलों की तेजी से सुनवाई के लिए 850 फास्ट ट्रैक अदालतों के विस्तार और मजबूत करने को मंजूरी दी है। इसके लिए सरकार ने फास्ट ट्रैक विशेष अदालत के लिए केंद्र सरकार की योजना को अगले पांच वर्ष यानी वर्ष 2030-31 तक जारी रखने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अत्याचार के मामलों से सख्ती से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इससे पीड़ितों को जल्द न्याय सुनिश्चित होगा।

- केंद्रीय कैबिनेट में लिया गया फैसला

खबर संक्षेप

ड्यूटी पर जा रहे आरक्षक की पिकअप की टक्कर से मौत

जबलपुर। बरेला थाना क्षेत्र में बुधवार शाम तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से पुलिस आरक्षक अनिल मरावी की मौत हो गई। वे सिविल लाइन थाने में पदस्थ थे और बाइक से ड्यूटी पर जा रहे थे। बाईपास रोड पर कान्हा ढाबे के पास सामने से आ रही पिकअप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में आरक्षक को गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद पिकअप चालक फरार हो गया।



कार का गेट खुलने से शिक्षक गिरे, ट्रैक्टर-ट्रॉली ने कुचला

राजगढ़। जिले के बोड़ा में बुधवार सुबह सड़क हादसे में 48 वर्षीय अतिथि शिक्षक रामबाबू वर्मा की मौत हो गई। वे बाइक से स्कूल जा रहे थे। सुबह करीब 9:41 बजे बिजली ग्रिड के सामने सड़क किनारे खड़ी कार का चालक बिना पीछे देखे अचानक गेट खोलने लगा। इससे पीछे से आ रही रामबाबू की बाइक गेट से टकरा गई और वे सड़क पर गिर पड़े। इसी दौरान सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली का पहिया उन्हें कुचलता हुआ निकल गया।



'हनुमान अंश' के गायक का आंखों का इलाज शुरू

भोपाल। फिल्म 'हनुमान अंश' में 'मैंने तेरे ही भरोसे हनुमान' भजन गाकर लोकप्रिय हुए दृष्टिबाधित लोक गायक सुनील लोधी की आंखों का इलाज शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर उनके उपचार की व्यवस्था की गई है। फिल्म की सफलता के बाद मुख्यमंत्री ने सुनील की आंखों के इलाज का वादा किया था। अब इलाज शुरू होने से उनकी रोशनी लौटने की उम्मीद जगी है।



इंदौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक के अंतिम दिन प्रेस कॉन्फरेंस

दत्तात्रेय होसबाले ने कहा- विरोध जेन जी का अधिकार उनका विरोध देशद्रोह नहीं... उनसे संवाद बहुत जरुरी

संघ सरकार्यवाह बोले- युवाओं को भड़काने की हो सकती है 'साजिश'

एक घंटा मोबाइल से दूर रहकर परिवार के सदस्य साथ बैठें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

इंदौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक बुधवार को समाप्त हो गई। डेली कॉलेज में 2 नवंबर से चल रही इस बैठक में देशभर से करीब 400 प्रतिनिधि शामिल हुए। समापन के बाद सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने आरक्षण, मंदिरों के मामलों, संगठन विस्तार, एसआईआर, संघ के पंजीयन और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर संघ का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि रिजीम चेंज यानी शासन व्यवस्था में बदलाव के मुद्दे पर होसबाले ने कहा कि समाज में अशांति फैलाना और हिंसा के जरिए बदलाव लाना देशहित में नहीं है।

युवाओं को भड़काने की कोशिश के पीछे साजिश हो सकती है। उन्होंने कहा कि युवाओं से संवाद कर उनकी सोच और समस्याओं को समझना जरूरी है। युवाओं में प्रतिभा और कौशल है। उन्हें सकारात्मक दिशा देने की जरूरत है।

इस बैठक में देशभर से करीब 400 प्रतिनिधि शामिल हुए



सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले और सुनील आंबेकर पत्रकारों से चर्चा करते हुए

- आरक्षण सामाजिक आधार पर जारी रहना चाहिए, राजनीति के लिए इस्तेमाल न हो
- बंगाल में 150 गुना बढ़ीं शाखाएं, केरल के हर गांव तक पहुंचने का दावा

मतदाता सूची के परीक्षण पर राजनीति क्यों होनी चाहिए?

एसआईआर पर होसबाले ने कहा कि मतदाता सूची का समय-समय पर परीक्षण होना चाहिए। यह सामान्य प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि 13 करोड़ नाम हटाए जाने की बात कही जा रही है, जबकि उनके मुताबिक ये लोग अब दुनिया में नहीं हैं। होसबाले ने बताया कि उन्हें भी नोटिस मिला

पंजीयन की कोई कानूनी बाध्यता नहीं

होसबाले ने कहा कि संघ को लेफ्ट के वैलिडेशन की जरूरत नहीं है। संघ समाज का साथ चाहता है। उन्होंने कहा, 'अगर हम लेफ्ट का वैलिडेशन चाहते तो हमारा बोरिया-बिस्तर उठ चुका होता।

मोबाइल से दूर रखने के बजाए बच्चों को संस्कार दें

उन्होंने कहा कि बच्चों को इंटरनेट और मोबाइल से पूरी तरह दूर रखने के बजाए उन्हें सही संस्कार देना जरूरी है। स्कूल, कॉलेज और सामाजिक संस्थाओं की इसमें अहम भूमिका है। माता-पिता को तय करना चाहिए कि बच्चों को किस उम्र में डिवाइस देना है और वे कितनी देर उसका इस्तेमाल करें। उन्होंने परिवारों से अपील की कि दिन में या सप्ताह में आधा से एक घंटा मोबाइल से दूर रहकर सभी सदस्य साथ बैठें और सकारात्मक विषयों पर बातचीत करें।

80 देशों में संघ के स्वयंसेवक

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संघ के विस्तार के सवाल पर होसबाले ने कहा कि संघ के स्वयंसेवक 80 देशों में प्रेरणा के साथ काम कर रहे हैं, लेकिन कोई अंतरराष्ट्रीय संगठन बनाने का उद्देश्य नहीं है।

श्यामपुर में 42 क्विंटल मावा जब्त

भिंड से 107 बोरियों में भरकर लाया जा रहा था यह भोपाल



पुलिस और खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीहोर

श्यामपुर में पुलिस और खाद्य सुरक्षा प्रशासन की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए करीब 42 क्विंटल मावा जब्त किया है। मावे की यह खेप भिंड के दुलारपुरा से आयशर वाहन में भरकर भोपाल ले जाई जा रही थी। तलाशी के दौरान वाहन से मावे की 107 बोरियां बरामद हुईं। प्रत्येक बोरी में करीब 40 किलो मावा था। वाहन चालक की पहचान सत्यभान सिंह के रूप में हुई है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपाली कांगे के अनुसार मावे के नमूने लेकर जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। पूरी खेप को खराब होने से बचाने के लिए स्थानीय कोल्ड

निर्मला सप्रे की विधायकी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

2 महीने में फैसला करें स्पीकर मामले में देरी पर जताई चिंता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सुप्रीम कोर्ट ने बीना से कांग्रेस विधायक रहीं निर्मला सप्रे की विधानसभा सदस्यता और दल-बदल मामले में मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष को दो महीने के भीतर नियमानुसार फैसला लेने का निर्देश दिया है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि संविधान की दसवीं अनुसूची से जुड़े मामलों का समयबद्ध निराकरण जरूरी है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में दल-बदल के मामलों को लंबे समय तक लंबित नहीं रखा जा सकता।

ईरान ने लिया बड़ा फैसला

भारत समेत चार देशों को होर्मुज से निकलने की छूट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



भारतीय और चीनी जहाजों से ट्रांज़िट फीस

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर राहत भरी खबर है। ईरान ने इस रास्ते से होकर गुजरने वाले भारतीय जहाजों को छूट देने का फैसला किया है। ईरान ने भारत के साथ ही चीन, इराक और कतर के कमर्शियल शिप्स को भी इस रणनीतिक समुद्री मार्ग पर लागू प्रतिबंधों से छूट देने का फैसला किया है। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के उपाध्यक्ष अमीर हयात-मोगद्दम ने यह जानकारी दी है। भारत, चीन,इराक और कतर के जहाजों को अभी ट्रांज़िट पाबंदियों से छूट दी गई है। भारतीय जहाजों के लिए यह इंतजाम भारत से दवाओं के इम्पोर्ट को आसान बनाने के लिए किया गया था, जबकि चीनी जहाजों के लिए छूट का मकसद बीजिंग का पॉलिटिकल सपोर्ट हासिल करना था। कतर के जहाजों को बिना चार्ज दिए गुजरने की इजाजत है।

उज्जैन के संतों ने भी खोला मोर्चा

लखनऊ में तहरीर, शास्त्री को न ब्रज में घुसने देंगे न अवध में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन



व्यासपीठ से भगवान का मजाक बर्दाश्त नहीं

दिल्ली और मेरठ के बाद लखनऊ में भी धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के खिलाफ पुलिस से शिकायत की गई है। उज्जैन में महाकाल मंदिर के पुजारी, जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर और साध्वी ने भी उनकी टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताई है। संतों ने कहा कि व्यासपीठ से भगवान का मजाक बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पं. महेश शर्मा ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री को धन, राजनीतिक लोगों के साथ और लगातार बढ़ते फॉलोअर्स का मद चढ़ गया है। लखनऊ में मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश सचिव प्रवेश यादव ने हजरतगंज कोतवाली में तहरीर देकर धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि अब शास्त्री को न अवध में घुसने देंगे न ब्रज में। साध्वी हर्षानंद गिरि ने कहा कि उन्हें मीडिया में छाने की भूख है।



देश की अदालतों के अलग-अलग रुख से उठा सवाल

सीजेआई ने आरक्षण के मुद्दे पर कहा गलत जगह आए, धरना-प्रदर्शन करें

केरल हाईकोर्ट : लोकतंत्र में धरना, भूख हड़ताल और सत्याग्रह की जगह ही नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



धरना-प्रदर्शन और आंदोलन को लेकर अदालतों के दो अलग-अलग रुख सामने आए हैं। एक तरफ सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने आरक्षण से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता को राहत के लिए धरना-प्रदर्शन करने की सलाह देते हुए कहा कि यह धरना-प्रदर्शन का दौर है,आपको भी करना चाहिए। वहीं, दूसरी तरफ केरल हाईकोर्ट ने कहा है कि संवैधानिक लोकतंत्र में धरना, भूख हड़ताल और सत्याग्रह जैसी गतिविधियों की कोई जगह नहीं है। कोर्ट ने यहां तक कहा कि आंदोलन करने वाले छात्रों को शिक्षण संस्थान से निष्कासित भी किया जा सकता है। अदालतों की इन टिप्पणियों ने लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन के अधिकार और उसकी सीमाओं को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

सीजेआई बोले- आप आवाज उठाएं

सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को उत्तर प्रदेश की उन विधानसभा सीटों को लेकर सुनवाई हुई, जो दशकों से अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित हैं। सुल्तानपुर जिले की कादीपुर विधानसभा सीट 1952 से ही एससी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। याचिका में कहा गया कि पिछले 75 वर्षों में इसका लाभ केवल तीन-चार परिवारों तक सीमित रहा है और दूसरे समुदायों के लोगों के चुनाव लड़ने के विकल्प सीमित हुए हैं। सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा, आप गलत जगह आए हैं। आप गलत नंबर मिला रहे हैं। यह धरना-प्रदर्शन का दौर है। आप अपनी आवाज उठा सकते हैं।

केरल हाईकोर्ट ने छात्रों को लगाई फटकार

दूसरी ओर, केरल हाईकोर्ट ने कालडी स्थित श्री शंकराचार्य संस्कृत यूनिवर्सिटी के 16 निलंबित छात्रों के मामले में कहा कि शिक्षण संस्थान पढ़ाई के लिए हैं, राजनीति और आंदोलन के लिए नहीं। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने एकल पीठ के उस अंतरिम आदेश को भी रद्द कर दिया, जिसमें छात्रों को 4 नवंबर से शुरू होने वाली सेमेस्टर परीक्षाओं में शामिल होने की अनुमति दी गई थी। ये छात्र स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) से जुड़े हैं। अब उन्होंने परीक्षा में बैठने की अनुमति के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

टाइटन और फास्ट्रैक स्मार्ट का नया कैंपेन लांच

मुंबई। दिवाली के त्योहार को खास बनाने और स्मार्ट तकनीक को रोजमर्रा की जिंदगी से जोड़ने के उद्देश्य से टाइटन स्मार्ट और फास्ट्रैक स्मार्ट ने अपना नया फेस्टिव कैंपेन 'स्मार्टर सेलिब्रेशन' पेश किया है। इस कैंपेन के जरिए दोनों ब्रांड स्मार्टवॉच के एक्टिविटी ट्रैकिंग, कनेक्टिविटी और वेलनेस फीचर्स को लोगों की जीवनशैली से जोड़ने पर जोर दे रहे हैं। कंपनी के सीएसएमओ श्रीनिवासन कृष्णमूर्ति के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य स्मार्टवॉच को केवल कनेक्टिविटी का साधन नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी का उपयोगी साथी बनाना है।

कैंपेन में दो अलग-अलग तरह के ग्राहकों को ध्यान में रखा गया है।

हर्बल कुंभ, जड़ी-बूटी कृषि मेला एवं धन्वंतरि महोत्सव 2026 का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हरिद्वार

हिमालय की वादियों में आयुर्वेद, औषधीय वनस्पतियों और प्राकृतिक खेती को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में पतंजलि की महत्वाकांक्षी पहल हर्बल वर्ल्ड हिमालय-श्री धन्वंतरि धाम में तीन दिवसीय हर्बल कुंभ, जड़ी-बूटी कृषि मेला एवं धन्वंतरि महोत्सव-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के यमकेश्वर ब्लॉक स्थित मालाग्राम में आयोजित समारोह में कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत और पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने इस परियोजना को भविष्य का वैश्विक अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र बताया। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि आने वाले पांच वर्षों में धन्वंतरि धाम की पहचान पूरी दुनिया में होगी। यह स्थान आयुर्वेद, औषधीय वनस्पतियों, अनुसंधान, भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस परियोजना का उद्देश्य व्यावसायिक लाभ नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा और प्रकृति की विरासत को दुनिया से जोड़ना है।

हिमालय में बनेगा विश्वस्तरीय औषधीय अनुसंधान केंद्र, धन्वंतरि धाम को मिलेगी दुनियाभर में पहचान

200 एकड़ में विकसित हो रहा हर्बल संसार औषधीय परंपराओं का संगम

29 देशों की जड़ी-बूटियों और पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों से जुड़ी ज्ञान

एक साल में प्रमुख तीर्थ बनने की उम्मीद



धन्वंतरि महोत्सव में सम्मानित करते हुए

मुख्य अतिथि डॉ. धन सिंह रावत ने परिसर में हुए विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि दुर्गम वन क्षेत्र में इतने बड़े प्रकल्प का विकास असाधारण उपलब्धि है। उन्होंने विश्वास जताया कि एक वर्ष के भीतर धन्वंतरि धाम प्रमुख तीर्थ के रूप में विकसित होगा। उन्होंने उत्तराखंड के किसानों को यहां चार से पांच दिन का विशेष प्रशिक्षण देने और विश्वविद्यालयों के शोधार्थियों को अध्ययन के लिए भेजने की बात कही। परिसर में लगाए गए करीब 50 हजार पौधों में से 90 प्रतिशत के सुरक्षित रहने की जानकारी भी दी। करीब 200 एकड़ में विकसित हो रहे इस परिसर में 50 हजार से अधिक औषधीय पौधे लगाए गए हैं। यहां 109 खंडों में 50 हजार से अधिक वनस्पतियों का औषधीय दृष्टि से संकलन किया गया है।

किसानों के लिए रोजगार और आय बढ़ाने पर जोर

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि औषधीय खेती, फसल विविधीकरण और कृषि आधारित उद्यमिता पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। किसानों को यहां खेती की आधुनिक तकनीकों और मॉडल फार्मिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। महोत्सव में 60 से 70 प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए हैं। इनमें प्राकृतिक खेती, औषधीय पौधों, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, मृदा परीक्षण, डिजिटल कृषि और कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण की जानकारी दी जा रही है। किसान उत्पादक संगठनों और स्वयं सहायता समूहों को उत्पादों के प्रदर्शन एवं विपणन का अवसर भी मिला है। उद्घाटन अवसर पर पतंजलि किसान डायरी और हर्बल कुंभ प्रशिक्षण पुस्तिका सहित चार पुस्तकों का विमोचन किया गया। आचार्य बालकृष्ण ने घोषणा की कि अब हर्बल कुंभ प्रतिवर्ष आयोजित होगा। अगला आयोजन 25 से 27 अक्टूबर 2027 तक धन्वंतरि धाम में होगा।

अपना ही पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, दो दिन में नगरनार स्टील प्लांट ने रचा नया इतिहास, 1 दिन में बनाए 455 एचआर

नगरनार स्टील प्लांट ने रचा नया इतिहास, एक दिन में बनाए 455 एचआर कॉइल



हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

छत्तीसगढ़ के बस्तर स्थित एनएमडीसी स्टील के नगरनार संयंत्र ने उत्पादन के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। संयंत्र में 3 नवंबर 2026 को एक ही दिन में 455 हॉट रोल्ड (एचआर) कॉइल का उत्पादन किया गया। यह संयंत्र की स्थापना के बाद से अब तक का सर्वाधिक दैनिक उत्पादन है। इस उपलब्धि के साथ नगरनार संयंत्र ने अपना ही पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

संयंत्र की हॉट स्ट्रिप मिल में 24 घंटे के भीतर 455 कॉइल का उत्पादन तकनीकी दक्षता, बेहतर कार्यप्रणाली और कर्मचारियों की मेहनत का प्रमाण है। खास बात यह है कि इस उपलब्धि से महज दो दिन पहले, 1 नवंबर को संयंत्र ने 440 एचआर कॉइल का उत्पादन कर नया रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद 3 नवंबर को 455 कॉइल का उत्पादन कर अपने ही रिकॉर्ड में और सुधार कर लिया। नगरनार संयंत्र उत्पादन के साथ विकास की रफ्तार में भी आगे बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में संयंत्र ने 23.24 लाख टन इस्पात का उत्पादन किया, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में उत्पादन 14.38 लाख टन रहा था। इस तरह सालाना उत्पादन में 63 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। एनएमडीसी स्टील प्रबंधन ने इस शानदार उपलब्धि पर हॉट स्ट्रिप मिल की पूरी टीम और सभी तकनीकी कर्मचारियों को बधाई दी है। प्रबंधन का कहना है कि बेहतर तकनीकी क्षमता, टीमवर्क और कर्मचारियों के समर्पण से उत्पादन में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं।



देश के शीर्ष 25 निजी विश्वविद्यालयों में शामिल हुआ क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्सः एशिया 2027 में एसआरएम एपीका जलवा, आंध्र प्रदेश में नंबर-1

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अमरावती

एसआरएम यूनिवर्सिटी-एपी, अमरावती ने वैश्विक शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्सः एशिया 2027 में अपनी जगह बनाई है। विश्वविद्यालय ने आंध्र प्रदेश के सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों की संयुक्त श्रेणी में पहला स्थान हासिल किया है। इसके अलावा विश्वविद्यालय दक्षिण एशिया के शीर्ष 100 संस्थानों, भारत के शीर्ष 51 विश्वविद्यालयों और देश के शीर्ष 25 निजी विश्वविद्यालयों में शामिल हुआ है। यह उपलब्धि अंतरराष्ट्रीय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान की बढ़ती पहचान को दर्शाती है।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स दुनिया की प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय रैंकिंग प्रणालियों में शामिल है। इसमें संस्थानों का मूल्यांकन अनुसंधान


क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी परिसर

एवं नई खोज, शिक्षण अनुभव, अंतरराष्ट्रीय सहभागिता और रोजगार क्षमता जैसे प्रमुख मानकों के आधार पर किया जाता है। यह रैंकिंग विद्यार्थियों, शिक्षाविदों, नियोक्ताओं और उच्च शिक्षा से जुड़े लोगों को विभिन्न देशों के विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता और प्रदर्शन की तुलना करने का अवसर देती है। एसआरएम एपी में अनुसंधान आधारित शिक्षा, नवाचार और उद्यमिता को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। विश्वविद्यालय अपने अनुसंधान तंत्र का विस्तार करने के साथ बहुविषयक शैक्षणिक कार्यक्रमों, उद्योगोन्मुखी शिक्षा और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को मजबूत कर रहा है। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. सी. सतीश कुमार ने कहा कि क्यूएस एशिया रैंकिंग में स्थान मिलना विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और कर्मचारियों की सामूहिक प्रतिबद्धता का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रभावशाली अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से ऐसे स्नातक तैयार करने के लिए प्रयासरत है, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों का सामना कर सकें। प्रो-चांसलर डॉ. पी. सत्यनारायणन ने कहा कि यह उपलब्धि अनुसंधान में निवेश, प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग बढ़ाने के विश्वविद्यालय के प्रयासों को मजबूती देती है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, सतना (म.प्र.)

क्रमांक. 10/वर्कशॉप/न.पा.नि./2026-27 **निविदा सूचना** सतना, दिनांक 03/11/2026

निम्नलिखित कार्य/सप्लाई हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइड http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	एन.आई.टी. क्रमांक व दिनांक	निविदा क्रमांक	सामग्री का प्रकार	अनुमानित व्यय प्राक्कलन	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	समग्री आपूर्ति की अवधि
01	10 03.11.2026	2026_UAD_547409_1	02 नग फॉगिंग फशीन (डबल बैरल) क्रय । (द्वितीय काल)	10,00,000/-	20,000/-	2,000/-	30 दिवस

शर्ते - : 1. निविदा प्रपत्र की खरीदी ऑनलाइन बेवसाइट http://www.mptenders.gov.in. ऑनलाइन पेमेन्ट एवं पटल सर्विस चार्ज के द्वारा दिनांक 04/11/2026 समय 10-30 बजे से दिनांक 21/11/2026 समय 17-30 बजे तक खरीदी जा सकती है।
2. निविदा में संसोधन की सूचना वेबसाईट पर ही प्रकाशित की जावेगी, समाचार पत्र पर संसोधन की सूचना प्रकाशित नही की जावेगी।

"स्वच्छ सतना - लक्ष्य अपना"

विभागाध्यक्ष (वर्कशाप - शाखा)
नगर पालिक निगम, सतना (म. प्र.)

कार्यालय नगरपरिषद डिण्डौरी जिला डिण्डौरी (म.प्र.)

Email-cmodidori@mpurban.gov.in Contact No.

एनआईटी क्र./लो.नि.शा./2026 /2957 डिण्डौरी, दिनांक 04/11/2026

द्वितीय ई-निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कार्य हेतु म.प्र. शासन UADD ISSR w.e.f. 02 August 2021 से प्रभावशील ISSR पर कम/अधिक प्रतिशत के आधार परकेन्द्रीकृत पंजीयन प्रणालीया सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा दिनांक 21/11/2026 समय 17.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

ई-टेंडर क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत एवं ISSR (रुपए में)	अमानत राशि (रुपए में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रुपए में)	सक्षम पंजी श्रेणी	कार्यावधि
2026_UAD_541199_2	वार्ड क्रमांक 02 में श्याम के घर से डॉ. तेकाम के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य ।	427653.00 UADD ISSR w.e.f. 02 August 2021	8553.00	2000.00	Centralized Registration system on PWD	03 माह
2026_UAD_541260_2	वार्ड क्रमांक 02 में कुसुम के घर से संगीता के घर तक एवं गोमती के घर से आँगनवाडी तक पेवर ब्लॉक तथा बिटठल के घर से दुर्गेश के घर तक सी सी रोड निर्माण कार्य ।	638640.00 UADD ISSR w.e.f. 02 August 2021	12773.00	2000.00	Centralized Registration system on PWD	03 माह

शर्त- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन http://www.mptenders.gov.in वेबसाईट पर किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

श्रीमति सुनिता अशोक सारस, अध्यक्ष, नगर परिषद डिण्डौरी
श्रीमति सारिका मंटू नायक, उपाध्यक्ष, नगर परिषद डिण्डौरी
श्री रीतेश जैन, लोक निर्माण सभापति, नगर परिषद डिण्डौरी
मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर परिषद डिण्डौरी, जिला डिण्डौरी (म.प्र)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक 1 बालाघाट (म.प्र.)

// निविदा आमंत्रण सूचना //

निविदा सूचना क्रं. 37/व.ले.लि./2026-27/ बालाघाट, दिनांक 27.10.2026

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

सं क्रं	टेन्डर क्रं.	जिला	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (राशि लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWDRB_545592_1	बालाघाट	डाबरी चौरिया लांजी बी.टी. सड़क का कार्य लंबाई 3.70 कि.मी.	तृतीय आमंत्रण	225.20	225200.00	15,000.00	07 माह वर्षाऋतु सहित
				कुल योग	225.20			

उपरोक्त वेबसाइट आनेंलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) ब्रेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र आनलाईन क्रय करने एवं आनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 13/11/2026 (17.30) बजे निर्धारित है। निविदा की धरोहर राशि (EMD) एवं निविदा तथा अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज आनलाईन ही जमा किये जायेंगें। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग
संभाग क्रमांक 1 बालाघाट (म.प्र.)

G-21034/26 लोक निर्माण से लोक कल्याण

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, डिण्डौरी (म.प्र.)

नि.सू.क्र./54-55/व.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यां./2026 डिण्डौरी, दिनांक 27.10.2026

-: निविदा आमंत्रण सूचना :-

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नानुसार ई-टेण्डर ऑनलाईन डिजिटल मुहरबंद (Digitaly Scaled) डिण्डौरी जिले के अन्तर्गत ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। https://www.mptenders.gov.in जिसका अवलोकन बेवसाईट में किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र केवल ऊपर उल्लेखित बेवसाईट से ऑनलाईन क्रय किये जा सकते है। जिसके मूल्य का भुगतान इण्टरनेट बैंकिंग से किया जावेगा। निविदा दिनांक 28.10.2026 को दोपहर 14.30 बजे से दिनांक 11.11.2026 को शाम 17.30 बजे तक ऑनलाईन प्रस्तुत किये जा सकते है। निविदा में संशोधन की स्थिति में बेवसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा जिसका पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नही दिया जावेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी उक्त बेवसाईट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	ई निविदा क्र.	नि. सू. क.	वि.खं./ जिला	विवरण	अनु.लागत (PAC) (रू. लाख में)	धरोहर राशि (PAC) (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	रिमार्क
1	2026_PHED_545895_1	54	मेंहदवानी	Piped Water Supply Scheme in Eklavya Adarsh Awasiya Vidhyalaya Mehandwani Block Mehandwani District Dindori	76.27	76270/-	10000.00	चतुर्थ आमंत्रण
2	2026_PHED_545896_1	55	शहपुरा	Piped Water Supply Scheme in Eklavya Adarsh Awasiya Vidhyalaya Shahpura Block Shahpura District- Dindori	59.32	59320/-	10000.00	चतुर्थ आमंत्रण

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड डिण्डौरी (म.प्र.)

G-21038/26 "स्वच्छता ही सेवा"

कार्यालय कलेक्टर जिला सिवनी एवं पदेन उपसचिव मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग

क्रमांक / 4664 / जि.भू.अ./2026 **(प्रारूप क) नियम 04** सिवनी, दिनांक 15/10/2026

राज्य सरकार, समुचित सरकार प्रभावित क्षेत्रों में ग्राम स्तर पर यथा स्थिति संबंधित ग्राम बरघाट की नगर परिषद बरघाट तहसील बरघाट परामर्श से निम्न भूमि का अधिग्रहण सिवनी - बालाघाट मार्ग (राज्य राजमार्ग क्रमांक - 72) का सिवनी बायपास सहित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाइब्रिड एन्युटी मोड (HAM) के अंतर्गत उन्नयन एवं निर्माण कार्य हेतु करना चाहती है, और लोक प्रयोजन के लिये सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन करना चाहती है, अध्ययन का कार्य भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन मे उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 04 के प्रावधानो एवं भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन मे उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार (प्रतिकर पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन, विकास योजना) नियम 2015 के अनुसार किया जाएगा।

1	परियोजना विकासक का नाम	संभागीय प्रबंधक, म.प्र. सडक विकास निगम लिमिटेड संभाग छिंदवाडा
2	भूमि के प्रस्तावित अर्जन का प्रयोजन	सिवनी-बालाघाट मार्ग (राज्य राजमार्ग क्रमांक-72) का सिवनी बायपास सहित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाइब्रिड एन्युटी मोड (HAM) के अंतर्गत उन्नयन एवं निर्माण
3	अध्ययन का कार्य हाथ में लेने वाले सामाजिक समाघात निर्धारण दल के सदस्यों का विवरण	1. अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी बरघाट 2. तहसीलदार, बरघाट 3. वन परिक्षेत्र अधिकारी बरघाट जिला सिवनी 4. सहायक कृषि विस्तार अधिकारी बरघाट जिला सिवनी 5. कार्यपालन यंत्री, जलसंसाधन विभाग संभाग क्र. - 1 सिवनी 6. कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ /स) सिवनी
4	भूमि का विवरण	
क	जिला	सिवनी
ख	तहसील	बरघाट
ग	ग्राम / नगर	बरघाट
घ	कुल प्रभावित क्षेत्र	3.333 हे.
ड	अर्जित होने वाला क्षेत्र	शासकीय भूमि 1.261 हे. एवं निजी भूमि 2.072 हे.
5	प्रस्तावित परियोजना संक्षिप्त विवरण	सिवनी-बालाघाट मार्ग (राज्य राजमार्ग क्रमांक-72) का सिवनी बायपास सहित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाइब्रिड एन्युटी मोड (HAM) के अंतर्गत उन्नयन एवं निर्माण हेतु
6	परियोजना क्षेत्र और प्रभावित क्षेत्र	ग्राम बरघाट परियोजना क्षेत्र 3.333 हे. एवं प्रस्तावित क्षेत्र 3.333 हे.
7	क्या ग्राम सभा और या भूमि धारक की सहमति अपेक्षित है	नहीं
8	सामाजिक समाघात निर्धारण पूर्ण किये जाने की तारीख	अधिसूचना प्रकाशन से छः माह के भीतर

1. अर्जित की जाने वाली उपरोक्त प्रस्तावित भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) एवं भू-अर्जन अधिकारी बरघाट जिला सिवनी के कार्यालय में किया जा सकता है। 2. अर्जित की जाने वाली उपरोक्त प्रस्तावित भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण संभागीय प्रबंधक, म.प्र. सडक विकास निगम लिमिटेड व्ही.आई.पी. (सरकुलर) रोड फॉरेस्ट कॉलोनी छिंदवाडा संभाग छिंदवाडा में किया जा सकता है।

(नेहा मीना)
मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
कलेक्टर सिवनी एवं पदेन उपसचिव
मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला सिवनी (म. प्र.)

G-21025/26 "स्वच्छता ही सेवा"

राशिफल

मेष किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेंगी।

वृष मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट

सिंह व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

शब्द पहेली - 6399

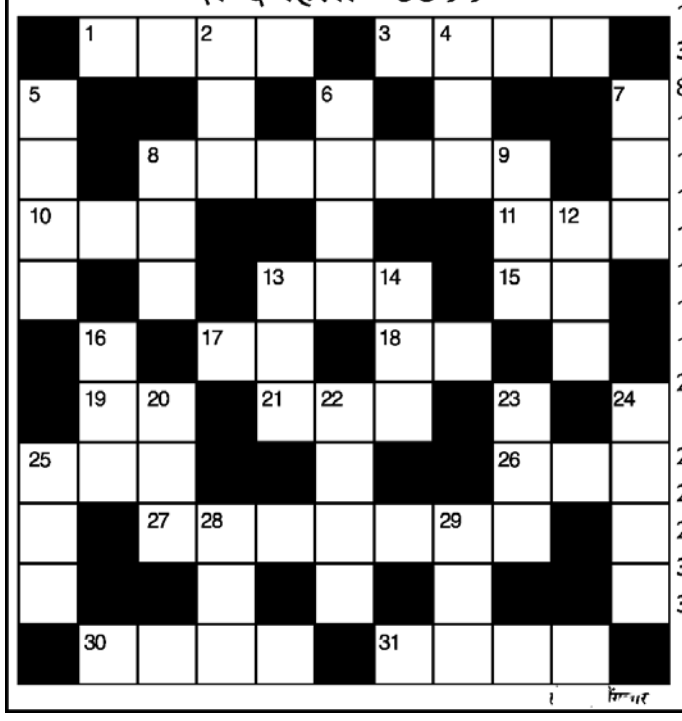

बाएँ से दाएँ
1. नेमत,वर,ईष्टकृपा -4
3. उद्देश्य,ध्येय-4
8. सयाना,चतुर-4,3
10. मनुष्य-3
11. मोल,दाम-3
13. बैठने का स्थान-3
15. दौड़ना (अंग्रेजी-2)
17. पराजित-2
18. वध,कत्ल-2
19. काव्यकार,शायर-2
21. राशिचक्र की दसवीं राशि-3
25. आक्रमण,प्रहार-3
26. पालतू जानवर-3
27. ईश्वर,भगवान-7
30. ईश्वरीय कृपा-4
31. भयभीत होना, डरना-4

ऊपर से नीचे
2. असुर,दैत्य-3
4. गागर,घड़ा-3
5. मन की करना-4
6. प्रार्थना,ईश वंदना-4
7. चरित्र,ईमान-3
8. कार्यविधि-3
9. रेखा,लाईन-3
12. माला का मोती-3
13. राहत,विश्राम-3
14. कैनाल,उपनदी-3
16. नगद राशि-3
20. रुदन -3
22. पक्षियों का शोर-4
23. मध्यांग, कटि-3
24. 12 राशियों का समूह-4
25. महल,बड़ा भवन-3
28. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
29. अदृश्य, जो दिखाई न दे-3

शब्द पहेली- 6398 का हल

स	ज	दा	क	र	ना	■	म	त	वा	ला
ह	र	■	त	■	का	म	ना	■	दा	वा
न	■	बे	र	ह	म	■	ना	रा	■	रि
शी	ल	वा	न	■	या	द	■	नी	र	स
ल	■	प	■	ख	ब	र	ची	■	न	■
ता	र	न	हा	र	■	का	न	भ	र	ना
■	म	■	र	ह	ब	र	■	यं	■	प
प्र	ण	य	■	रा	हु	■	ब	क	वा	स
ति	■	दा	स	■	बे	क	रा	र	■	न्द
का	न	■	चि	रा	ग	■	म	■	क	हो
र	म	जा	न	■	म	द	द	क	र	ना

सूडोकु नवताल - 6409

कठिनतम



सूडोकु नवताल - 6408 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

MANGAL SENACHA, BANGALORE

डब्ल्यूटीए फाइनल्स

चैंपियन रायबाकिना के लिए राह मुश्किल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दुनिया की नंबर 1 और डिफेंडिंग चैंपियन एलेना रायबाकिना को डब्ल्यूटीए फाइनल्स के नॉकआउट स्टेज तक पहुंचने के लिए मुश्किल रास्ता दिया गया है। 27 साल की इस खिलाड़ी को ग्रुप 1 में कोको गॉफ और जेसिका पेगुला की अमेरिकी जोड़ी और विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा के साथ रखा गया है। इस इवेंट में दुनिया की टॉप 8 महिला खिलाड़ी हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें दो चार-चार खिलाड़ियों के ग्रुप में बांटा गया है, जो 8 नवंबर से शुरू होने वाले राउंड-रॉबिन इवेंट में आमने-सामने होंगी, जिससे चार सेमीफाइनलिस्ट तय होंगे। सेमीफाइनल 14 नवंबर को खेले जाएंगे, और जीतने वाली टीमें 15 नवंबर को टाइटल के लिए आमने-सामने होंगी।

- 8 नवंबर से मैदान पर उतरेगी शीर्ष आठ खिलाड़ी
- ग्रुप-1 में गॉफ, पेगुला और नोस्कोवा की चुनौती

पिछले दो मेजर चैंपियन, रायबाकिना और नोस्कोवा के बीच 2026 की पहली मुलाकात, डब्ल्यूटीए फाइनल्स की शुरुआत होगी। मार्च में इंडियन वेल्स चैंपियनशिप मैच में आर्यना सबालेंका से हारने वाली रायबाकिना 2013-14 में सेरेना विलियम्स के बाद पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स टाइटल को सफलतापूर्वक डिफेंड करना चाहती हैं।



पेरिस मास्टर्स : जोकोविच ने वैचेरोट को दी मात



पेरिस। रिकॉर्ड सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में खराब शुरुआत से उबरकर जीत हासिल की। पुरुषों के रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ने पहले दौर में वैलेंटीन वैचेरोट को 6-7 (5), 7-5, 6-1 से हराया। जोकोविच ने अपने करियर का 103वां खिताब जीतकर रोजर फेडरर की बराबरी करने की कोशिश कर रहे हैं। रिकॉर्ड जिमी कॉनर्स के नाम है जिन्होंने 109 खिताब जीते हैं। तीसरी वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन ने कैमरन नॉरी को 6-3, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया जबकि 11वीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने बेंजामिन बोंजी पर 3-6, 6-3, 6-4 से जीत दर्ज की। अन्य मैचों में फ्रांस के मोइज कौमे को नूनो बोर्गेस से 6-3, 6-1 से और 2022 के चैंपियन होल्गर रूने को 12वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल से 7-5, 6-4 से हार का सामना करना पड़ा।

पहला वनडे : भारत ने कीवी टीम को हराकर सीरीज में बनाई 1-0 की बढ़त

तूफानी रफ्तार और 'किंग' कोहली का जलवा, न्यूजीलैंड पांच विकेट से पस्त

एजेंसी ▶▶ ऑकलैंड

तेज गेंदबाजों के कमाल और विराट कोहली की धमाकेदार अर्धशतकीय पारी की मदद से भारत ने बुधवार को बारिश से प्रभावित पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में न्यूजीलैंड को डकवर्थ लुईस पद्धति से 5 विकेट से हराकर 5 मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल की। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (70 रन देकर 4 विकेट), गुरनूर बराड़ (44 रन देकर 3) और अंशुल कंबोज (10 ओवर में 22 रन देकर 2) ने मिलकर 9 विकेट लेकर न्यूजीलैंड को 40.2 ओवर में 185 रन पर ढेर कर दिया।



बारिश के कारण रूका मैच

बारिश के व्यवधान से एक घंटे से अधिक समय तक खेल नहीं हो पाने के कारण भारत के सामने डकवर्थ लुईस पद्धति से 40 ओवर में 167 रन का लक्ष्य रखा गया। इसके बाद 2.1 ओवर का खेल ही हो पाया था कि फिर से बारिश आ गई। खेल शुरू होने पर भारत को 32 ओवर में 143 रन का लक्ष्य दिया गया। भारत ने कोहली (51 गेंद पर 74 रन, 13 चौके, एक छक्का) और कप्तान शुभमन गिल (37) के बीच दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी की मदद से 22.4 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर दिया।

11वें नंबर पर टिकनर की तूफानी पारी

न्यूजीलैंड की तरफ से सीफर्ट ने सर्वाधिक 38 रन बनाए जबकि 11वें नंबर के बल्लेबाज टिकनर ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 4 छक्कों की मदद से 34 और ग्लेन फिलिप्स ने 30 रन का योगदान दिया। अर्शदीप ने एकदम सही लैंथ पर गेंदबाजी की जबकि गुरनूर और कंबोज में बीच के ओवरों में शानदार प्रदर्शन किया। अंशुल ने बेहद किफायती गेंदबाजी की। उनकी 48 गेंद पर कोई रन नहीं बना। अर्शदीप ने पावरप्ले के अंदर दो विकेट लिए। न्यूजीलैंड पहले 10 ओवरों में दो विकेट खोकर 45 रन ही बना पाया। गुरनूर के दो विकेट में लैथम का विकेट भी शामिल था, जिनका उन्होंने अपनी ही गेंद पर एक हाथ से रिटर्न कैच लिया।

शून्य पर आउट हुए रोहित

भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ओवर में ही रोहित शर्मा का विकेट गंवा दिया, जो खाता भी नहीं खोल पाए। रोहित ने काइल जैमीसन की ऑफ स्टंप से बाहर जा रही गेंद पर ड्राइव करने के प्रयास में मिड ऑफ पर खड़े मिचेल सैंटनर को कैच थमा दिया।

भारत के 22 रन के अंदर गिरे 4 विकेट

भारत ने हालांकि जिस तरह से 22 रन के अंदर चार विकेट गंवाए वह टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय हो सकता है। पहली बार जब बारिश के कारण खेल रुका तब भारत ने एक विकेट पर 54 रन बनाए थे। दूसरे व्यवधान के समय उसका स्कोर 1 विकेट पर 64 रन था। भारतीय बल्लेबाजों विशेषकर कोहली ने दो बार व्यवधान के बावजूद अपनी एकाग्रता भंग नहीं होने दी और सहजता से रन बटोरे। कोहली शुरू से आक्रामक होकर खेल रहे थे और उन्होंने चौकों की झड़ी लगाने में कोताही नहीं बरती। अब केवल वनडे प्रारुप में खेलने वाले कोहली ने ब्लेयर टिकनर की गेंद पर छक्का लगाया और इसी गेंदबाज के अगले ओवर में चौका लगाकर 35 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया।

रग्बी खिलाड़ी मेलामु ने कोहली, रोहित और गिल को भेंट की विशेष जर्सी



ऑकलैंड। भारतीय कप्तान शुभमन गिल और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा ने बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच से पूर्व रग्बी के दिग्गज खिलाड़ी केवन मेलामु से मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें रग्बी टीम की विशेष जर्सी भेंट की। न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय रग्बी टीम के लिए 132 मैच खेलने वाले मेलामु ऑल ब्लैक्स (न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय रग्बी टीम) के इतिहास में सबसे अधिक मैच खेलने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं और उन्होंने टीम की कप्तानी भी की थी। मेलामु 2011 और 2015 में रग्बी विश्व कप जीतने वाली टीमों के एक प्रमुख सदस्य रहे। उन्होंने मैच शुरू होने से पहले भारत के तीनों खिलाड़ियों को विशेष जर्सी भेंट की।

कोहली से आगे निकले गिल

गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 37 रन बनाकर कोहली का रिकॉर्ड तोड़ दिया और बतौर कप्तान वनडे की पहली 15 पारियों में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर बने। गिल ने वनडे में बतौर कप्तान अब तक 15 पारियों में 81 की औसत से कुल 975 रन बनाए हैं तो वहीं विराट कोहली ने कप्तान के तौर पर वनडे में अपनी पहली 15 पारियों में 75 की औसत से 972 रन बनाए थे। वहीं इस लिस्ट में सचिन तेंदुलकर भी हैं, जिन्होंने पहली 15 पारियों में 52 की औसत के कप्तान के तौर पर कुल 728 रन बनाए थे। रोहित शर्मा इस सूची में चौथे स्थान पर हैं जिन्होंने बतौर कप्तान वनडे की पहली 15 इनिंग में 63 के एवरेज से 697 रन बनाए थे जबकि 5वें नंबर पर मौजूद मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 62 की औसत से इतनी पारियों में कुल 620 रन बनाए थे।

खबर संक्षेप



विश्व चैंपियनशिप में भारत को झटका, शांभवी अयोग्य करार

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाजी दल को दोहा आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप के दौरान करारा झटका लगा जब राइफल निशानेबाज शांभवी क्षीरसागर को 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा से अयोग्य करार दिया गया। प्रतियोगिता में भाग ले रही 63 टीमों (126 निशानेबाजों) में से सिर्फ भारतीय जोड़ी पार्थ माने और शांभवी को ही अयोग्य करार दिया गया। पांच महीने में दूसरी बार शांभवी उपकरण संबंधी नियमों के उल्लंघन की दोषी पाई गई हैं। इससे पहले जून में जर्मनी में जूनियर विश्व चैम्पियनशिप के दौरान भी वह इसी तरह अयोग्य करार दी गई थी। दोहा विश्व चैंपियनशिप से 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के क्वालीफिकेशन चक्र की शुरुआत भी होगी।

चेन्नई ओपन : माया और वैष्णवी ने किया उलटफेर



चेन्नई। भारत की युवा टेनिस खिलाड़ी माया राजेश्वरन रेवती और वैष्णवी अडकर ने चेन्नई ओपन में उलटफेर करके पहली बार डब्ल्यूटीए टूर में जीत हासिल की। माया ने जहां तीन सेट के मुकाबले में विश्व में 115वें नंबर की खिलाड़ी और यहां आठवीं वरीयता प्राप्त कटारजीना कावा को उलटफेर का शिकार बनाया, वहीं वैष्णवी ने निर्णायक सेट में 3-5 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके ब्रिटेन की जोडी बुरेज को 3-6 6-3 7-5 से हराया।

कोरिया ओपन : दूसरे दौर में अनमोल और तन्वी, प्रणय हारे

यिओसु। भारत की अनमोल खरब और तन्वी शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार को कोरिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई। अनमोल ने पहले दौर के मुकाबले में कनाडा की रेचल चान को सीधे गेम में 21-19, 21-18 से हराया। उन्हें अगले दौर में जापान की दूसरी वरीय अकाने यामागुची की कड़ी चुनौती का सानमा करना है। ताइपे ओपन सुपर 300 का खिताब जीतने वाली तन्वी ने दूसरा गेम गंवाने के बाद कड़े मुकाबले में जापान की मनामी सुइजु को 21-16, 12-21, 21-17 से हराया। तन्वी अगले दौर में जापान की पांचवीं वरयी हिना अकेची और चीन की शू वेन जिंग के बीच होने वाले मैच की विजेता से भिड़ेंगी। एचएस प्रणय को पुरुष एकल के पहले दौर में दक्षिण कोरिया के यू ताए बिन के खिलाफ 15-21, 21-23 से हार का सामना करना पड़ा। मिश्रित युगल में ध्रुव और मनीषा की जोड़ी को भी कड़े मुकाबले में झू यी जुन और ली चियान की चीन की सातवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी के खिलाफ 22-20, 12-21, 22-24 से शिकस्त झेलनी पड़ी।



रणजी ट्रॉफी : चिन्मय सुतार ने 8 दिन में तोड़ा तीसरा वर्ल्ड रिकॉर्ड

400 के बाद अब लगातार दो शतक



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चिन्मय सुतार का रणजी ट्रॉफी रनों का रिकॉर्ड बनाने का सिलसिला जारी है। उन्होंने चौथे राउंड में मिजोरम की तरफ से खेलते हुए अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ मुकाबले में 175 रन की पारी खेली। यह उनका चार फर्स्ट क्लास मैचों में लगातार तीसरा शतक रहा। वे पहले मुकाबले में महज एक रन से शतक से चूक गए थे और 99 पर आउट हो गए थे। इन पारियों के जरिए चिन्मय सुतार फर्स्ट क्लास क्रिकेट में रनों के नए कीर्तिमान गढ़ रहे हैं। उन्होंने 11 अक्टूबर को मणिपुर के खिलाफ मुकाबले से फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कदम रखा था। पिछले 8 दिनों यानी 28 अक्टूबर से 4 नवंबर तक उन्होंने चार विश्व रिकॉर्ड फर्स्ट क्लास क्रिकेट में बना दिए।

चिन्मय ने 28 अक्टूबर को मिजोरम और मेघालय के बीच मैच के दौरान 125 रन की पारी खेली। यह उनका दूसरा शतक रहा। इससे लगातार चार फर्स्ट क्लास पारियों में वे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने विल पोंसफॉर्ड का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने चार फर्स्ट क्लास पारियों में 429, 162, 19 और 6 रन के स्कोर के जरिए कुल 616 रन बनाए थे। चिन्मय ने 35, 99, 400 और 125 रन के जरिए लगातार चार फर्स्ट क्लास पारियों में 659 रन बना दिए। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू के चार पारियों में यह सर्वाधिक रन का वर्ल्ड रिकॉर्ड रहा।

19 नवंबर से महिला चैंपियंस ट्रॉफी भारत का पहला मैच मलेशिया से

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



भारतीय महिला हॉकी टीम एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) में लगातार तीसरा और कुल मिलाकर चौथा खिताब जीतने की कवायद में 19 नवंबर से भोपाल में शुरू होने वाले 6 देशों के टूर्नामेंट में मलेशिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। यह टूर्नामेंट भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में बने नए हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। इसमें भारत, जापान, चीन, मलेशिया, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया की टीमें भाग लेंगी। पिछले महीने जापान में एशियाई खेलों में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम का यह पहला टूर्नामेंट होगा। भारतीय टीम ने 2016, 2023 और 2024 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन प्रारुप में खेला जाएगा, जिसमें प्रत्येक टीम अन्य पांच टीमों से एक बार भिड़ेंगी। लीग चरण के अंत में शीर्ष पर रहने वाली चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी।

कर्नाटक की असम पर बड़ी जीत

कर्नाटक को मिले बोनस सहित 7 अंक

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी



मनवंत कुमार के नाबाद शतक के बाद स्पिनर श्रेयस गोपाल और शिखर शेट्टी की शानदार गेंदबाजी के दम पर कर्नाटक ने बुधवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी के तीसरे दिन असम को पारी और 314 रन से करारी शिकस्त दी।

कर्नाटक को इस मैच में बोनस सहित 7 अंक मिले, जिससे उसके 16 अंक हो गए हैं और वह ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गया है। कर्नाटक ने सुबह अपनी पहली पारी 5 विकेट पर 496 रन से आगे बढ़ाई और 6 विकेट पर 577 रन बनाकर घोषित की। इस तरह से उसने 442 रन की बड़ी बढ़त हासिल की। पहली पारी में 135 रन बनाने वाली असम की टीम दूसरी पारी में केवल 128 रन बना पाई।

बार्सिलोना की एस्टन विला पर शानदार जीत

एजेंसी ▶▶ बार्सिलोना



बार्सिलोना ने यूईएफए चैंपियंस लीग में एस्टन विला के लगातार जीत के सिलसिले को रोक दिया है। कैंप नोउ में खेले गए मुकाबले में बार्सिलोना ने एस्टन विला पर 3-0 से शानदार जीत दर्ज की। बार्सिलोना ने जोआओ गोम्स की डिफेंसिव चूक का फायदा उठाकर सातवें मिनट में ही बढ़त बना ली। बॉक्स के अंदर मिडफील्डर की गलत जगह पर गिरी गेंद यामल के पास आई। यामल मौका नहीं चूके और टीम के लिए पहला गोल कर दिया। यामल का यह 14वां चैंपियंस लीग गोल था। इस गोल के साथ वह कॉम्पिटिशन में एम्बाप्पे को पीछे छोड़ते हुए सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। उनाई एमरी की टीम शुरुआती झटके से घबराई नहीं और इंटरवल से पहले बराबरी करने के कई मौके बनाए। मैटी कैश और विक्टर लिंडेलोफ दोनों ने बार्सिलोना के डिफेंस को परखा, जबकि जोहान मंजांबी और गोम्स भी गोल करने के करीब पहुंच गए। हालांकि, गोलकीपर जोआन गार्सिया और होम डिफेंस ने विला को दूर रखा।

- यूईएफए चैंपियंस लीग : यामल ने एम्बाप्पे को पीछे छोड़ा

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने तोड़ा हार का सिलसिला

एजेंसी ▶▶ मैनचेस्टर



मैनचेस्टर यूनाइटेड ने दो गोल से पीछे रहने के बावजूद ओल्ड ट्रैफर्ड में शानदार वापसी करते हुए यूईएफए चैंपियंस लीग में रोमा को 3-2 से हराया। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने इस जीत के साथ लगातार 9 मैचों में हार के सिलसिले को समाप्त किया। मटियास सोले ने मेहमान टीम के लिए पहला गोल किया, जिसके बाद डोनियल मालेन ने पेनल्टी को गोल में बदलकर शुरुआती 17 मिनट में स्कोर 2-0 कर दिया। इन दो गोलों ने मैनचेस्टर यूनाइटेड पर दबाव बढ़ा दिया। यूनाइटेड के खिलाड़ियों को इसके बाद अपने समर्थकों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा।

पिच पर हरी टेनिस बॉल फेंकी गई और फुटबॉल डायरेक्टर जेसन विलकॉक्स के खिलाफ नारे लगाए गए। यूनाइटेड की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब मिडफील्डर कार्लोस बालेबा को हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई, जिससे कैरिक की पहले से ही मुश्किल शाम में एक और चिंता बढ़ गई। हालांकि, कप्तान ब्रूनो फर्नांडीस ने पेनल्टी को गोल में बदलकर यूनाइटेड की मैच में वापसी कराई। हालांकि, क्षेत्र के अंदर एक उल्लंघन के बाद उन्हें स्पॉट-किक दोबारा लेनी पड़ी क्योंकि उनकी पहली कोशिश बेकार हो गई थी।



ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन की जनहित याचिका

हाई कोर्ट में 7 न्यायाधीशों की नियुक्ति की अनुशंसा को चुनौती, सुनवाई आज

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में सात अधिवक्ताओं को न्यायाधीश नियुक्त किए जाने की अनुशंसा को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर पांच नवंबर को सुनवाई होगी। ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से दायर याचिका पर चीफ जस्टिस अल्पेश यशवंत कोगजे और जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच सुनवाई करेगी।



याचिका में सुप्रीम कोर्ट कालेजियम द्वारा हाई कोर्ट में सात अधिवक्ताओं को न्यायाधीश नियुक्त करने के लिए केंद्र सरकार को भेजी गई अनुशंसा की संवैधानिकता पर सवाल उठाए गए हैं। याचिकाकर्ता संगठन का आरोप है कि न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया में सामाजिक संतुलन और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व की अनदेखी की गई है।

आबादी के अनुपात में प्रतिनिधित्व की मांग

एसोसिएशन की जनहित याचिका में कहा गया है कि संगठन ने राष्ट्रपति, भारत के प्रधान न्यायाधीश व हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को ज्ञापन देकर न्यायपालिका में वंचित वर्गों के पर्याप्त प्रतिनिधित्व की मांग उठाई थी। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि इन ज्ञापनों पर निर्णय किए बिना ही सात नामों की अनुशंसा कर दी गई। याचिका में इस अनुशंसा को निरस्त करने और हाई कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट कालेजियम को नियुक्तियों पर पुनर्विचार करने के निर्देश देने की मांग की गई है। साथ ही न्यायपालिका में ओबीसी, एससी और एसटी वर्गों की आबादी के अनुपात में भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है। याचिकाकर्ता संगठन की ओर से अधिवक्ता विनायक प्रसाद शाह, परमानंद साहू, उदय कुमार, तीरथ प्रसाद जायसवाल, पुष्पेंद्र कुमार, अखिलेश कुमार प्रजापति, रमेश कुमार प्रजापति, त्रिलोकी नाथ सोनकर और काजल विश्वकर्मा पैरवी कर रहे हैं।

ये सात नाम हैं प्रस्तावित

सुप्रीम कोर्ट कालेजियम ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में न्यायाधीश नियुक्त करने के लिए डा. विवेक शरण, राजेश कुमार शुक्ला, कनक गहरवार उर्फ कनक लता सिंह, भक्ति व्यास, श्रेयस पंडित, मृणाल एलकर उर्फ मृणाल मजूमदार और अविनाश जरगर के नामों की अनुशंसा की है।

अवैध अनुकंपा नियुक्तियों में अधिकारियों की भूमिका की भी होगी जांच

हाईकोर्ट ने विशेष पुलिस स्थापना को एफआइआर दर्ज कर जांच के निर्देश दिए

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने अपात्र व्यक्तियों को नियम विरुद्ध अनुकंपा नियुक्तियां देने के मामले में सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अवैध नियुक्तियों का लाभ लेने वाले कर्मचारियों को सेवा से हटा देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि ऐसे नियुक्तियों में भूमिका निभाने वाले जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। जस्टिस विवेक अग्रवाल की सिंगल बेंच ने विशेष पुलिस स्थापना को संबंधित कलेक्टर, तत्कालीन मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ), नियुक्ति पाने वाले व्यक्तियों और अन्य संबंधित लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर जांच करने के निर्देश दिए हैं। वहीं लोकायुक्त पुलिस को 30 दिन के भीतर प्रारंभिक जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने कहा है। यह मामला छिंदवाड़ा निवासी नितिन मालवी की ओर से वर्ष 2017 में दायर याचिका से संबंधित है। सुनवाई के दौरान शासन की ओर से बताया गया कि जिन लोगों को कथित रूप से अवैध तरीके से अनुकंपा नियुक्तियां दी गई थीं, उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। कोर्ट ने सीएमएचओ छिंदवाड़ा द्वारा आठ अक्टूबर 2026 को जारी आदेश का अवलोकन किया। इसमें सुनील सेलुकर सहित तीन अन्य समान परिस्थितियों वाले व्यक्तियों की अनुकंपा नियुक्तियां निरस्त किए जाने की जानकारी दी गई थी। शासन ने यह भी बताया कि एक अन्य व्यक्ति को कलेक्टर छिंदवाड़ा ने नियुक्ति दी थी। संबंधित कर्मचारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और आगे की कार्रवाई प्रस्तावित है। कोर्ट ने माना कि जब सीएमएचओ और कलेक्टर के स्तर पर अपात्र व्यक्तियों को अनुकंपा नियुक्ति देने की प्रथमदृष्टया अनियमितता सामने आ रही है, तो केवल नियुक्तियां निरस्त करना पर्याप्त नहीं है। इस पूरे घटनाक्रम में अधिकारियों और अन्य संबंधित व्यक्तियों की भूमिका की आपराधिक जांच आवश्यक है। कोर्ट ने विशेष पुलिस स्थापना को संबंधित अधिकारियों, नियुक्तियों का लाभ लेने वालों और इस प्रक्रिया में भूमिका निभाने वाले अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध एफआइआर दर्ज कर जांच करने के निर्देश दिए। आदेश की प्रति मध्य प्रदेश के लोकायुक्त को भी भेजने कहा गया है, ताकि दोषी अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जा सके। मामले की अगली सुनवाई 15 दिसंबर को निर्धारित की गई है।

द्विशा शर्मा डेथ केस

हाईकोर्ट से पूर्व जिला जज गिरिबाला सिंह की जमानत अर्जी निरस्त

जबलपुर। भोपाल के चर्चित द्विशा शर्मा मौत मामले में आरोपित पूर्व जिला जज गिरीबाला सिंह को हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली है। हाई कोर्ट ने बुधवार को उनकी नियमित जमानत अर्जी निरस्त कर दी। जस्टिस अजय कुमार निरंकारी की सिंगल बेंच ने दोनों पक्षों और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। जमानत पर सुनवाई के दौरान गिरिबाला सिंह के फोन काल, पार्लर के सीसीटीवी फुटेज, द्विशा की चैट और जांच को प्रभावित करने की आशंका जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे उठे थे। सीबीआइ ने भी जमानत का विरोध करते हुए आशंका जताई थी कि रिहा होने पर आरोपित जांच और गवाहों को प्रभावित कर सकती हैं।

दिनभर चली थी सुनवाई : 26 अक्टूबर को सुबह 10:30 बजे शुरू हुई सुनवाई शाम तक चली थी। इसमें गिरिबाला सिंह के अधिवक्ताओं के अलावा द्विशा के पिता नवनिधि शर्मा की ओर से उपस्थित अधिवक्ता और सीबीआइ के वकीलों ने पक्ष रखा था। सुनवाई में द्विशा शर्मा को कथित मानसिक प्रताड़ना देने, जांच में हस्तक्षेप और गवाहों को प्रभावित करने की आशंकाओं पर बहस हुई थी।

सूने घर का ताला तोड़कर जेवर व नगदी चोरी

जबलपुर। गोरखपुर थाना अतंर्गत एच-02 टेंडर 01 मांडवा छात्रावास के सामने गोरखपुर में एक सूने घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर गृहस्थी का सामान और सोने चांदी के जेवर और नगदी 40 हजार रुपए चोरी कर ले गए। गोरखपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार एच-02 टेंडर 01 मांडवा छात्रावास के सामने गोरखपुर निवासी 36 वर्षीय उत्तम सिंह राजपूत गत दिवस अपने घर पर ताला लगाकर अपने परिवार के साथ बाजार गया था। रात्रि 10.30 बजे वापस आकर देखा तो घर पर लगा ताला नहीं था। अंदर रखी अलमारी में नगद लगभग 40 हजार रुपये , बच्चे की 2 हाय सोने की , चांदी की एक चैन, इंडेक्सन ,आटा 15 किलो, चने की दाल 10 किलो और कुछ घरेलु सामान चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान की कीमत लगभग 50 हजार रूपये बताई गई है।







हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No. : MPHIN/2008/24240

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा व संचालक चिकित्सा शिक्षा से मांगा जवाब

केंद्रीय उपक्रम में कार्यरत चिकित्सक को इन-सर्विस अभ्यर्थी का लाभ क्यों नहीं

जबलपुर। केंद्रीय उपक्रम में छह वर्ष तक ग्रामीण क्षेत्र में चिकित्सकीय सेवाएं देने के बावजूद इन-सर्विस अभ्यर्थी का लाभ नहीं मिलने के मामले में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार सहित संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया है। चीफ जस्टिस अल्पेश यशवंत कोगजे व जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा और संचालक चिकित्सा शिक्षा को तीन सप्ताह में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 25 नवंबर को निर्धारित की गई है।



यह याचिका शांतिनगर, जबलपुर निवासी डा. अभिषेक अग्निहोत्री की ओर से दायर की गई है। उनकी ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संघी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि नियमानुसार राज्य सरकार के विभागों में मेडिकल ऑफिसर के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएं देने वाले चिकित्सकों को मेडिकल पीजी प्रवेश में इन-सर्विस अभ्यर्थी का दर्जा दिया जाता है। इस श्रेणी के लिए 30 सीटें आरक्षित हैं। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र में एक वर्ष की सेवा पर 10 अंक और अधिकतम 30 अंकों का लाभ दिए जाने का प्रविधान है। याचिकाकर्ता का कहना है कि उन्होंने केंद्र सरकार के उपक्रम नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कार्पोरेशन (एनएमडीसी), पन्ना में ग्रामीण क्षेत्र में छह वर्ष तक सेवाएं दी हैं। इसके बावजूद उन्हें इन-सर्विस अभ्यर्थी के रूप में पात्रता का लाभ नहीं दिया जा रहा है। इस आधार पर उन्होंने हाईकोर्ट की शरण ली है।

दो से अधिक मतों का अंतर होने पर ही घोषित होगा परिणाम

दो अधिवक्ताओं के वोट पर हाईकोर्ट की शर्त, दोनों को मतदान की अनुमति, लेकिन मतों की गिनती स्टेट बार काउंसिल के निर्णय के बाद

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने जिला बार एसोसिएशन, टीकमगढ़ के चुनाव में दो अधिवक्ताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के विवाद पर महत्वपूर्ण आदेश दिया है। जस्टिस विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने दोनों अधिवक्ताओं को मतदान की अनुमति देते हुए उनके मतों की गणना पर शर्त लगा दी है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जीत और हार के बीच अंतर दो मतों से अधिक होने पर ही चुनाव परिणाम घोषित किया जा सकेगा। याचिकाकर्ता अधिवक्ता अनिल कुमार अहिरवार और अभिनव यादव ने याचिका दायर कर बताया कि वर्ष 2024 के चुनाव की मतदाता सूची में उनके नाम शामिल थे, लेकिन वर्ष 2026 की अंतिम मतदाता सूची से उनके नाम हटा दिए गए। इस कार्रवाई को चुनौती देते हुए उन्होंने हाई कोर्ट की शरण ली। उनकी ओर से अधिवक्ता प्रखर नवेरिया ने पैरवी की। सुनवाई के बाद कोर्ट ने दोनों अधिवक्ताओं को मतदान की अनुमति दे दी, लेकिन उनके मतों को तत्काल मतगणना में शामिल करने से रोक दिया। अदालत ने निर्देश दिया कि दोनों अधिवक्ताओं के अभ्यावेदन पर मध्यप्रदेश स्टेट बार काउंसिल की नवनिर्वाचित बॉडी निर्णय करेगी। इसके बाद ही इन मतों की गणना का प्रश्न तय होगा।



एपफआईआर की मांग

श्रीकृष्ण पर कथित टिप्पणी को लेकर अधिवक्ताओं ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। सनातन धर्म के आराध्य भगवान श्रीकृष्ण के खिलाफ सार्वजनिक मंच पर की गई कथित अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में जबलपुर के अधिवक्ताओं ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में ज्ञापन सौंपा।

शिकायतकर्ता अधिवक्ता राजकुमार यादव ने आरोप लगाया कि पं. धीरेन्द्र शास्त्री ने अपने प्रवचन में श्रीकृष्ण और श्रीराम की तुलनात्मक टिप्पणी कर धार्मिक भावनाएं आहत की हैं। उन्होंने कहा कि इससे करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुंची है और भगवद्गीता का भी अपमान हुआ है।

ज्ञापन में मांग की गई है कि भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 299 और 302 के तहत पं. धीरेन्द्र शास्त्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाए। साथ ही सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के रूप में सुरक्षित रखने की भी मांग की गई।

सात दिन में छात्र को टीसी और अंकसूची देने के निर्देश, स्टेमफील्ड इंटरनेशनल स्कूल को हाईकोर्ट की हिदायत

जबलपुर। स्कूल से कक्षा सातवीं और आठवीं की अंकसूची तथा स्थानांतरण प्रमाणपत्र (टीसी) प्राप्त करने के लिए भटक रहे 14 वर्षीय छात्र को हाईकोर्ट से राहत मिली है। जस्टिस एमएस भट्टी की सिंगल बेंच ने बल्देवबाग स्थित स्टेमफील्ड इंटरनेशनल स्कूल प्रबंधन को निर्देश दिए हैं कि वह याचिकाकर्ता को सात दिन के भीतर संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराए। यदि दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जाते हैं, तो इसी समय-सीमा में इसके कारणों की जानकारी भी छात्र को देनी होगी।मामले की अगली सुनवाई 19 नवंबर को निर्धारित की गई है। यह निर्देश आनंद कालोनी, बल्देवबाग निवासी शिवराज त्रिपाठी की याचिका पर दिए गए। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता राजेश चंद ने दलील दी कि छात्र ने स्कूल प्रबंधन से कक्षा सातवीं और आठवीं की अंकसूचियों के साथ टीसी की मांग की थी, लेकिन प्रबंधन ने दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए। इसके चलते छात्र को न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। याचिका में स्कूल की मान्यता और सीबीएसई से संबद्धता संबंधी दस्तावेजों को लेकर भी सवाल उठाए गए। प्रारंभिक सुनवाई के बाद एकलपीठ ने छात्र के शैक्षणिक दस्तावेजों के संबंध में उक्त समयबद्ध निर्देश जारी करते हुए अगली सुनवाई की तारीख तय कर दी।

हादसे में मददगार बने कलेक्टर घायलों को पहुंचाया अस्पताल



जबलपुर। बिलहरी क्षेत्र में डीमार्ट के पास बुधवार को सवारियों से भरी ऑटो-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कुछ यात्री ऑटो के नीचे दब गए। इसी दौरान वहां से गुजर रहे कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने तत्काल वाहन रुकवाकर स्थानीय लोगों की मदद से ऑटो सीधा कराया और यात्रियों को बाहर निकाला। उन्होंने घायलों को खनिज विभाग के वाहन से जिला अस्पताल पहुंचाया तथा चिकित्सकों को तत्काल उपचार के निर्देश दिए। हादसे में महेश चौहान (49) के पैर में फ्रैक्चर हुआ, जबकि अर्पणा शर्मा (30) और शाश्वत शर्मा (6) को चोट नहीं आई। कलेक्टर की तत्परता से घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सका।



चंसोरिया कंपाउंड में कार्रवाई, सेना की क्यूआरटी रही तैनात

सदर में अवैध निर्माण पर कैंट बोर्ड का बुलडोजर

जबलपुर। छावनी क्षेत्र में बिना अनुमति किए जा रहे निर्माण के खिलाफ कैंट बोर्ड और रक्षा संपदा विभाग ने बुधवार सुबह बड़ी कार्रवाई की। सदर स्थित जायसवाल पेट्रोल पंप के पीछे बंगला नंबर 25, चंसोरिया कंपाउंड में चल रहे निर्माण को संयुक्त टीम ने बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान सेना की क्विक रिएक्शन टीम (क्यूआरटी) भी तैनात रही, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। जानकारी के अनुसार चंसोरिया कंपाउंड में लगभग दो से तीन हजार वर्गफीट क्षेत्र में निर्माण कार्य किया जा रहा था। इसकी शिकायत रक्षा संपदा अधिकारी नेहा गुप्ता तक पहुंची थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने कैंट बोर्ड के इंजीनियरों, अतिक्रमण निरोधक दल और रक्षा संपदा अधिकारी कार्यालय के कर्मचारियों को मौके पर कार्रवाई के लिए भेजा। संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्माण की जांच की। अनधिकृत निर्माण पाए जाने के बाद उसे हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। पूरी कार्रवाई सेना की क्यूआरटी की मौजूदगी और सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न कराई गई।

2016 में सील किया गया था परिसर

बताया जाता है कि इसी स्थान पर पहले उमर खैयाम नाम से रेस्टोरेंट और आहता संचालित होता था, जिसे वर्ष 2016 में रक्षा संपदा विभाग ने सील कर दिया था। बुधवार सुबह अचानक हुई इस कार्रवाई से सदर क्षेत्र में हलचल मच गई। कैंट क्षेत्र में अनधिकृत निर्माण के खिलाफ हुई इस कार्रवाई को लेकर आसपास के इलाकों में भी चर्चा रही।

बरगी पुलिस ने दर्ज किया धोखाधड़ी का मामला

यूपीआई के जरिए किसान के बैंक खाते से 95 हजार रुपये पार



जबलपुर। डिजिटल भुगतान की सुविधा के बीच साइबर ठगों ने एक किसान के बैंक खाते से 95 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित को खाते से रकम गायब होने की जानकारी तब लगी, जब उसने बैंक खाते का बैलेंस चेक किया। मामले की शिकायत पर बरगी पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार ग्राम समद पिपरिया निवासी 40 वर्षीय राजेश पटेल खेती-किसानी करते हैं। उनका बैंक ऑफ महाराष्ट्र की नारायणपुर तिलवारा शाखा में खाता है, जिसका इस्तेमाल वे गूगल पे और फोन पे के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान के लिए करते हैं। एक नवंबर को वे इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने गौर गए थे। यहां उन्होंने फोन पे से 2100 रुपये का भुगतान किया। इसके बाद किराना सामान खरीदने पर भी पांच हजार रुपये ऑनलाइन चुकाए।

कुछ समय बाद जब उन्होंने अपना बैंक बैलेंस देखा तो खाते से करीब 95 हजार रुपये कम मिले। हैरानी की बात यह थी कि इतनी बड़ी रकम के ट्रांजेक्शन का कोई मैसेज भी उनके मोबाइल पर नहीं आया था। घर पहुंचने के बाद उन्होंने खाते में बची 64 हजार 600 रुपये की राशि अपने बेटे के खाते में और एक हजार रुपये अपने साले दुर्गेश के खाते में ट्रांसफर कर दिए। बाद में बैंक पहुंचकर जानकारी लेने पर पता चला कि उनके खाते से यूपीआई के जरिए 95 हजार रुपये दो अलग-अलग बैंक खातों में भेजे गए हैं। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा धोखाधड़ी कर रकम निकाले जाने की पुष्टि होने पर राजेश पटेल ने बरगी थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया है।

ड्यूटी पर जा रहे आरक्षक को पिकअप ने कुचला, मौके पर मौत

जबलपुर। खाकी वर्दी की जिम्मेदारी निभाने घर से निकले एक पुलिस आरक्षक की ड्यूटी पर पहुंचने से पहले ही सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। बरेला थाना अंतर्गत बायपास रोड पर कान्हा ढाबे के समीप तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि आरक्षक अनिल मरावी ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। इस दुखद घटना से पुलिस विभाग में शोक का माहौल है। बरेला पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार आरक्षक अनिल मरावी सिविल लाइन थाने में पदस्थ थे। बुधवार को वे अपनी मोटरसाइकिल से बरेला की ओर से सिविल लाइन थाना ड्यूटी पर आ रहे थे। रास्ते में कान्हा ढाबे के पास अचानक तेज गति से आ रही पिकअप ने उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर लगते ही वे सड़क पर गिर पड़े और गंभीर चोटों के चलते उनकी जान चली गई। घटना के बाद मौके पर राहगीरों और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर पंचनामा कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। हादसे के बाद पिकअप चालक घायल आरक्षक की मदद करने के बजाय वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी चालक की पहचान के लिए कान्हा ढाबे सहित आसपास के प्रतिष्ठानों और मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच शुरू कर दी है। ड्यूटी पर जाते समय एक साथी पुलिसकर्मी को खोने से विभाग के कर्मचारियों और परिजनों में गहरा दुख व्याप्त है।

साझी गृहस्थी में नहीं रहने और घरेलू हिंसा के साक्ष्य नहीं मिलने पर आवेदन निरस्त

देवरानी और देवर के विरुद्ध लगाए थे मारपीट और प्रताड़ना के आरोप, तीन अन्य आपराधिक प्रकरणों का भी हुआ उल्लेख, मेडिकल रिपोर्ट और गवाह पेश नहीं कर सकी आवेदिका

जबलपुर। घरेलू हिंसा के मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कु. रेणु खेस की अदालत ने महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए महिला का आवेदन निरस्त कर दिया। अदालत ने पाया कि आवेदिका और अनावेदक पक्ष के बीच पहले से ही अलग-अलग रहन-सहन और भोजन व्यवस्था थी। दोनों के बीच कोई साझा गृहस्थी नहीं थी। साथ ही घरेलू हिंसा के आरोपों की पुष्टि के लिए पर्याप्त साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किए गए।

अनावेदकों की ओर से अधिवक्ता संदेश दीक्षित ने पक्ष रखा। मामले में जबलपुर निवासी दीप्ति बावरिया ने अपनी देवरानी नीलू बावरिया, सोनम बावरिया और देवर दीपक बावरिया के विरुद्ध घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा 12 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया था। आरोप था कि 18 फरवरी 2021 को आरोपितों ने उनके साथ मारपीट की और धमकियां दीं। सुनवाई के दौरान आवेदिका ने स्वीकार किया कि ससुर के जीवनकाल में ही परिवार का खाना-पीना अलग हो गया था। वह अपने पति और बच्चों के साथ अलग मकान में रहती हैं, जबकि अनावेदक पक्ष सामने रहता है। उनके बीच साझा गृहस्थी नहीं थी और बातचीत भी बंद थी। अदालत ने इन स्वीकारोक्तियों को महत्वपूर्ण माना। अदालत ने यह भी पाया कि आवेदिका के विरुद्ध अनावेदक पक्ष की शिकायतों पर कैंट थाने में तीन आपराधिक प्रकरण दर्ज हुए थे। इनमें मारपीट, धमकी सहित अन्य आरोप शामिल थे। आवेदिका ने अपनी शिकायत की प्रति, मेडिकल रिपोर्ट या घटना के समर्थन में स्वतंत्र गवाह प्रस्तुत नहीं किया। अदालत ने माना कि उपलब्ध साक्ष्यों से घरेलू हिंसा प्रमाणित नहीं होती। इसी आधार पर धारा 12 के तहत प्रस्तुत आवेदन निरस्त कर दिया गया।

रेलवे स्टेशन पर 4 किलो गांजा जब्त, आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। जीआरपी थाना पुलिस ने 4 नवंबर को रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 2-3 पर चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके बैग से 4.145 किलोग्राम गांजा बरामद किया। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 1 लाख 3 हजार 625 रुपये बताई गई है। आरोपी अचिन कुमार दुबे उर्फ कल्लू (35), निवासी ग्रीन सिटी, मदनमहल के विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। कार्रवाई थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत के नेतृत्व में हुई।



इसमें एएसआई गोपाल सिंह राजपूत, प्रधान आरक्षक मनोज मिश्रा, आनंद यादव, कृष्णकांत तिवारी, गोपाल, रविकांत, परशुराम, अरुण तिवारी तथा सीआईबी के प्रधान आरक्षक पुष्पेन्द्र सिंह एवं आरक्षक भवानी सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

अदालत ने अर्थदंड भी लगाया

तेज रफ्तार कार ने ली थी मासूम की जान, चालक को एक साल की सजा

जबलपुर। स्कूल से पैदल घर लौट रहे मासूम को तेज रफ्तार कार से कुचलकर मौत के घाट उतारने वाले चालक को अदालत ने एक वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पाटन ने आरोपी यादवेंद्र सिंह लोधी पर एक हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अभियोजन के अनुसार, घटना सात अक्टूबर 2022 की दोपहर करीब 3.20 बजे बेलखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम पिपरिया कलां की है। बालक अर्पित सिंह लोधी स्कूल से पैदल अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान बस स्टैंड की तरफ से आ रही अल्टो कार क्रमांक एमपी 20 सीडी 4802 ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बालक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क किनारे गिर पड़ा और मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गई। घटना के समय मृतक के नाना भोले सिंह सड़क किनारे खड़े थे। उन्होंने पुलिस को बताया कि कार चालक तेज रफ्तार से वाहन चला रहा था। उनकी सूचना पर बेलखेड़ा पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। बाद में कार चालक के विरुद्ध धारा 279 और 304-ए भारतीय दंड संहिता तथा मोटरयान अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने वाहन स्वामी को मोटरयान अधिनियम की धारा 133 के तहत नोटिस जारी किया। इसके जवाब में उसने घटना के समय स्वयं वाहन चलाना स्वीकार किया। पुलिस ने वाहन और उसके दस्तावेज जब्त किए। जांच में आरोपीवके पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस नहीं होना भी सामने आया, जिसके बाद मोटरयान अधिनियम की धारा 3/181 भी जोड़ी गई। विवेचना पूरी होने पर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

त्योहारों पर मिठाई दुकानों की जांच, खाद्य सामग्री के नमूने लिए



जबलपुर। त्योहारों के मद्देनजर खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने बुधवार को गोरखपुर, मदनमहल, सदर एवं तिलहरी में मिठाई और खाद्य सामग्री विक्रय प्रतिष्ठानों की जांच की। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता के अनुसार बीकानेर गोरखपुर से मलाई कतली एवं मावा बर्फी, राज स्वीट गोरखपुर और हीरा स्वीट मदनमहल से मठरी एवं गुझिया के नमूने लिए गए। मधुकलश सदर से नमकीन तथा ओवन क्लासिक तिलहरी से नमकीन, चिप्स एवं क्रीम रोल के नमूने लिए गए। होटल विजन महल को किचन स्टोर के फूड कंटेनरों पर तारीख अंकित करने के निर्देश दिए गए। सभी नमूने जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे जाएंगे। रिपोर्ट में गड़बड़ी मिलने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने जारी किए निर्देश

मुआवजा नहीं चुकाने पर कलेक्टर कार्यालय की संपत्ति कुर्क करने का आदेश

जबलपुर। सड़क दुर्घटना में मृत व्यक्ति के स्वजन को मुआवजा राशि का भुगतान नहीं करने पर तीसरे अपर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने कलेक्टर कार्यालय की चल-अचल संपत्ति कुर्क करने के आदेश दिए हैं। आदेश के पालन में बुधवार को अधिवक्ता और संबंधित अधिकारी कुर्की की कार्रवाई के लिए कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। प्रकरण के अधिवक्ता सी पी सिंह के अनुसार, सात अक्टूबर 2019 को कुंडम एसडीएम के बोलेरो वाहन (एमपी-02 एवी-6643) से हुई दुर्घटना में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी। हादसे के समय वाहन टीकाराम ठाकुर चला रहे थे। वाहन का स्वामित्व मध्य प्रदेश शासन, कलेक्टर जबलपुर के नाम था। मृतक की पत्नी नूरजहां ने मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 166 के तहत मुआवजे का दावा प्रस्तुत किया था। तीसरे अपर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के सदस्य बृजेश सिंह की अदालत ने 25 फरवरी, 2025 को प्रकरण में निर्णय सुनाते हुए ब्याज सहित 12 लाख 93 हजार रुपये का मुआवजा देने का अवार्ड पारित किया था। अधिवक्ता का कहना है कि न्यायालय के आदेश के बावजूद निर्धारित राशि का भुगतान नहीं किया गया। इसके बाद पीड़ित पक्ष ने जिला न्यायालय में अवार्ड के निष्पादन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। भुगतान लंबित रहने पर न्यायालय ने कलेक्टर कार्यालय की चल-अचल संपत्ति कुर्क करने के निर्देश जारी किए।

सड़कों पर कूड़ा फेंकने का सिलसिला बदस्तूर जारी

जगह जगह लगे कचरे के ढेर से उठ रही दुर्गन्ध





सिहोरा। दीपावली पर्व को लेकर लोग अपने घरों की साफ-सफाई में जुट गए हैं। घर के कोना कोना की साफ करने का दौर शुरू हो गया है। कुछ लोग तो घरों का रंग रोगन भी कराने लगे हैं। लेकिन घरों को स्वच्छ करने लोगो ने कचरे का ढ़ेर सड़कों पर लगा दिया है।घरों की साफ सफाई से घर तो स्वच्छ हो गये लेकिन जगह जगह लगे कचरे के ढ़रों ने वातावरण को दुषित कर दिया है। जगह जगह लगे कचरे के सडांध मारते ढ़ेर नगर पालिका के सफाई अमले की पोल खोल रहे हैं। वैसे तो कचरे को उठाने तथा सड़क की सफाई का कार्य तड़के से ही प्रारंभ कर दिया जाता है। लेकिन इसके बाद भी शहर की सड़कों से कचरा पूरी तरह से उठ नहीं रहा है इसके पीछे असली कारण घरों की सफाई के बाद कचरा सड़क पर फेंका जाना है।

दीपावली का कचरा सफाई अभियान पर पड़ रहा भारी

दीपावली को लेकर सफाई अभियान घर के अंदर से लेकर बाहर दोनों तरफ चल रहा है। लोग घरों को साफ सुथरा करने में जुटे हैं। लेकिन घरों का कूड़ा कचरा सड़कों पर ही फेंक देना,नपा के सफाई अभियान पर भारी पड़ने लगा है। एक तरफ सफाई कर्मी सड़कों पर झाड़ू लगा रहे हैं तो दूसरी तरफ उस पर कूड़ा कचरा फेंकने का सिलसिला भी तेज हो गया है।

दुकानदारों पर लगाम की दरकार

शहर में हर दिन फैलती गंदगी के लिए दुकानदार काफी हद तक जिम्मेदार हैं। ऐसे में संपूर्ण स्वच्छता के लिए इन दुकानदारों पर लगाम लगाने की दरकार है। ताकि ये दुकानों का कचरा एक स्थान पर डालें और सड़क पर कचरा फैलने से रोका जा सके।व्यवसायिक स्थलों पर खाने पीने की सामग्री के डिस्पोजल सड़क को कचरा घर बनाने में अपनी पुरी भूमिका अदा कर रहे हैं।सफाई व्यवस्था संभालने नगर पालिका के कर्मचारी कार्य कर रहे हैं, लेकिन फिर भी व्यवस्था गड़बड़ाई हुई है। परिषद की बैठक में हर बार पार्षद सफाई व्यवस्था को लेकर जनप्रतिनिधी आबाज तो उठाते हे लेकिन अधिकारी सिर्फ व्यवस्था सुधारने का आश्वासन देते हैं।

लगभग एक सैकड़ा सफाई कर्मचारियो के भरोसे सफाई व्यवस्था

मुख्य नगर पालिका अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के 18 वार्डो की स्वच्छता की जिम्मेदारी स्थाई, दैनिक वेतन भोगी और आउटसोर्स के 100 सफाई कर्मचारी के भरोसे हैं, इसके अलावा कचरे के परिवहन हेतु तीन टेक्टर ट्राली तथा चार कचरा वाहन से कचरे के ढेर हटाये जा रहे है लेकिन फिर भी सफाई व्यवस्था को लेकर शहरवासी, पार्षद संतुष्ठ नहीं है। शहर में कई जगहों पर कचरा के ढेर लगे हुए हैं और कचरा गाड़ी न आने या समय पर न आने की शिकायतें आ रही हैं।

कचरे के ढेर से दुषित हो रहा वातावरण

शहर में दिनभर कचरा के ढेर लगे रहते हैं। सबसे ज्यादा खराब स्थिति पुराने बस स्टेंड से अनुविभागीय कार्यालय जाने वाले मार्ग में,बाबाताल से हरदौल मंदिर मार्ग में गोदाम के बगल में,सरावगी मोहल्ला में हनुमान मंदिर के बगल से बड़ा कचरे के ढेर लगे रहते है। वार्डों के अंदर भी अच्छे से सफाई नहीं की जा रही है। नाला, नालियों में कचरा भरा हुआ है, जिसमें सफाई नहीं की जाती है।

स्वच्छ रैंकिंग पर पड़ेगा असर

सफाई व्यवस्था ठीक न होने से स्वच्छ रैंकिंग पर असर पड़ेगा। पिछली रैंकिंग में भी गिरावट आई थी और इस वर्ष भी इसमें सुधार करने के लिए अधिकारी तो गंभीर से ही नहीं उस पर नागरिक भी घरों का कचरा सड़कों पर फेंक कर नगर की स्वच्छता को पलिता लगा रहे हैं।

इनका कहना है

पर्व के मद्देनजर स्वच्छता को लेकर प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है कचरे के उठाव हेतु कचरा वाहन की मांग शाशन स्तर से की गई है।फिलहाल प्राईवेट ट्रेक्टर ट्राली लगायें जाने पर विचार किया जा रहा है।

प्रदीप झारीया
मुख्य नगर पालिका सिहोरा



लंबित शिकायत पर कलेक्टर सख्त, लापरवाह कर्मचारी को नोटिस जारी करने के निर्देश

जबलपुर। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने बुधवार को सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों एवं स्वामित्व योजना के कार्यों की समीक्षा कर अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने शिकायतकर्ताओं से फोन पर सीधे बात कर समस्याएं सुनीं। आर्थिक सहायता के लिए 60 दिन से परेशान मुन्नालाल की शिकायत पर जांच में आदेश पत्रक पर हस्ताक्षर नहीं होने से कार्रवाई लंबित मिली। इस पर कलेक्टर ने संबंधित तहसीलदार से जवाब तलब कर लापरवाही करने वाले कर्मचारी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निराकरण केवल औपचारिक जवाब से नहीं, बल्कि वास्तविक समाधान से होना चाहिए। राजस्व अधिकारियों को प्रतिदिन दो घंटे सीएम हेल्पलाइन के लिए देने तथा एसडीएम को नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। स्वामित्व योजना में रजिस्ट्री कार्यों की गति के साथ गुणवत्ता, शुद्धता और ड्रोन सर्वे की कमियों की जांच पर भी जोर दिया। बैठक में अपर कलेक्टर नीता राठौर, रविशंकर राय, शैलेंद्र सिंह, अखिलेश सिंह एवं सभी एसडीएम उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में विकसित भारत युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित



सिहोरा। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल महाविद्यालय सिहोरा में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के अंतर्गत युवा संवाद संगोष्ठी का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित विधायक संतोष वरकड़े ने कहा ऐसे आयोजन युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों,सामाजिक जिम्मेदारियों एवं राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका समझने का अवसर प्रदान करते हैं। आयोजन में युवाओं के साथ लोकतंत्र,राष्ट्र निर्माण एवं वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद किया गया।कार्यक्रम में भारतीय जनता युवा मोर्चा ग्रामीण के जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी, जिला महामंत्री राजेश दहिया, उपाध्यक्ष अनुपम सराफ, जिला मंत्री पलाश दुबे, आयुष सेठी, विजय श्रीपाल, शिवम चौरसिया, सहित भाजपा एवं युवा मोर्चा के पदाधिकारी, महाविद्यालय के प्राचार्य एम के श्रीवास्तव उपस्थित थे। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की सक्रिय सहभागिता ने इस संवाद को सार्थक बनाया।

विश्वविद्यालय की गलती, अभ्यर्थी क्यों भुगतें सजा...?

रादुविवि की लापरवाही से 170 अभ्यर्थियों के आवेदन शुल्क के डीडी एक्सपायर

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय (रादुविवि) में असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन करने वाले करीब 170 अभ्यर्थियों के सामने नई परेशानी खड़ी हो गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन की एक बड़ी लापरवाही के चलते इन अभ्यर्थियों के आवेदन के साथ जमा किए गए शुल्क के डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) एक्सपायर हो गए हैं। अब बैंक ने इन डीडी को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब अभ्यर्थियों ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन शुल्क जमा कर दिया था, तो विश्वविद्यालय के अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा उन्हें क्यों भुगतना पड़े?

दरअसल, रादुविवि प्रशासन ने 23 मई 2026 को असिस्टेंट प्रोफेसर के करीब 28 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 25 जून निर्धारित की गई थी। विश्वविद्यालय ने अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए एक हजार रुपए और आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 500 रुपए आवेदन शुल्क तय किया था। इसके लिए अभ्यर्थियों को आवेदन के साथ निर्धारित राशि का डीडी संलग्न करना था। अभ्यर्थियों ने अपनी ओर से निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए आवेदन जमा कर दिए, लेकिन विश्वविद्यालय के जिम्मेदार अधिकारी इन डीडी को समय पर बैंक में जमा कराने की जिम्मेदारी नहीं निभा सके।

बैंक ने किया इंकार..

नियमानुसार आवेदन के साथ प्राप्त डीडी को विश्वविद्यालय के स्थापना विभाग द्वारा रादुविवि के बैंक खाते में जमा कराया जाना था। लेकिन बताया जा रहा है कि विभागीय स्तर पर इस काम में लगातार देरी होती रही। मई-जून में प्राप्त हुए डीडी अक्टूबर तक विश्वविद्यालय के पास ही पड़े रहे। जब विश्वविद्यालय प्रशासन इन्हें बैंक में जमा कराने पहुंचा तो उनकी वैधता समाप्त हो चुकी थी। बैंक ने एक्सपायर हो चुके डीडी को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और संबंधित अभ्यर्थियों को अपने बैंक से नए डीडी बनवाकर जमा करने के लिए कहने की बात सामने आई है।

इस लापरवाही का सीधा असर उन अभ्यर्थियों पर पड़ सकता है, जिन्होंने भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए समय और पैसा खर्च कर आवेदन किया था। अब उनके सामने दोबारा बैंक जाने, नए डीडी बनवाने और विश्वविद्यालय में जमा कराने की परेशानी खड़ी हो सकती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आवेदन शुल्क के डीडी को समय पर बैंक में जमा कराने की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय की थी, तो इसकी चूक का आर्थिक और प्रशासनिक बोझ अभ्यर्थियों पर क्यों डाला जाए?

अधर में अभ्यार्थी..

मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन को यह स्पष्ट करना होगा कि क्या अभ्यर्थियों से दोबारा डीडी मांगे जाएंगे या विश्वविद्यालय अपनी गलती को सुधारने के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था करेगा। यदि नए डीडी बनवाने की जरूरत पड़ती है तो उसका खर्च कौन उठाएगा? साथ ही, जिन अधिकारियों के पास इन डीडी को समय पर बैंक में जमा कराने की जिम्मेदारी थी, उनकी जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।



बिजली समस्याओं को लेकर किसानों ने सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

मझौली। मझौली क्षेत्र में विद्युत समस्याओं से परेशान किसानों एवं ग्रामीणों ने मुख्य अभियंता, विद्युत विभाग मझौली-सिहोरा के नाम ज्ञापन सौंपकर शीघ्र निराकरण की मांग की। ज्ञापन में रानीताल सब स्टेशन तत्काल चालू करने, खेतों में लटकते बिजली के तार ऊंचे करने, मझौली में 132 केवी सब स्टेशन स्थापित करने तथा 11 गांवों के खराब कृषि ट्रांसफार्मर बदलने की मांग रखी गई। किसानों ने बताया कि लो-वोल्टेज और बाधित बिजली आपूर्ति से सिंचाई एवं घरेलू कार्य प्रभावित हो रहे हैं। शीघ्र समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई। इस दौरान अटल बिहारी पटेल, वीरेंद्र पटेल, रंजीत पटेल, राकेश पटेल, रानी लाल पटेल, सलाम खान एवं शिवाकुमार पटेल उपस्थित रहे।

करमचंद चौक रोड पर जाम का जंजाल, रेड जोन में भी बेखौफ पार्किंग...!

नो पार्किंग के बोर्ड के सामने खड़ी हो रहीं कारें, सड़क पर सज रहीं दुकानें; ई-रिक्शा की धमाचौकड़ी

जबलपुर। शहर की व्यस्त सड़कों में शामिल करमचंद चौक रोड इन दिनों यातायात व्यवस्था की बदहाली का उदाहरण बनती जा रही है। यहां सड़क पर चलने से ज्यादा मुश्किल रास्ता तलाशना हो गया है। रेड जोन घोषित होने और जगह-जगह नो पार्किंग के बोर्ड लगे होने के बावजूद नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। सड़क किनारे कारें बेधड़क खड़ी रहती हैं, दुकानें सज रही हैं और ई-रिक्शा की आवाजाही ने स्थिति को और अव्यवस्थित कर दिया है। नतीजा यह है कि सुबह से शाम तक इस मार्ग पर जाम के हालात बने रहते हैं।हैरानी की बात यह है कि जिस स्थान पर स्पष्ट रूप से वाहन खड़े करने और सामान बेचने की मनाही लिखी हुई है, वहीं इन प्रतिबंधों को नजरअंदाज कर पार्किंग और व्यावसायिक गतिविधियां जारी हैं। सड़क का बड़ा हिस्सा वाहनों और दुकानों की चपेट में आने से राहगीरों के लिए निकलने तक की जगह नहीं बचती। कारों, ई-रिक्शा और अन्य वाहनों की आपाधापी के बीच हर दिन यातायात व्यवस्था उलझती नजर आती है।**न ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी, न अतिक्रमण पर कार्रवाई!.....**

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस व्यस्त मार्ग पर दिनभर यातायात का दबाव बना रहता है, लेकिन उसे नियंत्रित करने के लिए ट्रैफिक पुलिस की नियमित मौजूदगी नजर नहीं आती। ई-रिक्शा चालक जहां-तहां वाहन रोककर सवारी बैठाते और उतारते हैं। दूसरी ओर सड़क पर लगने वाली दुकानों और अवैध पार्किंग के कारण सड़क लगातार संकरी होती जा रही है।**बोर्ड पर प्रतिबंध, सड़क पर मनमानी.....** सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब रेड जोन और नो पार्किंग के बोर्ड लगाए गए हैं तो उनका पालन क्यों नहीं कराया जा रहा? क्या यातायात नियम सिर्फ बोर्डों पर लिखने के लिए हैं? अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई की जिम्मेदारी आखिर कौन निभाएगा?स्थानीय नागरिकों ने यातायात पुलिस और नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि करमचंद चौक रोड पर नियमित ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की जाए, प्रतिबंधित क्षेत्र में खड़े वाहनों पर चालानी कार्रवाई हो और सड़क पर लगने वाली दुकानों को हटाया जाए। समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो यह मार्ग आम नागरिकों के लिए रोजाना परेशानी और दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है।

छात्राओं ने प्रशासनिक अधिकारियों से सीखे सफलता के मंत्र



बरेला। पीएमश्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 'गर्ल्स विद रोल मॉडल' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें तहसीलदार श्रीमती पूर्णिमा एवं तहसीलदार राघवेंद्र सिंह ने छात्राओं से संवाद कर अपने विद्यार्थी जीवन और प्रशासनिक सेवा के अनुभव साझा किए। श्रीमती पूर्णिमा ने कहा कि बेटियां हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। समर्पण, लगन और निरंतर प्रयास से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने छात्राओं को पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर सपने साकार करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य आशीष पंड्या एवं वरिष्ठ शिक्षक सतीश चौबे के निर्देशन में प्रभारी प्राचार्य मंजुला मलिक सहित रजनीश कुमार पाण्डेय, रामकृष्ण पटेल, मोहित नाथ, दीपा तिवारी, अर्चना गोप, हेमलता राजोरिया, सोनाली ठाकुर, शिवांगी गुप्ता, स्वाति मुखर्जी, अरुणा रावतेल, पेनजी डेनियल, रश्मि पटेल, भावना यादव, पूर्णिमा त्रिपाठी एवं मधु सिंह की उपस्थिति में हुआ।

जनजातीय बंदियों की समस्याएं जानने केंद्रीय जेल पहुंचे आयोग सदस्य भगत



जबलपुर। मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य भगत सिंह नेताम ने बुधवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस केंद्रीय जेल का निरीक्षण कर जनजातीय बंदियों से सीधा संवाद किया। उन्होंने जमानत, अपील एवं कानूनी सहायता में हो रही देरी की जानकारी लेते हुए छोटे मामलों में लंबे समय से बंद जरूरतमंद कैदियों की समस्याएं जानीं। आजीवन कारावास की सजा काट रहे बंदियों और एक नक्सली बंदी से भी चर्चा की। नेताम ने जेल की पाकशाला में भोजन व्यवस्था तथा महिला बंदियों से चर्चा कर उनके कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि आर्थिक कमजोरी, अशिक्षा और कानूनी जानकारी के अभाव में किसी बंदी को अनावश्यक रूप से जेल में नहीं रहना पड़े, इसके लिए आयोग शासन को आवश्यक सिफारिशें भेजेगा। निरीक्षण में उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग नरोत्तम वरकडे, सहायक आयुक्त वंदना गुप्ता, जेल अधीक्षक अखिलेश तोमर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।



श्री हेमंत यादव- शहर के प्रतिष्ठित परिवार, पूर्व महापौर स्वर्गीय श्री किशोरी लाल यादव के सुपुत्र श्री हेमंत यादव का निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा आज 5 नवंबर गुरुवार को प्रातः 9 बजे उनके निज निवास, घमापुर चौक, जबलपुर से करिया पाथर के लिए प्रस्थान करेगी।

श्री गणेश मलिक- हाईकोर्ट सोसायटी पटेल मोहल्ला रामपुर निवासी श्री गणेश मलिक (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री बबलू बेन- सप्लाई डिपो रोड सदर केंट निवासी श्री शंभू बेन के पुत्र श्री बबलू बेन (34) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री विजय गूजर- गोरा बाजार प्रायमरी स्कूल के पास केंट निवासी श्री विजय गूजर (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजकुमार चौधरी- टेस्टिंग रोड चांदमारी लालमाटी निवासी श्री राजकुमार चौधरी (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती निर्मला साहू- प्रिदर्शिनी कॉलोनी डुमना रोड निवासी श्री चतुर्भुज कुमार साहू की धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला साहू (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कुसुम बाई सोनकर- खेरमाई वार्ड हनुमानताल निवासी श्री राम गोपाल सोनकर की धर्मपत्नी श्रीमती कुसुम बाई सोनकर का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती मीरा चौहान- कटियाघाट रोड गौर निवासी श्री जगदीश चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती मीरा चौहान (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती दुर्गा बाई तुरई- दमोहनाका क्षेत्रीय बस स्टैंड के पास निवासी श्री रामू तुरई की धर्मपत्नी श्रीमती दुर्गा बार्ठ तुरई (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री खेमचंद कठेरिया- उदय नगर व्हीकल रोड निवासी श्री खेमचंद कठेरिया (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती आशा लता भारतीय-



लखेरा गली जवाहरगंज निवासी श्री बीएल भारतीय की धर्मपत्नी श्रीमती आशा लता भारतीय (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राजू अहिरवार- फेस 2 तिलहरी निवासी श्री किशोरी अहिरवार के पुत्र श्री राजू अहिरवार (36) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुमरी राजभर- कांचघर घमापुर रोड निवासी श्री सतीराम राजभर की धर्मपत्नी श्रीमती सुमरी राजभर (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री त्रिपती स्वामी- बिलहरी मंडला रोड निवासी श्री त्रिपती स्वामी (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुखवती कुशवाहा- बस्ती नं. 2 गोहलपुर स्थित श्रीराम परिसर निवासी श्री भगत प्रसाद कुशवाहा की धर्मपत्नी श्रीमती सुखवती कुशवाहा (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती सुशीला सोनी- न्यू रामनगर अमखेरा निवासी श्री रमेश चंद्र सोनी की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला सोनी (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री वीरू चौधरी- बाबा टोला ठक्कर ग्राम निवासी श्री गोविंद चौधरी के पुत्र श्री वीरू चौधरी (28) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती कमला बाई झारिया- सेक्टर टू व्हीकल इस्टेट निवासी श्री सीताराम झारिया की धर्मपत्नी श्रीमती कमला बाई झारिया (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम सिंह लोधी- मुड्वारा कटनी निवासी श्री राम सिंह लोधी (36) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती देव कुमारी- कुदवारी अमखेरा निवासी श्री चंद्र बहादुर की धर्मपत्नी श्रीमती देव कुमारी (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि निजी/शोक/उद्यापन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 1x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 1x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 1x3 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362100

खबर संक्षेप

रेजरपे के आईपीओ को मिली सेबी से मंजूरी



नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी रेजरपे को 5,000-6,000 करोड़ रुपये के प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए बाजार नियामक सेबी से मंजूरी मिल गई है। कंपनी सार्वजनिक निर्गम के जरिये करीब पांच अरब डॉलर का मूल्यांकन हासिल करने का लक्ष्य रख रही है।

केकेआर को मिली जेंटारी में हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी

नई दिल्ली। वैश्विक निवेश कंपनी केकेआर को प्रतिस्पर्धा नियामक भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से मलेशिया की ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी पेट्रोनास के स्वच्छ ऊर्जा मंच जेंटारी रिन्यूएबल्स इंडिया में हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी मिल गई है। केकेआर अपनी सहयोगी कंपनी सैफायर यूएस होल्डको (यूएसए) एलएलसी के जरिये यह निवेश कर रही है।

सन्मार्ग ने किया तहलका डॉट कॉम का अधिग्रहण

कोलकाता। मीडिया समूह सन्मार्ग प्राइवेट लिमिटेड ने तहलका.कॉम प्राइवेट लिमिटेड की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर लिया है। इसके साथ ही समूह ने पत्रिका क्षेत्र में कदम रखा है और डिजिटल मीडिया जगत में अपनी मौजूदगी मजबूत की है। खोजी पत्रकारिता के लिए पहचाने जाने वाले प्रकाशन में और निवेश करने की योजना बना रहा है।

एमके सन्स फाइन मामूली बढ़त के साथ सूचीबद्ध



नई दिल्ली। एमके सन्स फाइन ज्वेल्स लिमिटेड का शेयर बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद निर्गम मूल्य से मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। बीएसई पर शेयर 171.60 रुपये प्रति शेयर पर सूचीबद्ध हुआ, जो 162 रुपये के निर्गम मूल्य से 5.92 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है। कारोबार के दौरान यह 7.96 प्रतिशत चढ़कर 174.90 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंचा।

रिवोल्ट मोटर्स बिहार पुलिस को 1100 ई- बाइक की करेगी आपूर्ति



मुंबई। इलेक्ट्रिक दोपहिया विनिर्माता रिवोल्ट मोटर्स ने बुधवार को कहा कि उसे बिहार पुलिस से अपनी कम्यूटर इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल 'ब्लेजएक्स' की 1,100 इकाइयों की आपूर्ति का ऑर्डर मिला है। रतनइंडिया एंटरप्राइजेज के पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ने बयान में कहा कि बाइक की आपूर्ति अगले साल जनवरी तक की जाएगी।

हैवेल्स के अलवर संयंत्र में कर्मचारियों का प्रदर्शन



नई दिल्ली। बिजली के उपकरण बनाने वाली कंपनी हैवेल्स इंडिया लिमिटेड के राजस्थान के अलवर स्थित विनिर्माण संयंत्र में कर्मचारियों का एक वर्ग प्रदर्शन कर रहा है। हालांकि, कंपनी के प्रबंधन दल ने मुद्दे का समाधान निकालने के लिए उनसे बातचीत शुरू कर दी है। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि तीन नवंबर को कुछ कर्मचारी अपनी कुछ मांगों को लेकर कारखाने के द्वार पर एकत्र हुए थे। कंपनी ने इन मांगों को अनुचित'' बताया।

माइक्रोसाफ्ट के बाद अब गूगल ने दिया कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने का ऑफर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

माइक्रोसॉफ्ट के बाद अब गूगल ने भी अपने कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने का ऑफर दे दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में गूगल अपने कर्मचारियों के लिए 'बायआउट ऑफर' लेकर आया है। जिसके जरिए कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने के लिए ऑफर किया जा रहा है। ये ऑफर कई अन्य देशों तक बढ़ाने का फैसला भी किया गया है।

कंपनी ने ये फैसला अन्य खर्चों की कटौती और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर भारी निवेश के मद्देनजर किया है। गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट ने रॉयटर्स से बातचीत कर इस खबर की पुष्टि की है। कंपनी ने बताया है कि उसने कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, जापान और स्विट्जरलैंड में काम करने वाले अपने कर्मचारियों को वॉलंटरी एग्जिट पैकेज देना शुरू कर दिया है।

गूगल अपने कर्मचारियों के लिए 'बायआउट ऑफर' लेकर आया

माइक्रोसॉफ्ट ने भी दिया ऑफर

बता दें कि पिछले हफ्ते ही एक और बड़ी टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने भी अपने कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने के बदले में अच्छा खासा पैकेज ऑफर किया है। कंपनी ने करीब 60,000 कर्मचारियों को 'बायआउट कॉन्ट्रैक्ट' दिए थे। जिसमें भारत के कर्मचारियों का नाम भी शामिल था। माइक्रोसॉफ्ट ने भी एआई के विस्तार के लिए ये ऑफर कर्मचारियों को दिया है।



■ कंपनी ने यह फैसला अन्य खर्चों में कटौती और एआई में भारी निवेश के मद्देनजर लिया

भारत में भी पड़ेगा असर?

हालांकि फिलहाल जिन देशों का नाम आया है, उनमें भारत के कर्मचारियों का जिक्र नहीं है। भारतीय कर्मचारियों को फिलहाल ऐसा कोई ऑफर नहीं दिया गया है, कि उन्हें नौकरी छोड़ने के बदले में कुछ पैकेज दिया जा रहा है। लेकिन हो सकता है कि आने वाले समय में कंपनी इसका विस्तार करें और भारतीय कर्मचारियों पर भी इसका असर पड़े। कंपनी ने ये कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब गूगल और अन्य बड़ी टेक कंपनियां एआई पर भारी खर्च कर रही हैं। इस वजह से वॉल स्ट्रीट चिंतित हो गया है और अल्फाबेट के शेयरों की कीमत में गिरावट आई है।

कनवा ने 22 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी की

कनवा इंडस्ट्रीज ने मंगलवार को घोषणा की कि वह अपने परिचालन में कटौती और पुनर्गठन करेगी, जिससे 1,271 कर्मचारी प्रभावित होंगे। यह कंपनी के कुल कार्यबल का 22 प्रतिशत है। सिडनी स्थित इस डिजाइन प्लेटफॉर्म को एक दशक में पहली बार विकास में मंदी का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कंपनी की वेबसाइट पर एक नोट में बताया कि कुछ कर्मचारियों की नौकरी जाएगी, जबकि अन्य की भूमिकाएं बदली जाएंगी या उन्हें केंद्रीय कार्यालयों में स्थानांतरित किया जाएगा।

कर्मचारी तीन दिन कार्यालय में काम करेंगे

कंपनी अपने उत्पाद, वृद्धि और प्लेटफार्म विभागों को मिलाकर एक प्रोडक्ट आर्ग बनाएगी और टीमों के बीच विखंडन को कम करेगी। सिडनी को उत्पाद टीमों के लिए प्राथमिक स्थान बनाया जाएगा, जिसके लिए कुछ कर्मचारियों को स्थानांतरित होना होगा। जनवरी से, अधिकांश हाइब्रिड कर्मचारी सप्ताह में दो से तीन दिन कार्यालय में काम करेंगे।

पिछले छह माह में सोने की कीमतों में 12 फीसदी की गिरावट आई

सोने की कीमतों में गिरावट से गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़ा, मांग बढ़ने की उम्मीद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सोने की कीमतों में हालिया गिरावट के बीच निवेशकों का रुझान गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की ओर बढ़ा है। आंकड़ों के अनुसार, गोल्ड ईटीएफ योजनाओं के प्रबंधन के तहत कुल परिसंपत्तियां (एयूएम) अप्रैल के 1.58 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर अक्टूबर में 1.91 लाख करोड़ रुपये हो गईं। पिछले छह महीनों में सोने की कीमतों में करीब 12 प्रतिशत की गिरावट आई है।

■ आने वाले महीनों में कीमतों में और सुधार की उम्मीद

हालांकि, आने वाले महीनों में कीमतों में सुधार की उम्मीद से कीमती धातु में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है। सोने की कीमत 29 मई को 1,62,900 रुपये प्रति 10 ग्राम से घटकर 31 अक्टूबर को 1.42 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। इस तरह इसमें 20,900 रुपये यानी 12.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। बुधवार को सोना 1,46,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले सत्र के बंद भाव से 4,800 रुपये अधिक है।

■ कुल परिसंपत्तियां अक्टूबर में बढ़कर 1.91 लाख करोड़ हुई

■ खरीदार सोने के आभूषणों के बजाय गोल्ड ईटीएफ की ओर रुख कर रहे



ईटीएफ ने 30.7 फीसदी का दिया रिटर्न

आंकड़ों के अनुसार, निप्पॉन इंडिया गोल्ड ईटीएफ बीईईएस और आईसीआईसीआई गोल्ड ईटीएफ ने 30.7-30.7 प्रतिशत का रिटर्न दिया, जबकि इन्वेस्को गोल्ड ईटीएफ का रिटर्न 30.6 प्रतिशत रहा। गोल्ड ईटीएफ ओपन-एंडेड म्यूचुअल फंड योजनाएं हैं, जो शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होती हैं और घरेलू बाजार में भौतिक सोने की कीमत को दर्शाती हैं। इसमें एक यूनिट 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले एक ग्राम भौतिक सोने के बराबर होती है।

सीजन में सोने की मांग को समर्थन मिलने की उम्मीद

शरण ने कहा कि जारी त्योहारी और शादी-ब्याह के सीजन से भी सोने की मांग को समर्थन मिलने की उम्मीद है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने अपनी ताजा तिमाही रिपोर्ट में कहा है कि केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी अगले 12 महीनों में सोने की कीमतों को और समर्थन दे सकती है। पिछले 12 माह में सोने पर आधारित एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) ने 30 प्रतिशत से अधिक का लाभ दिया है।

भौतिक सोने को लेकर चिंता बनी रहती है

भौतिक सोने के मुकाबले ईटीएफ में निवेश करने पर आभूषण बनाने का शुल्क नहीं देना पड़ता, जो आभूषणों की कीमत में करीब 15 प्रतिशत तक की वृद्धि कर सकता है। इसके अलावा, इसमें सोने की चोरी और बैंक लॉकर के किराये की चिंता भी नहीं रहती, क्योंकि इसकी यूनिट डीमैट खाते में रखी जाती हैं। निवेशक बाजार के कारोबारी समय के दौरान एनएसई और बीएसई पर लाइव कीमतों के आधार पर ईटीएफ यूनिट खरीद और बेच सकते हैं।

ईटीएफ में निवेश छोटी रकम से भी

भौतिक सोना बेचते समय लगने वाली कटौती और शुद्धता की जांच के शुल्क से भी बचा जा सकता है। गोल्ड ईटीएफ के जरिये निवेशक छोटी रकम से भी सोने में निवेश कर सकते हैं। इसमें व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) का विकल्प भी उपलब्ध है।

भारतीय बैटरी कलपुर्जो की लागत आयातित उत्पादों से 60 प्रतिशत अधिक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



■ उद्योग संगठन एनईटीआरए ने जारी की रिपोर्ट

■ सरकार कंपनियों को समर्थन देने विशेष योजना पर विचार कर रही

भारत में बैटरी कलपुर्जे बनाने वाली कंपनियों की उत्पादन लागत समान आयातित उत्पादों की तुलना में 60 प्रतिशत तक अधिक है। उद्योग संगठन 'नेट जीरो एनर्जी ट्रांजिशन अलायंस (एनईटीआरए) और अन्य संस्थाओं की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

इस सप्ताह की शुरुआत में जारी रिपोर्ट के अनुसार, भारत में कैथोड और एनोड सामग्री, इलेक्ट्रोलाइट, सेपरेटर तथा तांबे की पन्नी बनाने वाली कंपनियों की लागत आयातित उत्पादों की तुलना में 18 से 61 प्रतिशत तक अधिक है। एनईटीआरए ने एआरसीआई, सी ए स आ ई आ र - ए न सी ए ल, आईआईटी मद्रास और डेलॉयट के सहयोग से यह रिपोर्ट तैयार की है। भारी उद्योग मंत्रालय ने इसे जारी किया है। इसमें 20 से अधिक भारतीय कंपनियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है, जब सरकार देश में बैटरी के कलपुर्जे बनाने वाली कंपनियों को समर्थन देने के लिए एक विशेष योजना लाने पर विचार कर रही है।

'एक्सेलरेटिंग इंडियाज एसीसी कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में वैश्विक बैटरी कलपुर्जों की आपूर्ति में चीन के लगभग पूर्ण वर्चस्व की ओर ध्यान दिलाया गया है।

अलग-अलग कलपुर्जों की लागत अलग

नेट जीरो एनर्जी ट्रांजिशन के सह-संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशक देबी प्रसाद दास ने कहा कि रिपोर्ट में लागत से जुड़े आंकड़े उन भारतीय कंपनियों से लिए गए हैं, जो इन संयंत्रों को स्थापित कर रही हैं या लगाने की योजना बना रही हैं। उन्होंने कहा कि अलग-अलग कलपुर्जों के मामले में लागत का अंतर होने के कारण भी अलग-अलग हैं।

अक्टूबर में भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियों में निवेश 24% घटा

■ निवेश मासिक आधार पर घटकर 59.25 करोड़ डॉलर, पिछले 12 महीने का सबसे निचला स्तर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियों में अक्टूबर के दौरान निवेश मासिक आधार पर 24.3 प्रतिशत घटकर 59.25 करोड़ डॉलर रह गया, जो पिछले 12 महीनों का सबसे निचला स्तर है। बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। 'ट्रैक्सन' की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियों ने 78.28 करोड़ डॉलर जुटाए थे। हालांकि, अक्टूबर में निवेश सौदों की संख्या बढ़कर 104 हो गई, जो सितंबर में 81 थी। लेकिन इस दौरान



बाद के चरण (लेट-स्टेज) में मिलने वाला निवेश 72 प्रतिशत घट गया। सालाना आधार पर भी अक्टूबर में निवेश 56 प्रतिशत कम रहा अक्टूबर, 2025 में प्रौद्योगिकी कंपनियों ने 135 करोड़ डॉलर जुटाए थे और निवेश के 180 सौदे हुए थे।

12 प्रौद्योगिकी कंपनियां हुईं सूचीबद्ध : वाहन कलपुर्जों और सर्विस क्षेत्र के मंच माईटीवीएस ने 4.41 करोड़ डॉलर, खेल एवं फिटनेस ब्रांड बोल्डफिट ने 4.15 करोड़ डॉलर, स्वास्थ्य सेवा कंपनी बाबा ने चार करोड़ डॉलर और इलेक्ट्रिक परिवहन समाधान प्रदाता ग्रीनसेल मोबिलिटी ने 3.45 करोड़ डॉलर जुटाए। अक्टूबर में 12 प्रौद्योगिकी कंपनियां शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुईं।

बीएचईएल को अदाणी पावर से 28,000 करोड़ के ठेके मिले...



नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बीएचईएल को अदाणी पावर से 28,000 करोड़ रुपये तक की चार परियोजनाओं के ठेके मिले हैं। बीएचईएल ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि नए ठेकों में उपकरणों (बॉयलर, टर्बाइन और जनरेटर के साथ सहायक उपकरणों) की आपूर्ति तथा संबंधित परियोजनाओं के लिए समझौते के तहत सहमत सेवाएं शामिल हैं। कंपनी ने कहा, ''उसे अदाणी पावर लिमिटेड से 2x800 मेगावाट की चार परियोजनाओं के ठेके मिले हैं।'' ठेके के आकार के बारे में बीएचईएल ने कहा कि प्रत्येक परियोजना का मूल्य जीएसटी (माल एवं सेवा कर) को छोड़कर 5,000-7,000 करोड़ रुपये है।

देश की सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में तेजी

नई दिल्ली। देश के सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में अक्टूबर में चार महीने की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। मांग में मजबूती से कारोबारी गतिविधियों और नए ऑर्डर में बढ़ोतरी हुई, जबकि लागत का दबाव कम हुआ। बुधवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। कंपनियां भविष्य की संभावनाओं को लेकर सतर्कता के साथ आशावादी रहीं और उन्होंने चार महीने में सबसे कम संख्या में कर्मचारियों की भर्ती की। अंतरराष्ट्रीय बिक्री में ताजा विस्तार लगभग चार साल में सबसे कमजोर रहा एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक सितंबर के 55.2 से बढ़कर अक्टूबर में 55.8 हो गया। यह चार महीने में वृद्धि की सबसे तेज रफ्तार को दर्शाता है।

सेबी ने एनआरआई को दी केवाईसी नियमों में ढ़ील

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



■ डिजिटल माध्यम से पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे

■ भारत में आए बिना यह प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बुधवार को प्रवासी भारतीयों (एनआरआई), भारतीय मूल के विदेशी नागरिक (ओसीआई) और विदेशी नागरिक समेत भारत के बाहर रहने वाले व्यक्तियों के लिए अपने ग्राहक को जानो (केवाईसी) संबंधी नियमों में ढील दी है।

इसके तहत वे डिजिटल माध्यम से पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। अब वे वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) के मानकों का पालन करने वाले देशों में रहते हुए भारत में आए बिना यह प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। सेबी ने अपने परिपत्र में कहा कि संशोधित व्यवस्था तीन दिसंबर से लागू होगी। इस व्यवस्था के तहत सेबी में पंजीकृत मध्यस्थ ऐसे ग्राहकों से केवाईसी संबंधी जानकारी और संबंधित दस्तावेज डिजिटल माध्यम से स्वीकार कर सकेंगे। इसके लिए पंजीकरण की प्रक्रिया के दौरान उनका भारत में शारीरिक रूप से मौजूद रहना जरूरी नहीं होगा। इस कदम का उद्देश्य विदेश में रहने वाले निवेशकों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाना और अनुपालन संबंधी जरूरतों को आसान करना है।

सेबी ने कहा, ''भारत से बाहर रहने वाले किसी व्यक्ति (पीआरओआई) ग्राहक के पंजीकरण की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए मौजूदा केवाईसी प्रावधानों की समीक्षा करने का निर्णय लिया गया है। भारत से बाहर रहने वाले व्यक्तिगत ग्राहकों में प्रवासी भारतीय (एनआरआई), भारतीय मूल के विदेशी नागरिक (ओसीआई) या विदेशी नागरिक शामिल होंगे।''

सेबी ने मध्यस्थ की सुविधा बढ़ाई

सेबी ने केवाईसी रिकॉर्ड के एक मध्यस्थ से दूसरे मध्यस्थ के पास इस्तेमाल की सुविधा भी बढ़ाई है। उसने केवाईसी पंजीकरण एजेंसियों (केआरए) को निर्देश दिया है कि जहां भी किसी ग्राहक की व्यक्तिगत जानकारी का सत्यापन आधिकारिक या मूल आंकड़ा स्रोतों से किया गया है, उसे 'सत्यापित' के रूप में दर्ज किया जाए। केवाईसी रिकॉर्ड का अन्य मध्यस्थों के साथ आदान-प्रदान किया जा सकेगा, भले ही उसमें दर्ज हर जानकारी का सत्यापन नहीं हुआ हो।

सोने में 4,800 रुपए का उछाल और चांदी 9,000 रुपए मजबूत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल आया। त्योहारी मांग बढ़ने और वैश्विक बाजारों में कीमतों में तेज सुधार के बीच सोना 4,800 रुपये बढ़कर 1,46,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत मंगलवार को 1,41,800 रुपये प्रति 10 ग्राम थी, जो बुधवार को बढ़कर (सभी करों सहित) 1,46,600 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।



■ सोना बढ़कर 1.46 लाख रुपए प्रति दस ग्राम

■ चांदी उछलकर 1.93 लाख रुपए प्रति किलो

चांदी की कीमतों में भी तेजी रही। यह 9,000 रुपये उछलकर (सभी करों सहित) 1.93 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में इसका भाव 1.84 लाख रुपये प्रति किलोग्राम था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत सुधार और घरेलू बाजार में त्योहारी मांग बढ़ने से बुधवार को सोने की कीमतों में तेजी आई। ब्रिकवर्क रेटिंग्स के शोध प्रमुख राजीव शरण के अनुसार, कीमतों में यह सुधार त्योहारी खरीदारी की तैयारी कर रहे।

छत्तीसगढ शासन वन विभाग कार्या. - 225059
राजनांदगांव वनमंडल राजनांदगांव

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि, राजनांदगांव वन मण्डल के डिपो में उपलब्ध ईमारती / जलाऊ का ई-ऑक्शन द्वारा निवर्तन निम्नानुसार किया जावेगा । इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि वे ई-ऑक्शन में भाग लेवें। ई-ऑक्शन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय / वन काष्ठागार, अछोली से प्राप्त की जा सकती है ।

अछोली काष्ठागार, नीलाम दिनांक :- 16.11.2026 समय :- दोपहर 2.00 बजे
काष्ठागार का नाम :- अछोली, वनमण्डल :- राजनांदगांव

क्र.	प्रजाति	पुराने वनोपज			योग		
		ईमारती घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	ईमारती घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
1	सागौन	114.436	3580	11798	114.436	3580	11798
2	बीजा	109.053	152	19	109.053	152	19
3	तिन्सा	8.426	19	54	8.426	19	54
4	साजा	8.129	123	34	8.129	123	34
5	ह.मु.ख	0.709	0	0	0.709	0	0
6	धावड़ा	0	0	0	0	0	0
7	कसही	16.362	0	0	16.362	0	0
8	सलिहा मोदे	0	0	0	0	0	0
9	अन्य	12.757	1309	82	12.757	1309	82
	योग	269.872	5183	12087	269.872	5183	12087
	(1) अछोली डिपो के अविक्रित जलाऊ चट्ठा 151 (2) घुमका डिपो के अविक्रित मिश्रित प्रजाति लाट 10.957 घ.मी.						

1. क्रेताओं को ई-ऑक्शन से पूर्व एम. एस. टी. सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। 2. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है । सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है । 3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम. एस. टी. सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉग इन करके देख सकते है । 4. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा ।

G-262704389/2

वनमण्डलाधिकारी
राजनांदगांव वन मण्डल राजनांदगांव

JABALPUR SMART CITY LIMITED(JSCL)
Manas Bhavan Wright Town, Jabalpur, M.P-482001,www.jscljabalpur.org,
Contact: admin@jscljabalpur.org, ceojscl@mpurban.gov.in Mob .7611136800

Ref. JSCL/2026/659/ADM/07 Date 04/11/2026

Notice Inviting Tender

Jabalpur Smart City Limited invites proposal for "Selection of Concessionaiare for Operation and Maintenance of Mini Sports Centre at LNY Municipal School Campus, Ranjhi on Rental Model, Jabalpur" from eligible firms having experience of similar type of work. Interested bidder may obtain the detail RFP documents from www.mptenders.gov.in (Jabalpur Smart City Ltd.) and www.jscljabalpur.org.

Chief Executive Officer
Jabalpur Smart City Limited

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
भिलाई इस्पात संयंत्र
भिलाई, जिला- दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत-490001

रुचि की अभिव्यक्ति (EOI) हेतु आमंत्रण

EOI सूचना सं.: 5004172500/GM(SLLH&R)/2026/43

भिलाई इस्पात संयंत्र (सेल-बीएसपी) प्रतिष्ठित, स्थापित एवं अनुभवी एजेंसियों/फर्मों/संस्थानों/संगठनों से निम्नलिखित कार्य हेतु रुचि की अभिव्यक्ति (EOI) आमंत्रित करता है:

भिलाई टाउनशिप क्षेत्र में आवासीय क्वार्टरों एवं भवनों का व्यापक भौतिक एवं लॉजिस्टिक सर्वेक्षण तथा एकीकृत परिसंपत्ति एवं सतत अधिभोग डेटाबेस का विकास

कार्य का क्षेत्र (संक्षेप में)
- भिलाई टाउनशिप क्षेत्र के लगभग 33,000 आवासीय क्वार्टरों एवं भवनों का भौतिक सर्वेक्षण
- अधिभोग स्थिति का सत्यापन
- क्वार्टरों की जियो-टैगिंग एवं जीआईएस मैपिंग, जियो-टैग फोटोग्राफ सहित (जहाँ लागू हो, ड्रोन इमेजिंग)
- क्वार्टरों की संरचनात्मक स्थिति, खुले स्थानों एवं सामान्य सुविधाओं का आकलन
- एकीकृत डिजिटल परिसंपत्ति एवं अधिभोग डेटाबेस
- ओपन-सोर्स/ओपन प्लेटफॉर्म पर विकसित विश्लेषणात्मक रिपोर्ट एवं जीआईएस-सक्षम डैशबोर्ड, कठोर डेटा सुरक्षा, गोपनीयता एवं सेल-बीएसपी के पूर्ण डेटा स्वामित्व सहित

पात्रता (मुख्य मानदंड)
- टाउनशिप/एस्टेट संपत्ति के भौतिक सर्वेक्षण, जीआईएस मैपिंग, परिसंपत्ति प्रबंधन अथवा डेटा एकीकरण में अनुभव, तथा पिछले 7 वर्षों में पूर्ण किए गए समान कार्य
- पिछले 3 वित्तीय वर्षों में औसत वार्षिक टर्नओवर रु. 2.00 करोड़ से कम न हो, तथा सकारात्मक निवल मूल्य
- जीएनएसएस/जीआईएस सर्वेक्षण, मोबाइल सर्वेक्षण एप्लिकेशन एवं सुरक्षित डेटा प्रबंधन में सिद्ध क्षमता

महत्वपूर्ण तिथियाँ
- स्थल निरीक्षण: 05/11/2026 को प्रातः 10:00 बजे से, नगर सेवाएँ विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र
- EOI जमा करने की अंतिम तिथि: 14/11/2026 को अपराह्न 13:00 बजे (भा.मा.स.) तक

विस्तृत EOI दस्तावेज़, जिसमें पात्रता मानदंड, कार्य का क्षेत्र, मूल्यांकन पद्धति एवं नियम व शर्तें सम्मिलित हैं, अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है अथवा सेल की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है: www.sailtenders.co.in

सेल-बीएसपी बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी EOI को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

महाप्रबंधक प्रभारी (नगर सेवाएँ विभाग)
भिलाई इस्पात संयंत्र, सेल, भिलाई - 490001, छत्तीसगढ़
फोन: 07882857139 | ई-मेल: absrinivas@sail.in

विज्ञापन क्र.-बीएसपी-14/26-27/दिनांक : 04/11/2026

पंजीकृत कार्यालय : इस्पात भवन, लोधी रोड, नई दिल्ली, 110003
Corporate Identity Number : L27109DL1973GOI006454.Website: www.sail.co.in

हर किसी की ज़िन्दगी से जुड़ा हुआ है सेल

चिंतन

ट्रंप को दुनिया में उथल पुथल मचाने की सजा

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे ताकतवर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में अमेरिका की ताकत का जिस तरह इस्तेमाल किया, उससे वैश्विक व्यवस्था में स्थिरता के बजाय अनिश्चितता और टकराव बढ़ा है। कभी युद्ध की धमकी, कभी सैन्य कार्रवाई, कभी व्यापारिक प्रतिबंध तो कभी सहयोगी देशों को टैरिफ लगाने की चेतावनी। ट्रंप की विदेश नीति में कूटनीति और सहमति के मुकाबले दबाव और एकतरफा फैसलों को अधिक महत्व मिला। अब अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में उनकी रिपब्लिकन पार्टी का सीनेट और प्रतिनिधि सभा दोनों में बहुमत गंवाना उनकी नीतियों और कार्यशैली पर जनता की नाराजगी का बड़ा संकेत है। ईरान के साथ अमेरिका और इजराइल का युद्ध इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। परमाणु कार्यक्रम और सुरक्षा चिंताओं के नाम पर शुरू हुआ सैन्य टकराव लंबा खिंच गया। इसके परिणाम केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहे। खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई, कच्चे तेल की कीमतों और परिवहन लागत पर दबाव बढ़ा तथा दुनिया के अनेक देशों में महंगाई की चिंता गहराई। अमेरिका में भी पेट्रोल और रोजमर्रा की वस्तुओं की बढ़ती कीमतें मतदाताओं के असंतोष का कारण बनीं। वेनेजुएला के मामले में भी ट्रंप प्रशासन की कार्यशैली सवालों के घेरे में रही। किसी संप्रभु देश के राष्ट्रपति को सैन्य अभियान के जरिए हटाना और उसके संसाधनों में अमेरिकी हितों की खुली बात करना अंतरराष्ट्रीय कानून, संप्रभुता और दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की सीमाओं पर गंभीर बहस पैदा करता है। इजराइल और गाजा के मामले में भी ट्रंप की नीति विरोधाभासों से घिरी रही। उन्होंने युद्धविराम और शांति योजना के प्रयास किए, लेकिन गाजा में हिंसा पूरी तरह नहीं रुकी। दूसरी ओर, इजराइल को अमेरिकी सैन्य सहायता और हथियारों की आपूर्ति जारी रखने की नीति ने वाशिंगटन में भी सवाल खड़े किए। रूस-यूक्रेन युद्ध के मामले में भी ट्रंप की नीति में निरंतरता का अभाव दिखाई दिया। कभी 24 घंटे में युद्ध समाप्त कराने का दावा, कभी यूक्रेन पर समझौते के लिए दबाव और कभी रूस के प्रति नरम रुख के संकेत। इससे यूरोपीय सहयोगियों के बीच अमेरिकी प्रतिबद्धता को लेकर चिंता बढ़ी। नाटो और पारंपरिक मित्र देशों के साथ भी ट्रंप का टकरावपूर्ण रवैया भरोसे को प्रभावित करता रहा। भारत समेत कई व्यापारिक साझेदारों को अमेरिकी शुल्क और आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ा। ट्रंप का तर्क रहा कि इससे अमेरिकी उद्योग और रोजगार को संरक्षण मिलेगा, लेकिन आयात महंगा होने का बोझ अंततः अमेरिकी उपभोक्ताओं और कारोबारियों पर भी पड़ता है। व्यापारिक रिश्तों को सहयोग के बजाय दबाव का माध्यम बनाने से वैश्विक निवेश और आपूर्ति श्रृंखलाओं में अनिश्चितता बढ़ी। मिडटर्म चुनाव में डेमोक्रेट्स को दोनों सदनों में बहुमत मिलना इसी व्यापक असंतोष की राजनीतिक अभिव्यक्ति है। अब विपक्ष को ट्रंप प्रशासन की नीतियों की जांच, सैन्य कार्रवाई पर सवाल और आर्थिक फैसलों की समीक्षा करने का अधिक अवसर मिलेगा। लोकतंत्र में राष्ट्रपति की शक्ति जनता की सहमति और संवैधानिक संस्थाओं की निगरानी से संचालित होती है। ट्रंप को समझना होगा कि अमेरिका की ताकत का अर्थ दुनिया को अपनी शर्तों पर चलाना नहीं है। युद्ध, व्यापार और कूटनीति में दबाव के बजाय संवाद, भरोसे और साझेदारी को प्राथमिकता देनी होगी। दुनिया को महाशक्ति की मनमानी नहीं, जिम्मेदार नेतृत्व की जरूरत है।



विश्लेषण

राज कुमार सिन्हा

विपक्षी एकता के केंद्र में राहुल गांधी

इंडिया गठबंधन की रैली भारतीय राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। यह रैली केवल चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उठाए गए सवालों तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसने विपक्षी राजनीति में नेतृत्व, एकजुटता और भविष्य की रणनीति से जुड़े कई सवालों को भी सामने रखा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने इसे केवल राजनीतिक लड़ाई नहीं, बल्कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने की सीधी जंग बताया है। रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, तेजस्वी यादव, फारूक अब्दुल्ला और वामपंथी दलों के नेताओं की मौजूदगी ने विपक्षी एकजुटता का संदेश दिया है।

दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को आयोजित विपक्षी इंडिया गठबंधन की रैली भारतीय राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। यह रैली केवल चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उठाए गए सवालों तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसने विपक्षी राजनीति में नेतृत्व, एकजुटता और भविष्य की रणनीति से जुड़े कई सवालों को भी सामने रखा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने इसे केवल राजनीतिक लड़ाई नहीं, बल्कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने की सीधी जंग बताया है। कांग्रेस का मानना है कि इस मुद्दे का जुड़ाव सीधे आम जनता के भविष्य और अधिकारों से है। रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, तेजस्वी यादव, फारूक अब्दुल्ला और वामपंथी दलों के नेताओं की मौजूदगी ने विपक्षी एकजुटता का संदेश दिया है।

इस आयोजन का एक महत्वपूर्ण राजनीतिक पहलू यह रहा कि विभिन्न विचारधाराओं, क्षेत्रीय हितों और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं वाले दल एक साझा मंच पर दिखाई दिए। राहुल गांधी इस आयोजन के प्रमुख चेहरों में शामिल रहे। इससे यह बहस तेज हुई है कि क्या राहुल गांधी अब विपक्ष के सर्वमान्य नेता के रूप में उभर रहे हैं? राहुल गांधी की राजनीतिक भूमिका को समझने के लिए पिछले कुछ वर्षों के घटनाक्रम पर नजर डालना जरूरी है। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की पराजय के बाद उनके नेतृत्व को लेकर पार्टी के भीतर और बाहर सवाल उठे थे। भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में जनता के बीच पहुंचने की कोशिश की थी। इन यात्राओं ने उन्हें केवल कांग्रेस के नेता के बजाय राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श में एक सक्रिय विपक्षी चेहरे के रूप में स्थापित करने में भूमिका निभाई। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद उनकी राजनीतिक स्थिति में एक और महत्वपूर्ण बदलाव आया, जब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद मिलने से उन्हें संवैधानिक और संसदीय स्तर पर विपक्ष की आवाज उठाने की औपचारिक जिम्मेदारी मिली। संसद में उन्होंने बेरोजगारी, महंगाई, किसानों, सामाजिक न्याय, जातिगत जनगणना और संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता जैसे मुद्दों को लगातार उठाया है। दिल्ली की रैली में उनकी भूमिका इसी राजनीतिक यात्रा की अगली कड़ी के रूप में देखी जा सकती है। रैली में विपक्ष के कई बड़े नेताओं की उपस्थिति के बावजूद राहुल गांधी प्रमुख वक्ता और आंदोलन के केंद्रीय चेहरों में शामिल रहे। भारतीय राजनीति में विपक्षी एकता की सबसे बड़ी चुनौती हमेशा नेतृत्व और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का टकराव रही है। कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है, लेकिन कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों का अपना मजबूत जनाधार और राजनीतिक प्रभाव है। ममता बनर्जी और अखिलेश यादव जैसे नेताओं की अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान और संगठनात्मक ताकत है। इसलिए विपक्षी नेतृत्व का सवाल अभी भी गठबंधन के भीतर राजनीतिक सहमति और व्यवहारिक तालमेल से जुड़ा हुआ है। यहां एक महत्वपूर्ण बात समझना जरूरी है कि मतदाता सूची में इतनी बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने की प्रक्रिया में



पारदर्शिता, प्रभावित मतदाताओं को सुनवाई का अवसर और शिकायतों के त्वरित समाधान की व्यवस्था होना लोकतंत्र के लिए अनिवार्य है। राहुल गांधी ने इस मुद्दे को विपक्षी राजनीति के केंद्र में लाकर चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता और नागरिकों के मताधिकार को एक बड़े राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाया है। विपक्ष के लिए यह केवल सत्ता पक्ष का विरोध करने का मुद्दा नहीं, बल्कि संवैधानिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग भी है। कांग्रेस में राहुल गांधी की केंद्रीय राजनीतिक भूमिका स्पष्ट है। इंडिया गठबंधन के कई बड़े नेता उनके साथ साझा मंचों पर दिखाई दे रहे हैं। वहीं, देशभर में यात्राओं, संसदीय बहसों और सार्वजनिक अभियानों के माध्यम से उन्होंने अपनी राजनीतिक उपस्थिति बढ़ाई है। लेकिन विपक्ष का सर्वमान्य नेता बनने के रास्ते में कुछ चुनौतियां भी हैं। कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के बीच सीटों के बंटवारे, राज्यों में आपसी प्रतिस्पर्धा, नेतृत्व की भूमिका और चुनावी रणनीति को लेकर मतभेद सामने आते रहे हैं। इसके अलावा गठबंधन के भीतर ममता बनर्जी और अन्य क्षेत्रीय नेताओं की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। इसलिए राहुल गांधी की बढ़ती केंद्रीय भूमिका को विपक्षी नेतृत्व के प्रश्न का महत्वपूर्ण घटनाक्रम तो माना जा सकता है, लेकिन भविष्य में सभी दलों को लेकर चलना महत्वपूर्ण कसौटी होगा। भारतीय लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष की भूमिका केवल सरकार की आलोचना करना नहीं है। विपक्ष को जनता के सामने वैकल्पिक नीतियां, कार्यक्रम और शासन का स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत करना भी जरूरी है।

आज देश के सामने बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की आर्थिक स्थिति, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, बढ़ती आर्थिक असमानता, पर्यावरण संकट और सामाजिक तनाव जैसी अनेक चुनौतियां हैं। विपक्ष यदि इन मुद्दों पर साझा कार्यक्रम तैयार करता है, तो उसकी राजनीतिक प्रासंगिकता केवल चुनावी विरोध तक सीमित नहीं रहेगी। राहुल गांधी के सामने भी यही सबसे बड़ी चुनौती है। उन्हें यह स्पष्ट करना होगा कि विपक्ष सत्ता में आने की स्थिति में रोजगार, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, संघीय ढांचे और सामाजिक न्याय के सवालों पर क्या वैकल्पिक नीतियां अपनाएगा। इसके साथ ही कांग्रेस को भी अपने संगठन को मजबूत करना होगा। विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों के साथ सम्मानजनक संबंध, सीटों के बंटवारे में व्यावहारिक समझौते और साझा कार्यक्रम की प्रतिबद्धता जरूरी होगी।

दिल्ली के रामलीला मैदान की रैली ने विपक्षी राजनीति में राहुल गांधी की केंद्रीय भूमिका को एक बार फिर रेखांकित किया है। यह आयोजन इस बात का संकेत है कि विपक्ष के कई प्रमुख दल लोकतांत्रिक संस्थाओं और मताधिकार से जुड़े मुद्दों पर राहुल गांधी के साथ खड़े होने को तैयार हैं। राहुल गांधी के लिए यह अवसर भी है और चुनौती भी। यदि वे विपक्षी दलों के बीच भरोसा कायम करने, क्षेत्रीय नेतृत्व को साथ लेकर चलने और जनता के सामने एक विश्वसनीय वैकल्पिक राजनीतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने में सफल होते हैं, तो उनकी नेतृत्वकारी भूमिका और मजबूत हो सकती है। लोकतंत्र में विपक्ष का मजबूत होना उतना ही जरूरी है, जितना सत्ता पक्ष का जवाबदेह होना। इसलिए दिल्ली की रैली का वास्तविक महत्व किसी एक नेता की राजनीतिक प्रतिष्ठा से आगे बढ़कर इस सवाल में निहित है कि क्या भारत का विपक्ष अपनी विविधताओं के बावजूद एक साझा लोकतांत्रिक और राजनीतिक विकल्प तैयार कर पाएगा?

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

मंथन

पंकज चतुर्वेदी



ग्रीन पटाखे : पर्यावरण का सच या नया छलावा

बीते एक दशक से दिल्ली एनसीआर में दीपावली और खुशियों के बीच अदालत के बारास्त आतिशबाजी खड़ी हो जाती है। इसमें कोई शक नहीं कि दिवाली नजदीक आते ही सांसों पर संकट छा जाता हैं, लेकिन यह भी कड़वा सच है कि दिल्ली और उसके आसपास वायु प्रदूषण तो पूरे साल रहता है और शहर के लोग अपनी आदतें बदलने की जगह कभी आतिशबाजी तो कभी पराली के सर दोष मढ़ते रहते हैं। उच्चतम न्यायालय ने इस साल भी कड़ा संदेश दे दिया कि दूसरों के जीवन की कीमत पर आतिशबाजी दागने की छूट नहीं दी जा सकती है। कोर्ट ने केवल दो दिन के लिए कुछ घंटों के लिए ग्रीन- क्रेकर या पर्यावरण- मित्र आतिशबाजी की अनुमति दी हैं। वैसे पिछले कई सालों से दीपावली पर अदालत के आदेश धुएं में उड़ते दिखते हैं, वहीं ग्रीट-पटाखे "गुड़ खाकर गुलगुले से परहेज करने" जैसे हैं। जिन कारणों से आतिशबाजी पर पूरी पाबंदी की बात होती हैं, ये ग्रीन पटाखे उन मानदंडों पर बस उन्नीस ही रहते हैं। एक बात समझ लें कि भले ही उनका नाम "ग्रीन पटाखा " है लेकिन सच यह है कि ग्रीन पटाखे भी उतने "ग्रीन" नहीं जितना नाम से लगता है। सामान्य पटाखों में बैरियम नाइट्रेट, सल्फर, एल्युमिनियम और पोटैशियम नाइट्रेट जैसे रसायन होते हैं जो जलने पर ज़हरीली गैसें छोड़ते हैं। ग्रीन पटाखों में इन्हीं रसायनों की मात्रा कम रखी जाती है या कुछ जगह उनके स्थान पर कम हानिकारक यौगिकों का इस्तेमाल किया जाता है। इन्हें भारत सरकार की वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान सीएसआईआर और नीरी अर्थात 'वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद - राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान' ने विकसित किया था, ताकि पारंपरिक पटाखों से 30 प्रतिशत तक कम प्रदूषण हो। ग्रीन पटाखे तीन किस्म के विकसित किए गए थे। पहली श्रेणी है 'स्वास' या 'सेफ वाटर रिलीजर'। ये जलने पर जल वाष्प छोड़ते हैं, जो धूल के कणों को दबाने में मदद करता है। इसमें सल्फर और पोटेशियम नाइट्रेट का उपयोग नहीं होता। 'स्टार' को ' सेफ थरमाईट क्रेकर' कहा जाता है।

इनमें पोटेशियम नाइट्रेट और सल्फर नहीं होता। ये कम शोर के साथ पीएम कणों को कम उत्सर्जित करते हैं। तीसरे तरह की 'सफल' आतिशबाजी यानि 'सेफ मिनिमम एल्युमियम' में पारंपरिक पटाखों में इस्तेमाल एल्युमीनियम की मात्रा को काफी कम रखा जाता है, या मैग्नीशियम जैसे विकल्प का उपयोग होता है। चूंकि इस तरह की आतिशबाजी को बनाना थोड़ा महंगा होता है सो अधिकांश बाजार महज लेबल लगाकर पारंपरिक आतिशबाजी बेचता है। विदित हो कि साल 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने पारंपरिक पटाखों पर रोक लगाकर केवल "ग्रीन पटाखों" को अनुमति दी थी। तभी से असल बाजार में जो पटाखे बिक रहे हैं, उनमें से ज़्यादातर नकली या बिना प्रमाणित हैं। यानी नीति बनी, पर निगरानी नहीं हुई। यदि रासायनिक सम्मिश्रण की बात की जाए तो ग्रीन पटाखों में भले बैरियम न हो, लेकिन अमोनियम और एल्युमिनियम यौगिकों के जलने से निकलने वाले सूक्ष्म धात्विक कण यथावत हैं। ये कण शरीर के भीतर जाकर फेफड़ों में सूजन, सिरदर्द और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं बढ़ाते हैं। कथित ग्रीन पटाखे में पोटैशियम नाइट्रेट, अमोनियम नाइट्रेट और एल्युमिनियम पाउडर का इस्तेमाल होता है और इनके जलने से भी नाइट्रोजन ऑक्साइड और एल्युमिनियम ऑक्साइड उत्सर्जित होते हैं जो फेफड़ों, आंखों और त्वचा के लिए हानिकारक हैं। विदित हो अमोनियम नाइट्रेट कई देशों में विस्फोटक पदार्थ के रूप में प्रतिबंधित है; इससे अमोनिया और नाइट्रस ऑक्साइड हैं। कोई भी दहन-आधारित प्रक्रिया, जिसमें पटाखों का जलना शामिल है, कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य गैसों का उत्सर्जन करती है। ग्रीन पटाखों में भी दहन के लिए जिस सामग्री का इस्तेमाल होता है, उससे कार्बन डाइऑक्साइड और नाइट्रस ऑक्साइड जैसी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जित होती ही हैं, हां कहा जा सकता हैं कि पारम्परिक आतिशबाजी से कोई 30 फीसदी कम। यही नहीं पिछले कुछ वर्षों में हुए परीक्षणों में पाया गया कि ग्रीन पटाखे भी पीएम -2.5 और पीएम -10 कणों का स्तर 20 से 25 प्रतिशत बढ़ा देते हैं। ग्रीन पटाखे पारंपरिक पटाखों से कुछ कम हानिकारक जरूर हैं, लेकिन पर्यावरण के लिए सुरक्षित नहीं। यह एक दिखावटी सुधार है, असली समाधान नहीं। जब तक हमारी सोच "कम प्रदूषण" से आगे बढ़कर "बिना प्रदूषण" की दिशा में नहीं जाएगी, तब तक हर दीवाली हमारी हवा में और ज़हर घोलेगी। सरकार और समाज दोनों को इस दिशा में जागरूक होना होगा, तभी "ग्रीन दीवाली" वास्तव में हरी-भरी और स्वस्थ होगी।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अनासक्त हुए बिना करें दूसरों की भलाई



संकलित

दर्शन

यह सोचना भूल है कि हमने संसार का भला किया। इस विचार से दुख उत्पन्न होता है। हम किसी की सहायता करने के बाद सोचते हैं कि वह हमें इसके बदले में धन्यवाद दे, पर वह धन्यवाद नहीं देता, तो हमें दुख होता है। हम जो कुछ भी करें, उसके बदले में किसी चीज की आशा क्यों रखें? बल्कि उल्टे हमें उसी के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए, जिसकी हम सहायता करते हैं, उसे साक्षात नारायण मानना चाहिए। मनुष्य की सहायता द्वारा ईश्वर की उपासना करना क्या हमारा परम सौभाग्य नहीं है? यदि हम वास्तव में अनासक्त हैं, तो हमें यह प्रत्याशा जनक कष्ट क्यों होना चाहिए? अनासक्त होने पर तो हम प्रसन्नतापूर्वक संसार में भलाई कर सकते हैं। अनासक्त किए हुए कार्य से कभी भी दुख अथवा अशांति नहीं आएगी। यदि हम यह जान लें कि आसक्ति रहित होकर किस तरह कर्म करना चाहिए, तभी हम दुराग्रह और मतांधता से परे हो सकते हैं। जब तुम दुराग्रह और मतांधता से परे हो जाओगे, तभी अच्छी तरह कार्य कर सकोगे। जो ठंडे मस्तिष्क वाला और शांत है, जो उत्तम ढंग से विचार करके कार्य करता है, जिसके स्नायु सहज ही उत्तेजित नहीं होते तथा जो अत्यंत प्रेम और सहानुभूति संपन्न है, केवल वही व्यक्ति संसार में परोपकार कर सकता है और इस तरह वह अपना भी कल्याण कर सकता है।

गुरु नानक के आशीर्वाद का रहस्य



संकलित

प्रेरणा

एक बार गुरु नानक देव अपने शिष्यों के साथ एक ऐसे गांव में पहुंचे जहां के लोग साधु-संन्यासी लोगों को बिल्कुल भी पसंद नहीं करते थे। गुरु नानक जी वहां गए तो उनसे भी वहां के लोगों ने ऐसा ही व्यवहार किया। जब वो परेशान होकर उस गांव से जाने लगे तो गांव के लोगों ने कहा कि, महात्माजी कुछ आशीर्वाद तो देते जाइए। गुरु नानक थोड़ी देर तक हंसते रहे फिर बोले, खूब आबाद रहो। इसके बाद वो आगे बढ़ गए। इस बीच कुछ गांव के लोग भागते हुए वहां पहुंचे। सभी उनकी सेवा करने लगे। उन्होंने फिर से गुरुनानक जी से आशीर्वाद मांगा। तब उन्होंने कहाः सभी उजड़ जाओ। गुरु नानक के ऐसे अटपटे आशीर्वाद से परेशान होकर एक व्यक्ति ने उनसे पूछाः महात्मा जी! जिन लोगों ने अतिथि धर्म का तिरस्कार किया उन्हें आपने आबाद रहने का और जो लोग आपकी सेवा में आए उन्हें उजड़ने का आशीर्वाद क्यों दिया। गुरु नानक जी ने उस व्यक्ति से कहा किः सज्जन व्यक्ति जहां जाता है वो वहां अपनी अच्छाइयों को ले जाता है। यह दुर्जन से बेहतर होता है। इसलिए मैंने पहले जब वो दुर्जन थे तो उन्हें एक जगह आबाद रहने का आशीर्वाद दिया और जब वो सज्जन बन गए और मेरे पास आशीर्वाद लेने आए तो मैनें उन्हें उजड़ने यानी समाज में अच्छाई फैलाने का आशीर्वाद दिया।

अंतर्मन



आज की पाती

देश-दुनिया में बढ़ रही बेरोजगारी की समस्या

बेरोजगारी की समस्या हमारे देश के लिए ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के लिए चुनौती बन रही है, क्योंकि इसका एक तो मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या और दूसरा मशीनीकरण है। जनसंख्या जिस हिसाब से बढ़ रही है, उस हिसाब से रोजगार अवसर नहीं बढ़ रहे हैं। दूसरा फैक्टरी, कंपनी, खेत या अन्य किसी भी जगह पर जिस काम को दस लोग करते थे, अब उसी काम को मशीन द्वारा एक ही व्यक्ति द्वारा किया जा रहा है। ऐसे में लाजिमी है कि देश-दुनिया में बेरोजगारी की लाइन बढ़ती जाए।

-मनिता शर्मा, अंबाला

ट्रेंड

छत्तीसगढ़ नक्सल-मुक्त



दशकों तक माओवादियों ने छत्तीसगढ़ को हिंसा के अंधेरे में धकेले रखा, जबकि कांग्रेस सरकारों ने उन्हें राजनीतिक संरक्षण दिया। आज नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, यही छत्तीसगढ़ नक्सल-मुक्त होकर विकास, सुशासन और जनसेवा का पर्याय बन रहा है। -अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

पंजाब में नशा



पंजाब ने 'आप' पर भरोसा किया, मान पर भरोसा किया। वादा यह था- हम नशों को जड़ से खत्म कर देंगे। पंजाब के किस कोने से आपने नशों को खत्म किया है? पंजाब को एक ऐसा सीएम चाहिए जो यहां के दर्द को समझे, पूरी ताकत से नशों के खिलाफ लड़े। - राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

बीजेपी की बी-टीम



आम आदमी पार्टी, 'बीजेपी की बी-टीम' है। कांग्रेस जहां भी चुनाव लड़ने जाती है, 'आप' वहां पहुंचकर पूरा समीकरण बिगाड़ देती है। हम गुजरात में जीत रहे थे, लेकिन 'आप' ने वहां खेल बिगाड़ दिया। हम गोवा में भी जीत रहे थे, वहां भी सब गड़बड़ कर दिया। - मल्लिकार्जुन खड़गे, अध्यक्ष, कांग्रेस

सेकंड टूर ऑफ ड्यूटी



अग्निवीरों के लिए 'सेकंड टूर ऑफ ड्यूटी' को मंजूरी मिलने से युवाओं को राष्ट्र सेवा से जुड़े रहने का एक नया अवसर मिलेगा। जो अग्निवीर अपना शुरुआती चार साल का कार्यकाल पूरा कर लेंगे, वे अब सेना में दो और साल तक सेवा दे सकेंगे।

-परवेश साहिब सिंह, कैबिनेट मंत्री, दिल्ली

करंट अफेयर

ब्रिटेन में भारतीय छात्रों को बढ़ावा देने के लिए समझौता



ब्रिटेन में भारतीय छात्रों के एक प्रमुख संगठन और लंदन मेट्रोपॉलिटन विश्वविद्यालय ने छात्रों के शैक्षणिक सफर, रोजगार के अवसरों, अंतरराष्ट्रीय शिक्षा और नीतिगत सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता किया है। नेशनल इंडियन स्टूडेंट्स एंड एलुमनी यूनियन (एनआईएसएयू) यूके ने बताया कि आमतौर पर लंदन मेट के नाम से लोकप्रिय इस विश्वविद्यालय के साथ पिछले सप्ताह हाउस ऑफ लॉर्ड्स परिसर में आयोजित एक समारोह में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

संगठन के अनुसार, इस साझेदारी के तहत दोनों देशों के शैक्षणिक संस्थानों, नियोक्ताओं और नीति निर्माताओं को एक साथ लाने वाले 'ट्रिपल हेलिक्स मॉडल' पर काम किया जाएगा। लंदन मेट्रोपॉलिटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर जूली हॉल ने कहा, लंदन मेट में हमारा उद्देश्य हमेशा स्पष्ट रहा है। हम शिक्षा के माध्यम से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''हमारी कोशिश है कि हमारे समुदाय, दृष्टिकोण और साझेदारियों में भी यह विविधता प्रतिबिंबित हो।

ऑफ बीट

उपग्रहों का शोर दूरबीनों और जीपीएस को कर रहा बाधित



एक दशक से भी कम समय पहले पृथ्वी की कक्षा में करीब 2,000 सक्रिय उपग्रह थे। आज इनकी संख्या बढ़कर 15,000 से अधिक हो गई है। आने वाले समय में लाखों और उपग्रह भेजने की योजना है। इन उपग्रहों से पैदा होने वाली 'अंतरिक्ष अपशिष्ट' की समस्या पर काफी चर्चा हुई है। लेकिन एक दूसरी समस्या पर बहुत कम ध्यान दिया गया है। इन उपग्रहों से निकलने वाला रेडियो शोर उन दूरबीनों को प्रभावित कर रहा है, जो ब्रह्मांड को समझने में हमारी मदद करती हैं। इससे जीपीएस को सही ढंग से काम करने में मदद देने वाले माप भी गलत हो रहे हैं। राहत की बात यह है कि इस समस्या को ठीक करने का एक तरीका है, बशर्ते हम अभी कदम उठाएं। रेडियो दूरबीनें उन संकेतों को पकड़ सकती हैं, जो बिग बैंग के कुछ समय बाद पैदा हुए थे। इनकी मदद से खगोलविद प्रारंभिक ब्रह्मांड और पिछले 13.8 अरब वर्ष में इसके विकास को समझ पाते हैं। रेडियो दूरबीनें बहुत दूर स्थित आकाशगंगाओं की सटीक स्थिति का पता लगाने में भी मदद करती हैं। इन आकाशगंगाओं को आधार बनाकर पृथ्वी पर जीपीएस जैसी तकनीकों को अधिक सटीक बनाया जाता है।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

जबलपुर में दो महीने तक सख्त प्रतिबंधात्मक आदेश लागू

बिना अनुमति नहीं होंगे आयोजन; डीजे और बाइक रैलियों पर पूर्ण प्रतिबंध

जबलपुर। दीपावली एवं आगामी त्योहारों के मद्देनजर जिले में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत जिले में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिए गए हैं। अपर जिला दंडाधिकारी द्वारा जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार जारी यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और आगामी दो माह तक प्रभावी रहेगा।प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि बिना सक्षम अधिकारियों की अनुमति के जिले में किसी भी प्रकार का सार्वजनिक आयोजन नहीं किया जा सकेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 सहित अन्य वैधानिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

बाइक रैलियों पर रोक, डीजे बजाने की भी अनुमति नहीं

जारी आदेश के तहत जिले में दोपहिया वाहन रैलियों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके साथ ही डीजे के इस्तेमाल पर भी पूर्ण रोक रहेगी। ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग में मध्यप्रदेश कोलाहल अधिनियम और ध्वनि प्रदूषण नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा। किसी भी धर्म या समुदाय की भावनाओं को आहत करने वाले नारे, गाने अथवा आपत्तिजनक संदेश प्रसारित करने की अनुमति नहीं होगी। नियमों का उल्लंघन होने पर आयोजकों के साथ डीजे और टेंट हाउस संचालकों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी।

धार्मिक भावनाएं आहत करने वाले नारों पर सख्ती

प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि अनुमति लेकर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में भी ऐसे शब्दों, नारों या संदेशों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा, जिनसे किसी धर्म अथवा वर्ग की धार्मिक भावनाएं आहत हों। ऐसी स्थिति में संबंधित व्यक्ति के साथ कार्यक्रम आयोजकों की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी।किरायेदार, घरेलू सहायकों और पेइंग गेस्ट की देनी होगी जानकारी

कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए मकान मालिकों, होटल और धर्मशाला संचालकों के लिए भी विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। घरेलू एवं व्यावसायिक सहायकों को रखने से पहले संबंधित थाने में निर्धारित प्रारूप में सूचना देना अनिवार्य होगा। मकान में किरायेदार रखने पर मकान मालिक को थाने में लिखित सूचना देनी होगी। पेइंग गेस्ट रखने से पहले संबंधित थाने को निर्धारित प्रारूप में जानकारी देना आवश्यक होगा। होटल, लॉज और धर्मशाला संचालकों को प्रत्येक ठहरने वाले व्यक्ति का पहचान पत्र लेना होगा। ठहरने वाले व्यक्तियों की सूची प्रतिदिन संबंधित थाने में उपलब्ध करानी होगी।

पेट्रोल पंपों पर खुले में पेट्रोल-डीजल की बिक्री प्रतिबंधित

आदेश के तहत पेट्रोल पंपों से डिब्बे, बोतल या अन्य खुले पात्रों में पेट्रोल एवं दूसरे ज्वलनशील पदार्थों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अलावा प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों, ई-सिगरेट और अवैध सिगरेट के क्रय-विक्रय एवं उपयोग पर भी रोक लगाई गई है।

आयुध निर्माणी और गैस भंडारण केंद्रों के आसपास आतिशबाजी पर रोक

सुरक्षा की दृष्टि से जिले के आयुध निर्माणी क्षेत्र एवं डिपो की 100 मीटर की परिधि में पटाखे और आतिशबाजी करने पर प्रतिबंध रहेगा। वहीं शहपुरा-भिटौनी स्थित प्राकृतिक तेल एवं एलपीजी गैस भंडारण क्षेत्र के चारों ओर 500 मीटर की परिधि में भी किसी प्रकार की आतिशबाजी नहीं की जा सकेगी।

सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट और मैसेज करने पर कार्रवाई

प्रशासन ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग को रोकने के लिए भी सख्त निर्देश जारी किए हैं। जिले की संपूर्ण राजस्व सीमा में व्हाट्सऐप, फेसबुक, एक्स और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपत्तिजनक, फॉरवर्ड करने, लाइक करने अथवा उन पर कमेंट करने जैसी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया गया है।

पढ़ाई छोड़ छात्राओं से कराई सफाई वीडियो वायरल होने के बाद प्रभारी प्राचार्या को नोटिस

जबलपुर। ब्यौहारबाग स्थित शासकीय कन्या शाला में दीपावली की सफाई के नाम पर छात्राओं से कचरा उठवाने का मामला सामने आया है। स्कूल पहुंचने पर अभिभावकों ने जब बच्चियों को पढ़ाई के बजाय सफाई करते देखा तो उन्होंने इसका विरोध किया। इस दौरान स्कूल के शिक्षकों और अभिभावकों के बीच विवाद की स्थिति बन गई। एक अभिभावक ने पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया। शिकायत शिक्षा विभाग तक पहुंचने के बाद प्रभारी प्राचार्या को नोटिस जारी किया गया है।अभिभावकों का कहना है कि स्कूल में सफाई कर्मचारी पदस्थ हैं, इसके बावजूद छात्राओं से कचरा उठवाया जा रहा था। मंगलवार को बच्चियों को लेने पहुंचे अभिभावकों ने जब इस पर आपत्ति जताई तो स्कूल प्रबंधन से उनकी बहस हो गई। आरोप है कि प्रभारी प्राचार्या ने भी उनकी शिकायत पर संतोषजनक जवाब नहीं दिया और बच्चों को ले जाने की बात कही। इसके बाद विवाद बढ़ गया और अभिभावकों ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई।

जवाब मांगा, जांच के बाद होगी कार्रवाई

स्कूल में दीपावली के मद्देनजर सफाई अभियान चलाया जा रहा था। अभिभावकों का कहना है कि सफाई का काम कर्मचारियों से कराया जाना चाहिए, छात्राओं को इसके लिए बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। जिला शिक्षा अधिकारी गौतम बर्वे ने मामले की जानकारी लेकर जांच कराने की बात कही है। विभाग ने प्रभारी प्राचार्या को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है।

14 साल से लंबित पदोन्नति पर मेडिकल कॉलेज प्रशासन को 10 दिन का अल्टीमेटम

जबलपुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में कर्मचारियों की 14 वर्षों से लंबित पदोन्नति को लेकर मध्य प्रदेश लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संघ ने प्रशासन को 10 दिन का अल्टीमेटम दिया है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी ने कहा कि नर्सिंग ऑफिसर, लिपिक, टेक्नीशियन एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ नहीं मिल रहा है, जबकि प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेजों में प्रक्रिया जारी है। उन्होंने पात्र कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया तत्काल शुरू करने की मांग की। 10 दिन में कार्रवाई नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई है। इस मांग के समर्थन में अजय कुमार दुबे, सुनील, इशा दिन, राजू मास्क, प्रशांत श्रीवास्तव, घनश्याम पटेल, ओमप्रकाश पंगरा, विपिन पीपरे, संतराम मरावी, राजेंद्र भट्टी एवं रोहित पटेल ने भी कर्मचारियों के अधिकारों की लड़ाई में सहयोग की अपील की।

हैदर अली बने जबलपुर किशोर, अंशुमन धनगर को मिला जबलपुर कुमार का खिताब

जबलपुर। जिला इंडियन स्टाइल कुश्ती संघ द्वारा शिवाजी नगर मांडवा, रामपुर में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का समापन हुआ। हैदर अली पहलवान जबलपुर किशोर, अंशुमन धनगर (लक्की) जबलपुर कुमार तथा आदित्य पहलवान वीर अभिमन्यु बने। प्रतियोगिता में 36 किग्रा वर्ग में अभय पह., 40 किग्रा में आदित्य पह., 44 किग्रा में साहिल पह., 48 किग्रा में राम पह. तथा 51 किग्रा में कमलजीत पह. प्रथम रहे। सभी विजेताओं को वीर अभिमन्यु की उपाधि प्रदान की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अर्जुन यादव, विनोद कछवाहा, किशोरी लोधी, राजाराम पटेल, अनिल धनगर, एड. हीरा पह., हाजी रहमान एवं खेमचंद धनगर उपस्थित रहे। निर्णायक देवेन्द्र उपाध्याय, विनय प्रजापति, राकेश यादव, चंदन चक्रवर्ती एवं प्रवीण धनगर रहे। संचालन अरुण चंद्रवंशी ने किया। विजेताओं को नगद राशि, गदा एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। आयोजन में मंतो पह., आशीष बेन, दीपक रजक खलीफा सहित अन्य सहयोगियों का योगदान रहा। आभार राजकुमार यादव ने व्यक्त किया।

अंतर महाविद्यालयीन महिला कबड्डी में हितकारिणी महिला महाविद्यालय विजेता

जबलपुर। उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के तहत हितकारिणी महिला महाविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालयीन महिला कबड्डी प्रतियोगिता में मेजबान हितकारिणी महिला महाविद्यालय ने यूटी डी को 29-11 से हराकर विजेता का खिताब हासिल किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन ओएसडी अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग, हितकारिणी विद्या परिषद के मंत्री जयेश राठौर, डॉ. अजय गुप्ता, खेल अधिकारी डॉ. रमेश शुक्ला की उपस्थिति में हुआ। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. नीलेश पांडेय ने की। इस अवसर पर सुदर्शन सिंह ठाकुर एवं डॉ. प्रिंसी जार्ज उपस्थित रहे। संचालन दिनेश सिंह ठाकुर ने किया। सेमीफाइनल में यूटी डी ने मानकुंवर बाई कॉलेज को 41-10 तथा हितकारिणी ने साइंस कॉलेज को 38-14 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। निर्णायक की भूमिका शानू यादव, परमूलाल, अंकित यादव, जयलक्ष्मी स्वामी, शिवानी पटेल, शोभा प्रधान, स्नेहा सिंहरहा एवं संजय पांडेय ने निभाई। विभिन्न महाविद्यालयों के क्रीड़ा अधिकारी हरीश दुबे, दीपेंद्र यादव, रचना विश्वकर्मा, नेहा तिवारी, प्रदीप शर्मा, संदीप यादव एवं प्रगति शुक्ला उपस्थित रहे।





दिव्यांग विद्यार्थियों के साथ मनाया दीपोत्सव, मिठाई और वस्त्र किए वितरित

जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल महाविद्यालय में दीपोत्सव के अवसर पर दिव्यांग विद्यार्थियों के साथ खुशियां साझा कर पंचमहोत्सव का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रो. अरुण शुक्ल ने विद्यार्थियों को मिठाई एवं वस्त्र भेंट किए। उपहार पाकर विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी और उत्साह झलक उठा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच अपनत्व, आत्मीयता और खुशियां बांटने का संदेश देना रहा। इस अवसर पर डॉ. राजीव मिश्रा, डॉ. महेंद्र कुशवाहा, डॉ. तरुणेन्द्र साकेत एवं मनीष रघुवंशी उपस्थित रहे।

निबंध प्रतियोगिता में अंजलि जैन ने जीता प्रथम पुरस्कार

बरेला। शिक्षण संस्था मित्र संघ पब्लिक एंड चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मेगामाइंड्स एवं नगर निगम जबलपुर के सहयोग से आयोजित जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता के ग्रुप बी में बरेला की अंजलि जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 11 हजार रुपये की पुरस्कार राशि जीती। अंजलि बस स्टैंड निवासी जय जैन एवं जया जैन की सुपुत्री हैं। उनकी इस उपलब्धि पर नगर में हर्ष का माहौल है। नगरवासियों ने अंजलि को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।





छठ पूजा की तैयारियों का विधायक अशोक रोहाणी ने किया निरीक्षण

जबलपुर। छठ महापर्व को लेकर अधारताल तालाब में की जा रही तैयारियों का बुधवार को विधायक अशोक रोहाणी ने निरीक्षण किया। उन्होंने नगर निगम एवं पुलिस अधिकारियों को घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश, पेयजल एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। उत्तर प्रदेश-बिहार महासंघ के संयोजक डॉ. राजेश जायसवाल ने बताया कि शहर में करीब 18 स्थानों पर छठ पूजा होती है। इस वर्ष अधारताल तालाब में घाटों की नंबरिंग कर टोकन के माध्यम से पूजा स्थल आरक्षित करने की व्यवस्था की गई है। विधायक ने पहल की सराहना करते हुए श्रद्धालुओं से निर्धारित स्थल पर ही पूजा करने और विवाद से बचने की अपील की। निरीक्षण में पार्षद बाबा श्रीवास्तव, विजय शंकर शुक्ला, जीपी विश्वकर्मा, रमाकांत मिश्रा, अमेन्द्र नारायण श्रीवास्तव, आकाश रजक, संदीप चक्रवर्ती सहित अन्य उपस्थित रहे।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में दो दिवसीय दीपावली प्रदर्शनी शुरू

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान द्वारा दो दिवसीय दीपावली महोत्सव प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। उद्घाटन कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर कुलसचिव डी.के. बग्गा, प्रो. राकेश वाजपेयी, डीन विनायका लकरा, प्रो. अश्विनी जायसवाल एवं प्रो. अलका नायक उपस्थित रहीं। प्रदर्शनी में दीप सज्जा, रंगोली, वॉल हैंगिंग, कलाकृतियां, हस्तशिल्प, वेस्ट टू बेस्ट उत्पाद, मिट्टी के दीपक, पूजन सामग्री, मेहंदी एवं लिप्पन आर्ट आकर्षण का केंद्र हैं। कार्यक्रम में डॉ. अजय मिश्रा, डॉ. मीनल दुबे, जोहफिशा मनसब अंसारी, डॉ. मुक्ति मिश्रा, डॉ. साधना जनसारी, डॉ. आशारानी, डॉ. शैलेश प्रसाद, डॉ. हरीश यादव, डॉ. धीरेंद्र मौर्या, डॉ. भय सिंह, रविता सिंह, आर्किटेक्ट गुणित वैद्य, सविता पहारिया सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।



रोप स्किपिंग में जबलपुर संभाग बना राज्य चैंपियन

जबलपुर। राज्य स्तरीय रोप स्किपिंग प्रतियोगिता में जबलपुर संभाग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप हासिल की। टीम ने 30 स्वर्ण, 15 रजत और 4 कांस्य सहित कुल 49 पदक जीतकर पहला स्थान प्राप्त किया। छिंदवाड़ा दूसरे और भोपाल तीसरे स्थान पर रहा। प्रतियोगिता में 19 वर्ष वर्ग में कीर्टू, ऋषिका श्रीवास्तव, सायमा और सनम खान ने स्वर्ण, जबकि विशाखा सोनकर ने रजत पदक जीता। अंडर-17 में अदिति सेन, दमयंती विश्वकर्मा, नेहा श्रीवास, बुशरा, अल्फिया बानो और प्रियांशि अहिरवार ने स्वर्ण तथा अंजलि त्रिपाठी ने रजत जीता। 14 वर्ष वर्ग में आस्था रजक ने तीन स्वर्ण, जबकि आराध्या श्रीवास्तव, शिक्षा कोरी और विद्या कुमारी ने स्वर्ण पदक हासिल किए। 10 वर्ष वर्ग में श्रेया कुमारी तथा बालक वर्ग में तन्मय बेन, शुभांश साहू और सनी अहिरवार ने स्वर्ण पदक जीते। कोच सारिका सिंह एवं जिला रोप स्किपिंग संघ ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।



मेधावी बच्चों ने महापौर से साझा किए हवाई यात्रा के अनुभव

जबलपुर। नगर निगम विद्यालयों के 27 मेधावी छात्र-छात्राओं ने इंदौर की हवाई यात्रा से लौटकर महापौर निवास पर आयोजित 'अनुभव संवाद' कार्यक्रम में अपने रोमांचक अनुभव साझा किए। बच्चों ने पहली बार हवाई सफर, फाइव स्टार होटल में ठहरने, खानपान, चिड़ियाघर भ्रमण और खजराना गणेश मंदिर के दर्शन को यादगार बताया तथा महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू का आभार जताया। महापौर द्वारा पिछले चार वर्षों से लगातार मेधावी विद्यार्थियों को हवाई यात्रा कराने की पहल की जा रही है। कार्यक्रम में नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, एमआईसी सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी, विवेक राम सोनकर, अंशुल राघवेंद्र यादव, रजनी कैलाश साहू, सोनिया रंजीत सिंह, मोनिका पुष्पेंद्र सिंह, अंजना मनीष अग्रहरि, प्रतिभा भापकर, अर्चना सिसोदिया, अविनाश चमकेल, अतुल जैन दानी, वर्षा मनोज सेन, रजनी सुरेंद्र साहू, कविता रैकवार, शिक्षा अधिकारी शैलेन्द्र पांडे एवं जयदीप मिश्रा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

अलकनंदा अवस्थी की कृति 'अलकनन्दा' का विमोचन

बलपुर। अंतरराष्ट्रीय कादम्बरी एवं पाथेय संस्था के तत्वावधान में कवयित्री अलकनंदा अवस्थी की लघुकथा एवं कविता संग्रह 'अलकनन्दा' का विमोचन अमोदा होटल, मदनमहल में महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि एवं श्रीमाँ साध्वी विभानंद गिरी के सानिध्य में हुआ। मुख्य अतिथि महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू तथा अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. हरिशंकर दुबे ने की। विशिष्ट अतिथि राजेन्द्र अवस्थी, अमरेन्द्र नारायण एवं डॉ. कृष्ण कुमार दुबे रहे। वक्ताओं ने साहित्य और मानवीय संवेदनाओं में कृति के महत्व पर विचार रखे। इस अवसर पर अलकनंदा अवस्थी को 'सृजन श्री' अलंकरण से सम्मानित किया गया। अदिति कुमार ने भक्ति नृत्य प्रस्तुत किया। संचालन राजेश पाठक 'प्रवीण' एवं आभार यशोवर्धन पाठक ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में राज अवस्थी, मोती एवं सारंग शिवहरे, प्रतुल श्रीवास्तव, विजय जायसवाल, नरेंद्र जैन, राजीव गुप्ता, महेश स्थापक, दिवाकर शर्मा, रश्मि पाठक, चंद्रशेखर शर्मा, सीमा अवस्थी, समर्थ अवस्थी, डॉ. सुरेंद्रलाल साहू, प्रभा शील, सिद्धेश्वरी सराफ, विनीता पैगवार, आरती श्रीवास्तव, शिवानी भगत, ज्योति मिश्रा, ज्योति प्यासी, डॉ. कामना कौस्तुभ, गीता पांडे एवं एड. भावना निगम सहित अनेक साहित्यकार उपस्थित रहे।



रत्नत्रय से ही मोक्ष की प्राप्ति संभव : मुनि श्री निष्कम्प सागर

जबलपुर। मुनि श्री 108 निष्कम्प सागर जी महाराज ने शिवनगर में मंगल प्रवेश के दौरान धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र अर्थात रत्नत्रय की एकता से ही मोक्ष की प्राप्ति संभव है। आत्मा का समस्त कर्मों से पूर्णतः पृथक होना ही मोक्ष है। इसके पूर्व मुनि संघ ने आमनपुर से विहार कर शिवनगर में मंगल प्रवेश किया। चातुर्मास समिति अध्यक्ष अनिल बारदाना, महामंत्री राजेश सिंघई, विकास जैन, संजय मामा एवं राजा भैया सहित श्रावक-श्राविकाओं ने श्रीफल भेंट कर अगवानी की।

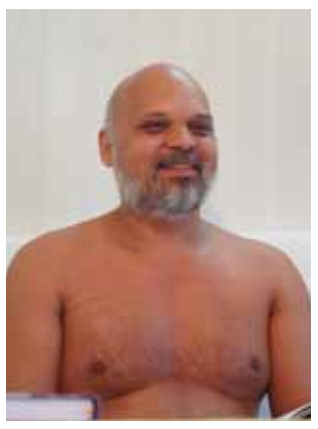

उल्लेखनीय है कि पर्युषण पर्व के बाद मुनि संघ ने विभिन्न कॉलोनियों के जिनालयों में वंदना एवं विश्व के सबसे बड़े विधान के आयोजन की प्रेरणा दी। एक माह चार दिन के विहार के बाद मुनि संघ का पुनः चातुर्मास स्थल शिवनगर में मंगल प्रवेश हुआ।

तनावमुक्त जीवन के लिए स्वास्थ्य संगोष्ठी आयोजित

जबलपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या शाला चेरीताल में शिक्षकों के लिए स्वास्थ्य एवं तनावमुक्त जीवन विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य अतिथि शिक्षाविद एवं साहित्यकार डॉ. मुकुल तिवारी ने कहा कि वर्तमान जीवनशैली में तनावमुक्त रहना बेहद आवश्यक है। अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य बी.के. सोनी ने स्वस्थ जीवन को सफलता का आधार बताया। कैंसर काउंसलर एवं आर्ट ऑफ लिविंग फैकल्टी नीलम शर्मा ने श्वसन क्रिया, सांसों के संतुलन, मन एवं शरीर को स्वस्थ रखने तथा तनाव से बचने के उपाय बताए। उन्होंने शिक्षकों को हल्के-फुल्के व्यायाम का अभ्यास भी कराया। कार्यक्रम का संयोजन आशा यादव, स्वागत सारिका अग्रवाल एवं कुरील मैडम ने किया। आभार मनीष जैन ने व्यक्त किया। संगोष्ठी में विद्यालय के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।



नाम परिवर्तन सूचना

मैं HIMANSSHU MISHRRA उम्र 35 वर्ष S/O ANIL MISHRA मेरी 10th,12th की अंकसूची में मेरा नाम (HIMANSHU MISHRA) लिखा हुआ है जो की बदल कर HIMANSSHU MISHRRA कर लिया है जो कि मेरे आधार, पेन और अन्य सरकारी दस्तावेजों में दर्ज है अतः मुझे मेरे सही नाम HIMANSSHU MISHRRA से जाना पहचाना जाए।

नया नाम :- HIMANSSHU MISHRRA
पुराना नाम :- HIMANSHU MISHRA
पता - : 806 न्यू 836/1 खेरमाई हनुमानताल जबलपुर

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव

रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा झटका, डोनाल्ड ट्रंप की मनमानी का अंत, सीमित होंगे अधिकार, अमेरिकी नागरिक खुश, बोले 'ब्ल्यू सुनामी' की थी जरूरत

अमेरिका के नागरिकों ने डेमोक्रेट्स की जीत पर खुशी जताते हुए कहा कि इस ब्ल्यू सुनामी (डेमोक्रेट पार्टी के झंडे का मुख्य रंग) की जरूरत थी। डेमोक्रेट पार्टी को युवाओं ने ज्यादा वोट दिए। 57% महिलाओं ने डेमोक्रेटिक पार्टी को और 41 प्रतिशत ने रिपब्लिकन पार्टी को वोट दिए। उम्र के हिसाब से 18 से 29 साल के 49 प्रतिशत युवाओं ने और 30 से 44 उम्र के 59 प्रतिशत युवाओं ने डेमोक्रेटिक पार्टी को वोट दिए। रिपब्लिकन पार्टी की हार के पीछे सबसे बड़ी वजहों में ईरान युद्ध और उससे पैदा हुई आर्थिक परेशानियों को गिना जा रहा है।

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। तीन नवंबर को हुए मतदान के नतीजों में डेमोक्रेटिक पार्टी ने अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों- सीनेट और प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में बहुमत हासिल कर लिया है। इसके साथ ही ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के पहले दो वर्षों में चला आ रहा रिपब्लिकन पार्टी का संसद पर नियंत्रण खत्म हो गया है। अमेरिका के नागरिकों ने डेमोक्रेट्स की जीत पर खुशी जताते हुए कहा कि इस ब्ल्यू सुनामी (डेमोक्रेट पार्टी के झंडे का मुख्य रंग) की जरूरत थी।

यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण था, क्योंकि ट्रंप ने 2024 में राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद रिपब्लिकन पार्टी के लिए संसद के दोनों सदनों में बहुमत हासिल किया था। इस तरह राष्ट्रपति पद के साथ कांग्रेस पर भी उनकी पार्टी का नियंत्रण था। अब मध्यावधि चुनाव के नतीजों ने यह स्थिति बदल दी है। सीनेट में रिपब्लिकन के सात सीटें गंवाने से सत्ता का समीकरण बदल गया। टेक्सास, कंसास, आयोवा, ओहायो और दक्षिण कैरोलिना जैसे राज्यों में डेमोक्रेट्स ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। गवर्नर चुनाव में भी चार रिपब्लिकन राज्यों में सत्ता बदली। भारतीय मूल के कई उम्मीदवार जीते, जबकि ट्रंप के करीबी विवेक रामास्वामी ओहायो में हार गए।

डेमोक्रेटिक पार्टी को युवाओं और महिलाओं ने ज्यादा वोट दिए

मतदाता ट्रंप की ओर से थोपे गए टैरिफ से भी अधिक परेशान थे



पोर्टलैंड में डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेट उम्मीदवार ट्रॉय जैक्सन की जीत से भावुक हुए लोग

महंगाई और पेट्रोल की बढ़ती कीमतें रहीं नाराजगी का बड़ा कारण

अमेरिका के नागरिकों ने डेमोक्रेट्स की जीत पर खुशी जताते हुए कहा कि इस ब्ल्यू सुनामी (डेमोक्रेट पार्टी के झंडे का मुख्य रंग) की जरूरत थी। डेमोक्रेट पार्टी को युवाओं ने ज्यादा वोट दिए। 57% महिलाओं ने डेमोक्रेटिक पार्टी को और 41 प्रतिशत ने रिपब्लिकन पार्टी को वोट दिए। उम्र के हिसाब से 18 से 29 साल के 49 प्रतिशत युवाओं ने और 30 से 44 उम्र के 59 प्रतिशत युवाओं ने डेमोक्रेटिक पार्टी को वोट दिए। रिपब्लिकन पार्टी की हार के पीछे सबसे बड़ी वजहों में ईरान युद्ध और उससे पैदा हुई आर्थिक परेशानियों को गिना जा रहा है। ट्रंप प्रशासन की ईरान नीति और सैन्य अभियान का असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर पड़ा। ऊर्जा बाजार में अस्थिरता, ईंधन की बढ़ती कीमतें और रोजमर्रा की जरूरतों का महंगा होना मतदाताओं की नाराजगी का बड़ा कारण बना। ईरान से लेकर भ्रष्टाचार तक को लेकर लोग नाराज रहे।

◆ट्रंप बोले- हम डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर काम करेंगे



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मिडटर्म चुनाव में आखिरकार अपनी हार मान ली है और कहा है कि वह नतीजों को स्वीकार करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ट्रंप ने मंगलवार रात (अमेरिकी समयानुसार) चुनावी नतीजे आने के दौरान कहा कि मैं इन नतीजों को स्वीकार करने के लिए तैयार हूं। हम डेमोक्रेट्स के साथ काम करेंगे और उनके साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं। हम संभवतः कोई न कोई रास्ता निकाल लेंगे।

◆चुनाव मैदान में होता तो जीतते

इससे पहले ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट कर के लिखा- "मैं चुनाव मैदान में नहीं था और अगर होता, तो हम भारी बहुमत से जीतते।"

गवर्नर चुनाव में चार राज्यों में सत्ता परिवर्तन

◆जार्जिया में पहली अश्वेत महिला गर्वनर, ओहायो में भी पहली बार



कीशा लांस



एमी एक्टन

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव के दौरान 36 राज्यों में गवर्नर पद के लिए भी मतदान हुआ। यहां भी डेमोक्रेटिक पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया। जॉर्जिया, आयोवा, ओहायो और टेक्सास में रिपब्लिकन के कब्जे वाली गवर्नर सीटें डेमोक्रेट्स ने छीन लीं। जॉर्जिया में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कीशा लांस बॉटम्स ने रिपब्लिकन रिक जैक्सन को हराया। वह जॉर्जिया की पहली अश्वेत महिला गवर्नर होंगी। इस जीत के साथ उन्होंने अमेरिकी राजनीति में एक नया इतिहास बनाया है। ओहायो में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार एमी एक्टन ने विवेक रामास्वामी को हराकर गवर्नर चुनाव जीत लिया।

◆ट्रंप 'राजनीतिक पंडित' बन हार-जीत पर देंगे राय, 'वीटो कैप' की पोस्ट



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नई जिम्मेदारी निभाने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा है कि अब हार जीत पर अपनी राय देंगे। इसके साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर लाल रंग की टोपी पोस्ट की जिस पर 'वीटो' लिखा हुआ है। ट्रुथ सोशल पर उन्होंने लिखा कि अब मैं राजनीतिक 'पंडित' बनूंगा और उम्मीदवारों अच्छा और बुरा, दोनों तरह का राजनीतिक विश्लेषण कर बताऊंगा कि किन वजहों से उम्मीदवार जीते या हारे। इसके बाद उन्होंने लाल रंग की वीटो कैप भी पोस्ट की। ट्रंप ने चुनाव से पहले कहा था कि अगर डेमोक्रेट्स को बहुमत मिलेगी तो वो उनके लाए हर कानून पर वीटो लगाकर अपने अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने कहा था कि हो सकता है कि लोग उन्हें 'मिस्टर वीटो' का खिताब दे दें।

भारतीय मूल के नेताओं का दबदबा

◆पिया डंडिया, सुहास, अरुणा मिलर ने दर्ज की जीत



पिया डंडिया, सुहास सुब्रमण्यम और अरुणा मिलर

अमेरिकी चुनाव में भारतीय मूल के उम्मीदवारों का प्रदर्शन भी चर्चा में रहा। इस बार अलग-अलग पदों के लिए कम से कम 57 भारतीय मूल के उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे थे। इनमें डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दोनों दलों के नेता शामिल थे।

पिया दांडिया: फ्लोरिडा की 22वीं कांग्रेसनल सीट से डेमोक्रेटिक उम्मीदवार पिया दांडिया ने रिपब्लिकन उम्मीदवार केसी अस्कर को हराया। वह पेशे से स्कूल की पूर्व प्रिंसिपल रही हैं।

सुहास सुब्रमण्यम: वर्जीनिया की 10वीं कांग्रेसनल सीट से डेमोक्रेटिक सांसद सुहास सुब्रमण्यम ने दोबारा जीत दर्ज की। सुब्रमण्यम 2024 में वर्जीनिया से अमेरिकी

अरुणा मिलर: डेमोक्रेटिक पार्टी की मैरीलैंड की लेफ्टिनेंट गवर्नर अरुणा मिलर ने दोबारा जीत हासिल की। उन्हें एक बार फिर जनता ने लेफ्टिनेंट गवर्नर के रूप में फिर से चुना है।

रो खन्ना: कैलिफोर्निया की 17वीं सीट से डेमोक्रेटिक सांसद रो खन्ना भी जीते।

प्रमिला जयपाल: वॉशिंगटन राज्य की सातवीं सीट से डेमोक्रेटिक सांसद प्रमिला जयपाल जीतीं।

हालांकि, विवेक रामास्वामी और सरिता कोमाटिरेड्डी जैसे रिपब्लिकन चेहरों को हार मिली। रिपब्लिकन नेता विवेक रामास्वामी ओहायो के गवर्नर पद के उम्मीदवार थे। मैसाचुसेट्स से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर सीनेट चुनाव लड़ रहे शिवा अय्यादुरई को भी हार का सामना करना पड़ा।

◆ट्रंप के निशाने पर रहे नेताओं ने जीत का किया स्वागत



पेद्रो सांचेज

ट्रंप के निशाने पर रहे दुनिया के कुछ नेताओं ने डेमोक्रेटिक पार्टी की इस बड़ी जीत का स्वागत किया है। स्पेन के वामपंथी पीएम पेद्रो सांचेज ने कहा कि अमेरिकी मतदाताओं ने नफ़रत, जलवायु परिवर्तन को नकारने की सोच और विशेषाधिकार प्राप्त अभिजात वर्ग के ख़िलाफ़ वोट दिया है। वहीं, नॉर्वे के पीएम जोनास गार स्टोर ने कहा कि अमेरिका में ऐसी आवाजें उभर रही हैं, जिनके विचार ओस्लो के सिद्धांतों से ज़्यादा मेल खाते हैं। दक्षिण आफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कहा कि इन चुनावों से अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एक नए दौर की शुरुआत होगी।

खबर संक्षेप

दो दिवसीय दौरे पर काठमांडू पहुंचे मिसरी



काठमांडू। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर बुधवार को काठमांडू पहुंचे। नेपाल में भारत के राजदूत सुधाकर दलेला और नेपाल के विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। माना जा रहा है कि यह दौरा नेपाली पीएम बालेंद्र शाह की आगामी भारत यात्रा की नींव तैयार करेगा। अपनी यात्रा के दौरान, मिसरी नेपाल के विदेश सचिव अमृत बहादुर राय के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे।

रेल गुजरने के बाद ट्रैक पर धमाका, सभी सेफ



श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में रेलवे ट्रैक पर मंगलवार को जोरदार विस्फोट हुआ। यह घटना अनूपगढ़-सूरतगढ़ ट्रेन के गुजरने के तुरंत बाद हुई। विस्फोट से ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गया। कोई हताहत की खबर नहीं है, क्योंकि विस्फोट ट्रेन के गुजरने के बाद हुआ। घटना की सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियों और रेलवे अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अधिकारियों ने कहा कि घटनास्थल की जांच के बाद ही पूरी जानकारी सामने आएगी।

केदारताल ट्रैक एवलांच हादसा

6 की मौत, 2 की तलाश जारी, 8 लोग फंसे हुए थे



दीपिका वर्मा वर्तिका वर्मा

एजेंसी ▶▶ उत्तरकाशी

उत्तरकाशी के केदारताल ट्रैक पर एवलांच और बर्फबारी की चपेट में आने से लापता 8 लोगों में से अब तक 6 की मौत हो चुकी है। बुधवार को सर्च ऑपरेशन के दौरान 4 और शव बरामद किए गए। इनमें लखनऊ के गायत्रीपुरम की ट्रैकर बहनें वर्तिका वर्मा और दीपिका वर्मा भी शामिल हैं।

इससे पहले मंगलवार को दो शव मिले थे। अब 2 लापता लोगों की तलाश जारी है। सर्च ऑपरेशन में आईटीबीपी को भी शामिल किया गया है। आईटीबीपी की टीम स्पेशल हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू अभियान चला रही है। वहीं, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, उत्तराखंड पुलिस, वन विभाग और नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग (एनआईएम) की टीमें भी लगातार तलाशी में जुटी हैं। बुधवार को हेलिकॉप्टर से 4 शवों को मातली हेलीपैड पर उतारा गया। इसके बाद देहरादून के लिए रवाना हो गया।

बर्फबारी की वजह से रेस्क्यू में परेशानी

29 अक्टूबर को भोजखड़क और कच्ची ढांग के पास हिमस्खलन और बर्फबारी की चपेट में आने से 8 लोग लापता हो गए थे। इससे पहले रेस्क्यू टीमों को घटनास्थल के पास कुछ सामान भी मिला था। लापता लोगों में पश्चिम बंगाल के 5 ट्रैकर, उत्तर प्रदेश की 2 ट्रैकर और उत्तरकाशी के स्थानीय गाइड सिद्धार्थ राणा शामिल थे। खराब मौसम और लगातार बर्फबारी के कारण तलाशी अभियान में मुश्किलें आ रही हैं। बता दें, 27 अक्टूबर को 13 सदस्यीय दल ट्रैकिंग पर निकला था- पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के 7 ट्रैकर, उत्तरकाशी के स्थानीय गाइड सिद्धार्थ राणा और 5 सपोर्ट स्टाफ समेत कुल 13 लोगों का दल 27 अक्टूबर को गंगोत्री से केदारताल ट्रैक के लिए रवाना हुआ था। दल को 29 अक्टूबर तक वापस लौटना था। वापसी के दौरान भोजखड़क और कच्ची ढांग के पास अचानक हिमस्खलन और बर्फबारी हुई।

4 सदस्य सुरक्षित पहुंचे गंगोत्री

30 अक्टूबर को दल के 4 सदस्य (3 नेपाली पोर्टर और कुक रोहन राणा) सुरक्षित गंगोत्री पहुंचे। उन्होंने प्रशासन को 8 लोगों के लापता होने की जानकारी दी। इसके बाद 31 अक्टूबर से एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस और वन विभाग की टीमों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। मंगलवार को 2 शव बरामद किए गए। बुधवार सुबह सर्च ऑपरेशन के दौरान 4 और शव मिले। अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 2 की तलाश जारी है।

'हिंद-प्रशांत क्षेत्रीय संवाद-2026' में चीन का नाम लिए बिना राजनाथ सिंह बोले

कुछ देश महासागरों का गलत लाभ उठाना चाहते, क्षेत्रीय सहयोग से ही समाधान संभव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वैश्विक समुद्री सुरक्षा वातावरण में बढ़ते तनाव के बीच, क्षेत्रीय साझेदारों के बीच आपसी निर्भरता और अधिक सुरक्षित तथा मजबूत बनाने का आह्वान किया है। इसके लिए उन्होंने आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने, भरोसेमंद समुद्री बुनियादी ढांचे के निर्माण, समुद्री जागरूकता बढ़ाने और आपसी सहयोग को मजबूत करने पर बल दिया।

■ भारत एक व्यापक समुद्री ईकोसिस्टम विकसित करने में जुटा हुआ

उन्होंने कहा कि कुछ पक्ष और देश अपने संकीर्ण और एकतरफा लाभ के लिए महासागरों की इस महत्ता का गलत फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। जानबूझकर व्यापार में बाधाएं पैदा करने से वैश्विक समुद्री सुरक्षा का वातावरण तनावपूर्ण हो गया है। हम नौवहन की स्वतंत्रता के सामने खुली चुनौतियां देख रहे हैं। समुद्री रास्तों को हथियारों की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। समुद्री क्षेत्र में बढ़ती यह अस्थिरता व्यापक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर भी गहरा असर डालती है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि उभरते खतरों के साथ समुद्री सुरक्षा को भी विकसित होना चाहिए। आज के समय की मांग है कि नई तकनीकों का भरपूर इस्तेमाल किया जाए। उन्होंने कहा कि तकनीक देशों के बीच असमानता का एक और कारण नहीं बननी चाहिए, अगर इसका लाभ केवल कुछ ही लोगों को मिले, तो इससे सामूहिक मजबूती का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता।

महासागरों को संसाधनों का असीमित स्रोत नहीं माना जा सकता

समुद्री क्षेत्र में आपसी निर्भरता मजबूत करने के लिए सहयोग जरूरी



राष्ट्रीय समुद्री फाउंडेशन की स्मारिका को जारी करते राजनाथ सिंह व अन्य गणमान्य अतिथि

सार्थक बातचीत से सहयोग का मार्ग प्रशस्त होगा

राजनाथ सिंह ने यहां आयोजित 'हिंद-प्रशांत क्षेत्रीय संवाद में कहा कि विचार-विमर्शों से सार्थक बातचीत और व्यावहारिक सहयोग का मार्ग प्रशस्त होगा। हमें साझा चुनौतियों से साझा समझ की ओर, साझा समझ से साझा ज्ञान की ओर, और साझा ज्ञान से साझा अनुकूलन तथा साझा समृद्धि की ओर आगे बढ़ना चाहिए।

अनुसंधान, शिक्षा और नवाचार पर दिया जोर

रक्षा मंत्री ने अनुसंधान, शिक्षा, नवाचार और क्षमता निर्माण में सहयोग को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी एक देश की मजबूत वैज्ञानिक क्षमता पूरे क्षेत्र की सुरक्षा और समृद्धि में योगदान दे सकती है। उन्होंने छोटे समुद्री राष्ट्रों और विकासशील देशों के लिए इसे विशेष रूप से महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि सबसे उपयोगी तकनीक का जरूरी नहीं; बल्कि वह तकनीक सबसे उपयोगी है जो किसी वास्तविक समस्या का समाधान करे।

तकनीक का लाभ सभी को मिले

राजनाथ सिंह ने कहा कि तकनीक को देशों के बीच असमानता का एक और कारण नहीं बनना चाहिए, क्योंकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में ऐसे देश शामिल हैं जिनकी तकनीकी और आर्थिक क्षमता का स्तर अलग-अलग है। कुछ देशों के पास उन्नत अनुसंधान बुनियादी ढांचा है। वहीं, अन्य देश अब भी ऐसे संस्थागत और मानव संसाधन विकसित कर रहे हैं, जो इस बदलाव में पूरी तरह से शामिल होने के लिए जरूरी हैं। अगर तकनीकी प्रगति का लाभ केवल कुछ ही देशों को मिलता है, तो हम उस सामूहिक मजबूती को हासिल नहीं कर पाएंगे जिसकी हमारे क्षेत्र को जरूरत है।

समुद्री सुरक्षा में आ रहीं नई चुनौतियां

रक्षा मंत्री ने समुद्री सुरक्षा के बदलते स्वरूप का उल्लेख करते हुए कहा कि चुनौतियां केवल पारंपरिक सैन्य गतिविधियों से ही नहीं, बल्कि समुद्री डकैती, तस्करी, अवैध मछली पकड़ने, साइबर हमलों और प्राकृतिक आपदाओं जैसे गैर-पारंपरिक खतरों से भी आ सकती हैं। उन्होंने कहा कि समुद्री सुरक्षा को भी बदलते समुद्री परिवेश के साथ विकसित होने की जरूरत है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेटा को प्रोसेस करने के तरीके को बदल रहा है, जबकि स्वचालित प्रणालियां निगरानी और अभियानों की संभावनाओं का विस्तार कर रहे हैं। नए सेंसर महासागरों पर नजर रखने की हमारी क्षमता को बेहतर बना रहे हैं। लेकिन, केवल तकनीक ही इसका समाधान नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि हम वास्तविक चुनौतियों से निपटने के लिए तकनीक का उपयोग कैसे करते हैं।

भारत और इंडोनेशिया के विशेष बलों ने जंगल में दिखाया दमखम

पूर्वी जावा के दुर्गम जंगलों में युद्धक क्षमता परख रहे

संयुक्त सैन्य अभ्यास गरुड़शक्ति-202 के दौरान एक साथ लगाई 'फ्री फॉल' छलांग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और इंडोनेशिया के विशेष बलों ने जंगल के चुनौतीपूर्ण माहौल में अपनी युद्धक क्षमता, सटीक कार्रवाई और आपसी तालमेल का प्रदर्शन किया। दोनों देशों के संयुक्त सैन्य अभ्यास 'गरुड़शक्ति-2026' के नौवें दिन यह कार्रवाई की गई। अभ्यास के तहत दोनों देशों के कमांडो ने दुश्मन से मुठभेड़ की स्थिति में सामरिक अभ्यास किए। इसके साथ ही दोनों सेनाओं के पैराशूट कमांडो ने एक साथ फ्री फॉल छलांग लगाकर हवाई अभियानों में आपसी तालमेल और एक-दूसरे के उपकरणों पर भरोसे को मजबूत किया।



पैराशूट कमांडो ने एक साथ फ्री फॉल छलांग लगाई

बेहतर तालमेल का प्रदर्शन

अभ्यास के जरिए दोनों सेनाओं ने हवाई अभियानों के दौरान बेहतर तालमेल का प्रदर्शन किया। ये संयुक्त अभ्यास भविष्य में उन्नत हवाई अभियानों और विशेष सैन्य अभियानों के दौरान दोनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय की नींव तैयार कर रहे हैं।

सैन्य कौशल और प्रशिक्षण का प्रदर्शन

बता दें, भारत और इंडोनेशिया के विशेष बल इन दिनों पूर्वी जावा के दुर्गम और घने जंगलों में अपनी युद्धक क्षमता परख रहे हैं। दोनों देशों के बीच चल रहे संयुक्त सैन्य अभ्यास में 48 घंटे से अधिक समय का विशेष प्रशिक्षण चल रहा है। यहां जवान बीते एक सप्ताह के दौरान सीखे गए सैन्य कौशल और प्रशिक्षण का वास्तविक परिस्थितियों में प्रदर्शन कर रहे हैं। इस अंतिम अभ्यास में भारतीय सेना और इंडोनेशियाई सेना के विशेष बलों के जवान एक साथ मिलकर चुनौतीपूर्ण अभियान संचालित कर रहे हैं।

जवाबी कार्रवाई के अभ्यास किए

अभ्यास के 48 घंटे के अंतिम सत्यापन चरण में भारतीय सेना और इंडोनेशियाई सेना के विशेष बलों ने कई महत्वपूर्ण गतिविधियों में हिस्सा लिया। इसमें घायल सैनिकों को युद्धक्षेत्र में तत्काल चिकित्सा सहायता देने का अभ्यास करना भी शामिल रहा। दुश्मन की गतिविधियों और उसके रास्तों का पता लगाने के लिए युद्धक ट्रैकिंग तथा दुश्मन से आमने-सामने संपर्क होने पर तत्काल जवाबी कार्रवाई के अभ्यास किए गए। इन गतिविधियों को जंगल के कठिन और चुनौतीपूर्ण इलाके में अंजाम दिया गया।

तिब्बती पठार के भूगोल से बिगड़ा चीनी वायुसेना का प्रदर्शन

कम लड़ाकू विमान होने के बावजूद भारतीय वायुसेना दे रही ड्रैगन को रणनीतिक चुनौती

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयरफोर्स के पास बड़ी संख्या में फाइटर जेट्स का जखीरा है। वर्तमान में भारतीय वायुसेना के पास मौजूद फाइटर स्क्वाड्रनों की संख्या अपने सबसे निचले स्तर पर है। भारत के पास अभी लगभग 29 फाइटर स्क्वाड्रन हैं, स्वीकृत संख्या 42.5 है। वहीं, चीन के पास पहले से ही 1,800 से अधिक लड़ाकू विमान हैं, जिनमें लगभग 300-500 पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ जे-20 लड़ाकू विमान शामिल हैं। इसके बाद भी चीन भारतीय वायुसेना से बढ़त नहीं बढ़ा पाया है।



एआई इमेज

हर मौसम में तैयार वायुसेना

भारतीय वायु सेना कम ऊंचाई वाले ऐसे फॉरवर्ड एयर बेस से काम करती है, जो हर मौसम में चालू रहते हैं। यहां से विमान पूरे पेलोड (हथियार और ईंधन) के साथ उड़ान भर सकते हैं और बहुत कम समय में कार्रवाई के लिए तैयार हो सकते हैं।

ऊंचाई वाले हवाई अड्डे बने बाधा

पूर्व वायुसेना प्रमुख एपी सिंह ने कहा था कि चीनी वायुसेना के पास लड़ाकू विमानों का बड़ा जखीरा है, लेकिन तिब्बती पठार के भूगोल की वजह से भारत के खिलाफ उनके अभियान सीमित हो जाते हैं। भारत के खिलाफ चीन की रणनीति में बड़ी बाधा तिब्बती पठार के ज्यादा ऊंचाई वाले हवाई अड्डे हैं। इनकी वजह से पेलोड, रेंज और टर्नअराउंड समय कम हो जाते हैं।